आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.आर. रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 59 अंक 232 | उज्जैन, शुक्रवार 04 सितम्बर, 2026 | भाद्रपद कृष्ण 8 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

ब्रिक्स सबमिट से पहले सीजेआई सूर्यकांत संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली में ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम का आयोजन करेगा। यह फोरम 4 से 6 सितंबर, 2026 के बीच आयोजित होगा, जिसमें भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ब्रिक्स मेंबर और पार्टनर देशों के जुडिशियल लीडर्स के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12-13 सितंबर को आयोजित हो रहा है। भारत में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय चीफ जस्टिस फोरम में ब्रिक्स के मेंबर और पार्टनर देशों के सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, प्रेसिडेंट और वरिष्ठ न्यायिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस फोरम में चर्चा का मुख्य एजेंडा, मौजूदा समय में न्यायिक व्यवस्था के सामने आने वाली चुनौती होगी।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत मदद के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कीव में यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत दोनों पक्षों की सहमति होने पर शांति प्रयासों में किसी भी तरह से मदद करने को तैयार है। इसमें जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता की भूमिका निभाना भी शामिल है। उन्होंने बातचीत और कूटनीति को संघर्ष खत्म करने का एकमात्र स्थायी रास्ता बताया। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर ने भारत का रुख दोहराते हुए कहा कि इस संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकल सकता। उन्होंने जोर दिया कि स्थायी और स्वीकार्य समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही संभव है।

अमेरिका में एक डॉलर के सिक्के पर ट्रम्प की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपनी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर वाला 1 डॉलर का खास सिक्का जारी किया है। अमेरिकी मिंट ने बुधवार दोपहर 12 बजे इसकी बिक्री शुरू की। 1 सिक्के की कीमत 2.44 डॉलर यानी 230 रुपए रखी गई। 25 और 100 सिक्कों के पैक बिक्री के लिए जारी किए गए। बिक्री शुरू होने के सिर्फ 3 घंटे बाद ही सिक्के आउट ऑफ स्टॉक हो गए। सिक्के के एक तरफ ट्रम्प की तस्वीर है। इसके साथ इन गॉड वी ट्रस्ट और लाइब्रेटी लिखा है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की मुहर और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए 250 लिखा गया है।

हनुमान अंश के डायरेक्टर चाहते हैं कि विराट-अनुष्का फिल्म देखें

सहवाग के फिल्म की तारीफ करने पर डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी इमोशनल हुए

मुंबई। नीम करौली बाबा पर बनी फिल्म हनुमान अंश देखने के बाद पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने बच्चे के साथ फिल्म देखने का अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया। सहवाग के रिएक्शन से फिल्म के निर्देशक और लेखक डॉ. विशाल चतुर्वेदी इमोशनल हो गए। साथ ही चतुर्वेदी ने कहा कि वो चाहते हैं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी यह फिल्म देखें। चतुर्वेदी ने कहा कि वह हमेशा से क्रिकेट के बड़े फैन रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस दिन वीरेंद्र सहवाग ने संन्यास लिया, उसके बाद उन्होंने क्रिकेट देखना बंद कर दिया। निर्देशक के मुताबिक, फिल्म की टीम ने सहवाग से इसे देखने की अपील नहीं की थी। इसके बावजूद सहवाग ने अपने बच्चे के साथ खुद फिल्म देखने का फैसला किया और बाद में सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया शेयर की। चतुर्वेदी ने कहा कि सहवाग के फिल्म देखने और उसकी तारीफ करने से उन्हें ऐसा लगा, जैसे उनकी जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया हो। उन्होंने कहा कि सहवाग का यह कदम उनके लिए दिल को छू लेने वाला था। अब चतुर्वेदी की इच्छा है कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी हनुमान अंश देखें। उन्होंने कहा, अगर ऐसा कुछ हो सकता है तो मैं चाहता हूं कि विराट और अनुष्का भी फिल्म देखें।

नैनो न्यूज

- **नई दिल्ली :** रूबियो ने कहा, भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं, तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे, मोदी-पजशकियान मुलाकात पर सवाल पूछा था।
- **मुंबई :** सोना 2,549 रु. बढ़कर 1.54 लाख रु. पर पहुंचा, एक महीने में दाम 11 हजार बढ़े, चांदी आज 4,420 महंगी होकर 2.33 लाख रुपये किलो हुई।
- **वाशिंगटन :** ट्रम्प की जन्मजात नागरिकता रोकने की दूसरी कोशिश नाकाम, कोर्ट ने अब बर्थ टूरिज्म बैन करने वाला आदेश रोका, कहा- सरकार नागरिकता नहीं छीन सकती।
- **चीन :** पीएचडी छोड़, रिसर्च पेपर की गड़बड़ियां खोजने लगा शख्स, 40 वैज्ञानिकों का फर्जीवाड़ा पकड़ाया, जिनपिंग सरकार ने फंडिंग-पुरस्कार छीने।
- **रूस :** पुतिन बोले- रूसी जहाजों को जब्त करना आतंकवाद है, इससे यूक्रेन जंग कभी खत्म नहीं होगी, नॉर्वे के जहाज जब्त करने पर नाराजगी जताई।
- **हरियाणा :** सोनीपत में भीषण हादसा, पीलीभीत के पांच मजदूरों की मौत, रोजी-रोटी के लिए हरियाणा जा रहे थे सभी।

बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश, गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही

13 जिले बाढ़ की चपेट में, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की।

- हिमाचल में 175 सड़कें बंद
- अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके
- राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद भूस्खलन की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

उत्तर ओडिशा में 373 गांव डूबे

- ओडिशा के उत्तर इलाके में बाढ़ से 373 गांव प्रभावित हैं। प्रशासन ने प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया है और बचाव दल तैनात किए हैं।
- अधिकारियों के मुताबिक, सुवर्णरेखा नदी बालासोर जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है।

नेपाल से 55किमी दूर 5 तीव्रता का भूकंप

एक हफ्ते पहले बाढ़-भूस्खलन से तबाही मची थी, अब तक 1273 लोगों की मौत

एजेंसी ▸▸ काठमांडू

नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी।

भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी।

तिब्बत में 100 नेपाली लापता, केरुंग में 1,500 लोग फंसे

नेपाल-तिब्बत सीमा के पास आई बाढ़ के बाद तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तिब्बत के केरुंग इलाके में करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने की तैयारी की जा रही है। छेत्री ने यह भी बताया कि भारत में मिले कम से कम 19 शव नेपाल की भोटेकोशी नदी की बाढ़ में बहकर वहां पहुंचे थे। ये शव भोटेकोशी से त्रिशूली और नारायणी नदियों के रास्ते भारत पहुंचे। तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। यह जमीन से 10 किमी गहराई में था।

इस आपदा में अब तक कुल 1273 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1252 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है।

स्कूलों में यूट्यूबर्स और इनफ्लुएंसर्स के प्रवेश पर रोक बरकरार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

देशभर के सरकारी स्कूलों में कंटेंट क्रिएटर्स, यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स की बिना अनुमति एंट्री और वीडियोग्राफी पर लगा प्रतिबंध अभी जारी रहेगा। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार के उस फैसले को सही ठहराया है, जिसके तहत स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश, इंटरव्यू, लाइव स्ट्रीमिंग और वीडियोग्राफी पर रोक लगाई गई थी। अदालत ने इस प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से साफ मना करते हुए उसे खारिज कर दिया। अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा द्वारा दायर इस याचिका में दावा किया गया था कि राज्य सरकारों का यह फरमान नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

आतंकियों के रडार पर 7 हजार कश्मीरी पंडित

लश्कर के प्रॉक्सी ने लीक की निजी जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को लेकर आतंकी धमकी सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल लश्कर-ए-तैयबा के ऑनलाइन प्रॉक्सी फ्रंट यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल की ओर से जारी ताजा धमकी के बाद घाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष पैकेज के तहत तैनात 7 हजार से अधिक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खतरे की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि धमकी के साथ कुछ कर्मचारियों की निजी जानकारी भी सार्वजनिक की गई है। इसमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर शामिल हैं। इससे कर्मचारियों में डर का माहौल है और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है। यूएलसी ने कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए हथियार देने की कवायद का भी विरोध किया है। यूएलएसी ने तर्क दिया है कि इस तरह के कदमों से इन कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी अभियानों में इस्तेमाल किए जाने वाले आसान निशाने में बदला जा सकता है। साथ ही, धमकी में घाटी में लौटकर सरकारी योजनाओं के तहत नौकरी करने वाले कश्मीरी पंडितों को लेकर स्थानीय और प्रवासी समुदाय के बीच खाई पैदा करने की कोशिश भी की गई है।

जल बोर्ड घोटाला केस में सत्येंद्र जैन को जमानत

दो-दो लाख रुपए के बॉन्ड और दो जमानतदार देने होंगे

18 अगस्त को गिरफ्तार हुए थे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आप नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें जमानत दे दी। यह मामला उस वक्त का है, जब वे केजरीवाल सरकार में जल मंत्री थे। कोर्ट ने जैन को 2 लाख रुपये के निजी बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया है। जैन को इस मामले में 18 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली जल बोर्ड में करप्शन से जुड़ा यह मामला एमएस यूरोटेक एनवायरनमेंटल प्राइवेट लिमिटेड को दिए गए एक टेंडर से जुड़ा है। टेंडर दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की क्षमता बढ़ाने और उन्हें अपग्रेड करने के लिए था।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले

अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

अब उड़ाएंगे यात्री विमान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे।

अभिनंदन वायुसेना में मिग-21 फाइटर उड़ाते थे। 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के एफ-16 लड़ाकू विमान को मार

गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। जेट से इजेक्ट होकर वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में उतरे थे।

पीओके में पाकिस्तानी फौज ने उन्हें पकड़ लिया था। भारत के जबर्दस्त दबाव के चलते करीब 60 घंटे बाद, 1 मार्च 2019 को अटारी बॉर्डर के जरिए उनकी वापसी हुई थी। 2021 में उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

हथिनीकुंड बैराज हादसा, दोनों जवानों के शव मिले

एक हरियाणा में 200किमी दूर, दूसरा यूपी में मिला, एयरलिफ्ट कराकर चंडीगढ़ भेजा

एजेंसी ▸▸ यमुनानगर

हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज हादसे में लापता सेना के दोनों जवानों के शव मिल गए हैं। एक जवान का शव उत्तर प्रदेश में बैराज से करीब 15 किलोमीटर दूर मिला, जबकि दूसरा करीब 200 किलोमीटर बहकर हरियाणा के ही जींद की हांसी ब्रांच नहर तक पहुंचा। दोनों शव डाइविंग सूट पहने हुए मिले हैं।

इसके बाद शाम 5 बजे जवान के शव को लेकर आर्मी का हेलीकॉप्टर जींद पुलिस लाइन से चंडीगढ़ के लिए रवाना हुआ।

दरअसल, मंगलवार शाम प्रैक्टिस के दौरान पांच जवान चिनूक हेलिकॉप्टर से यमुना में खड़ी बोट पर कूदे थे। इसी दौरान अचानक बोट डूब गई। तीन जवान तैरकर बाहर निकल आए, जबकि दो जवान लापता हो गए थे।

पांचों जवान हेलिकॉप्टर से यमुना में खड़ी मोटर बोट में कूदे

हादसे के बाद सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ पुलिस और प्रशासन की टीमें यमुनानगर से लेकर आसपास की नहरों में सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। मंगलवार शाम करीब 5 बजे हथिनीकुंड बैराज के पास प्रैक्टिस के लिए वन पैरा स्पेशल फोर्स के पांच जवान चिनूक हेलिकॉप्टर से यमुना में खड़ी मोटर बोट में कूदे। जवानों के बोट में पहुंचने के बाद वह स्टार्ट नहीं हुई और अचानक डूबने लगी। इसके बाद पांचों जवान डाइविंग किट और लाइफ जैकेट पहनकर नदी में कूद गए।

नेशनल कबड्डी खेलने पुरी गया सारंगपुर क्षेत्र का नितेश समुद्र में समाया

गोल्डन बीच पर नहाते समय तेज लहरों की चपेट में हुआ लापता, रेस्क्यू जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता खेलने पुरी गया सारंगपुर क्षेत्र के कठोर गांव तहसील गुलाना जिला शाजापुर का 16 वर्षीय खिलाड़ी नितेश चावड़ा मंगलवार दोपहर गोल्डन बीच पर नहाते समय तेज लहरों की चपेट में आकर समुद्र में लापता हो गया। घटना करीब 2.45 बजे की बताई गई है। नितेश को साथ गए खिलाड़ियों ने समुद्र में डूबते हुए देखा। उन्होंने तत्काल लाइफ गार्ड को सूचना दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने समुद्र में उसकी तलाश शुरू की। देर तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। घटना की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

नितेश इंदौर फेडरेशन की टीम के साथ 27 अगस्त को पुरी गया था। टीम ने नेशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद मंगलवार को खिलाड़ी मंदिर दर्शन के लिए गए। इसके बाद सभी गोल्डन बीच पहुंचे और समुद्र में नहाने लगे। इसी दौरान नितेश तेज लहरों की चपेट में आया और गहरे पानी की ओर चला गया। कुछ देर बाद जब वह नजर नहीं आया तो साथियों ने उसकी तलाश की। साथियों ने उसे पानी में डूबते हुए देखने की बात बताई है। इसके बाद समुद्र तट पर मौजूद लाइफ गार्ड को सूचना दी गई। नितेश के लापता होने की सूचना पुरी के सी बीच थाने में भी दी गई है।

सरपंच भी पुरी पहुंचे

- कोच भरत भैरवे के अनुसार प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को भेजने से पहले नितेश के पिता की अनुमति ली गई थी। टीम में उन खिलाड़ियों का चयन किया गया था, जिन्होंने बैंगलोर में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया था। नितेश को अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल किया गया था। ग्राम सरपंच दिलीप ठाकुर के अनुसार नितेश माता-पिता का इकलौता बेटा है और उसकी एक छोटी बहन है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सरपंच भी पुरी पहुंच गए और स्थानीय स्तर पर रेस्क्यू कार्य में सहयोग कर रहे हैं।
- पुलिस स्टेशन, पुरी में दिए आवेदन के अनुसार घटना का स्थान गोल्डन बीच बताया गया है। इसमें उल्लेख है कि नेशनल प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद खिलाड़ी मंदिर दर्शन के लिए गए थे और इसके बाद समुद्र तट पर पहुंचे। नहाने के दौरान नितेश कुछ समय बाद दिखाई नहीं दिया। साथियों ने उसे पानी में डूबते हुए देखा और तत्काल लाइफ गार्ड को सूचना दी।

महाकाल श्रृंगार

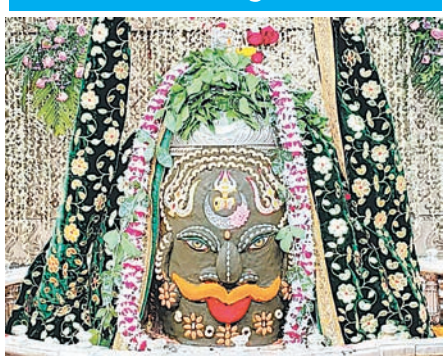

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का गुरुवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

कड़वे लेकिन धरातल के सवाल

वर्तमान राजनीतिक परिवेश में सत्ता पक्ष में शामिल होना यानिकी जो कुछ भी हो दल के पक्ष में ही बात की जाएगी। हर बात और काम को सही ठहराया जाना ही होगा। अन्यथा आपको विद्रोही करार दिया जाना तय है। महाआयोजन के लिए शहर को तैयार करने का काम नगर की संस्था कर रही है। इसमें हाल ही में कुछ धर्मस्थलों को लेकर हटाने का मसला भी जारी है। जारी इन मसलों में से एक को लेकर शहर की संस्था के एक माननीय ने दल के दल-दल में कड़वे सवालों को छोड़ दिया है। सवालों के कसैलेपन से खासी कडवाहट फैल रही है लेकिन कोई भी इन सवालों के जवाबों को लेकर बात करने को तैयार नहीं है। यानिकी सवाल निशाने पर बैठे हैं। शहर की संस्था के माननीय ने अपने ही दल के शहर के प्रथम नागरिक से पत्र लिखकर सवालों में पूछा है कि दोनों मंदिरों को जिस जगह स्थानांतरित किया जा रहा है, उस जगह पर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स प्रस्तावित है। ऐसे में यहां मंदिरों का निर्माण कैसे करवा रहा है? क्या शहर की संस्था के प्रमुख की संस्था या परिषद् ने इस जमीन मंदिरों का आवंटित कर दी है? यह प्रश्न भी उठाया गया है कि धार्मिक स्थलों को हटाने, विस्थापन करने, नवनिर्माण करने की अनुमति देने का अधिकार क्या शहर की संस्था को है? मौजूदा समय में टंकी चौक पर निर्माण किसकी सहमति से किया जा रहा है? मंदिर में जो तोडफोड़ हुई है, वह किसके आदेश और सहमति से हुई है? जिन धार्मिक स्थलों को हटाया गया या हटाया जाना है, उसकी स्थिति स्पष्ट कीजिए? मंदिर को हटाने में शहर की संस्था की भूमिका स्पष्ट की जाना चाहिए, क्योंकि मौजूदा समय में शहर की संस्था में ट्रीपल इंजन सरकार हैं। खुसूर-फुसूर है कि शहर की संस्था प्रमुख से माननीय के सवाल कड़वे हैं लेकिन हैं धरातल के और निति सम्मत और विधि सम्मत हैं। ऐसे में कई सारे मसलों की उलझनों का भी निदान यहीं निकल जाएगा अन्यथा बाद में पलड़ा इधर-उधर होने पर उलझन होने पर उलझने की स्थिति भी आ सकती है। सवालों को कई नजरियों से देखा जा रहा है जिनमें से एक मित्र के नाते सतर्क करने का संदेश देने वाले सवालों के दायरे से देखा जा रहा है तो एक शुभचिंतक के नाते कड़वे सवालों से संभालने के हाल हैं।

नैनो न्यूज

- बेटी की विदाई के साथ मायके में रोपे जा रहे आम के पौधे, ह्यएक पेड़ बिटिया की छांवह्न जनकल्याण सामाजिक समिति अभियान की अनूठी पहल
- भाजपा शहीद राजा भाऊ महाकाल मंडल की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की बनी रणनीति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी हुई चर्चा
- भारतीय नौसेना में 15 वर्षों तक बेहतर सेवाएं देकर सेवा निवृत्त हुए पेटी ऑफिसर हेमेंद्रसिंह सोलंकी का घर लौटने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।
- श्रीअन्न के उपयोग से बनेगा स्वस्थ समाज, माधव विज्ञान कॉलेज में सजे मिलेट्स व्यंजनों के स्टॉल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर आईक्यूएसी और ईको क्लब का आयोजन
- निर्मला महाविद्यालय में मनी जन्माष्टमी, विद्यार्थियों ने फोड़ी मटकी, विजेता दल पुरस्कृत, श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान
- प्रकटेश्वर महादेव मंदिर में 151 तुलसी के गमलों और 500 मटकियों से सजेगा दरबार, फ्रीगंज की पहली राधा-कृष्ण प्रतिमा का होगा विशेष श्रृंगार बछबारस पर भक्तों को बांटे जाएंगे पौधे
- काशी में ज्योतिषाचार्य अर्चना सरमंडल को मिला सम्मान, वाराणसी के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 200 विद्वानों के बीच रखा वनस्पति से ग्रह शांति का शोध
- कंठाल में नाली पर अतिक्रमण कर चबूतरा बनाने का विरोध, रहवासियों ने लगाया गुंडागर्दी का आरोप, सरकार विस्थापित मंदिरों को दे रही जगह फिर भी सड़क चौड़ीकरण में बन रहे बाधा

ट्रेंडिंग

बेटी की पढ़ाई के लिए नंगे पैर दौड़ी मां, मैराथन में जीते 3 हजार रुपये

समान ड्रग देकर पूर्ति करने का मरीज दे रहे हवाला

मुफ्त दवा योजना के स्टाक में कुछ दवाएं गायब!

कुछ दवाएं बाहर की लिखने का भी बताया जा रहा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रदेश में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा वितरण योजना वर्ष 2011 से संचालित की जा रही है। इसे जीवन अमृत योजना के नाम से भी जाना जाता है। वर्तमान में योजना में कुछ दवाइयों के जिला मुख्यालय एवं अन्य केंद्रों पर कमी को लेकर बराबर मरीज एवं उनके परिवार हवाला दे रहे हैं। जिसे लेकर अस्पताल का स्टाफ या तो वैकल्पिक दवा दे रहा है या ऊपर से ही नहीं मिलने का हवाला दे रहा है। जिले के बड़े अस्पतालों से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक जरूरी दवाओं की कमी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक कई अस्पतालों में कभी कुछ तो कभी कुछ आवश्यक दवाओं का स्टॉक उपलब्ध नहीं रहता। ऐसे में डॉक्टरों को भी मजबूरी में मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की सलाह देनी पड़ रही है। केंद्र और राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों के स्तर के अनुसार आवश्यक दवाओं की सूची और उपलब्धता का प्रावधान तय किया है। अस्पताल भंडार से जुड़े सूत्र दबी जुबान में ही इसे स्वीकार करते हैं लेकिन उसे लेकर खुलकर कुछ भी नहीं बोलते हैं। प्रबंधन दवाओं की कमी स्वीकार तो करते हैं, लेकिन इसके कारणों और जिम्मेदारी को लेकर खुलकर बोलने से बचते नजर आते हैं।

दबी जुबान में ये कारण

दवाओं की कमी के पीछे बजट, टेंडर प्रक्रिया में देरी, सप्लाई में व्यवधान और समय पर इंडेंट नहीं भेजे जाने जैसे कारण बताए जा रहे हैं। इनमें भोपाल से खरीदी, अस्पताल को 20 फीसदी स्थानीय खरीद की छूट- प्रदेश में सरकारी अस्पतालों के लिए दवाओं की खरीद मुख्य रूप से दो स्तरों पर होती है। राज्य स्तर पर भोपाल से केंद्रीकृत खरीद के जरिए अस्पतालों को दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। वहीं तत्काल जरूरत की स्थिति में अस्पतालों को निर्धारित सीमा तक स्थानीय खरीद की अनुमति है, ताकि जरूरी दवाओं की कमी दूर की जा सके।

कहां कितने प्रकार की दवाई मिलना चाहिए

आरोग्य उपकेंद्र में करीब 106 से 113, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 172 से 179, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 300 से 301, उप जिला अस्पताल में 318 और जिला अस्पताल में 381 आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का प्रावधान है। मेडिकल कॉलेज में इससे भी अधिक दवाएं उपलब्ध रहनी चाहिए।

3 माह पूर्व मांग का नियम

अस्पताल के सूत्रों का कहना है कि व्यवस्था के अनुसार दवाओं का स्टॉक खत्म होने से पहले आगामी करीब तीन माह की जरूरत का इंडेंट भेजा जाना चाहिए, ताकि सप्लाई बाधित न हो। इसके बावजूद यदि समय पर मांग नहीं भेजी जाती है तो डॉक्टरों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाएं लिखने से बचने के निर्देश हैं।

मजबूरी में बाजार का रास्ता

सरकारी अस्पताल के चिकित्सक नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि वैसे तो हम स्टाक की जानकारी लेकर ही दवाएं लिखते हैं। कुछ मामलों में उपलब्धता की स्थिति देखकर वैकल्पिक दवा लिखते हैं। इसके बाद भी कुछ मामलों में कमी की स्थिति ही हो तो ऐसे में स्टोर में दवा उपलब्ध नहीं होने पर उपचार प्रभावित न हो, इसके लिए मरीज या उसके परिजनों को बाजार से दवा लेने की सलाह देनी पड़ती है। **जनमानस का करंट सवाल-** जब दवाओं की सूची तय है, इंडेंट की व्यवस्था है और ऑनलाइन निगरानी भी है, तो फिर अस्पतालों में तय दवाओं में से कुछ गायब क्यों हैं?

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में आज जन्माष्टमी का रहेगा उल्लास

मीरा के साथ श्री कृष्ण का अनूठा मंदिर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं सभी को मोह लेती हैं और कृष्ण के बालरूप से लेकर वृषभानकुमारी राधा संग रास करते हुए कई विग्रह देश व विदेशों के विभिन्न मंदिरों में शोभायमान हैं किन्तु अपनी परमभक्त मीरा के साथ कृष्ण का एकमात्र अनूठा मंदिर बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में है।

मीरा की भक्ति को समर्पित अनूठा मंदिर- 16वी शताब्दी की महान संत व कवयित्री मीराबाई की कृष्ण के प्रति भक्ति अप्रतिम है। चित्तौड़ राजघराने की बहू मीराबाई की भक्ति मे माधुर्य व विरह भाव दोनों ही दर्शन समाहित हैं। मीराबाई ने सदैव ही स्वयं को भगवान कृष्ण की दासी माना और अपने अंत समय तक वे कृष्ण भक्ति में लीन रहीं। अपने अंतिम समय मे वे द्वारका में भक्ति करती हुई वहीं पर कृष्णमय होकर बैकुंठ लोक गमन कर गईं। मीराबाई के कृष्ण प्रशस्ति में लिखे पद व कविता हमारी समृद्ध साहित्य विरासत है। मीरा के अगाध प्रेम व अनुराग को देखते हुए श्रीकृष्ण की शिक्षा- स्थली की पावन धरा के पवांसा क्षेत्र में अब्दालपुरा निवासी कृष्ण आराधक विदुषी लक्ष्मीबाई व्यास ने सन 1972 मे मीरा- माधव मंदिर की स्थापना की। ये मंदिर अपने आप में अद्वितीय है और देश का एकमात्र भक्त-भगवान का मंदिर है। यहां माधव के समीप ही मीराबाई तानपुरा लिए हुए खड़ी हैं। मंदिर के पुजारी अविनाश बटवाल ने बताया कि मेरी नानी धर्मनिष्ठ लक्ष्मीबाई ने जयपुर से श्वेत संगमरमर की पाषाण प्रतिमा मंगाकर इस मंदिर मे धार्मिक रीति से प्रतिष्ठापित की थी। कुछ ही समय मे मंदिर जनआस्था का केन्द्र बन गया और आज दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचकर मीरा-माधव के दर्शन करते हैं।

बैंगलोर के पुष्प बढ़ाएंगे शोभा

पंडित अविनाश बटवाल ने दैनिक अवन्तिका से चर्चा करते हुए बताया कि इस वर्ष जन्माष्टमी पर मंदिर की शोभा बढ़ाने हेतु आकर्षक पुष्प बैंगलोर से मंगाए गए हैं। मंदिर मे कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। जन्माष्टमी के दिन प्रातः से ही पूर्ण विधि-विधान से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मां श्रीयादे माता मंदिर एवं धर्मशाला तीर्थस्थल रामघाट पर भूमिपूजन सम्पन्न

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

समस्त प्रजापति समाज कि अराध्यदेवी माँ श्री यादे माता मंदिर एवं धर्मशाला तीर्थस्थल रामघाट पर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के चलते नगर निगम द्वारा मार्ग चौड़ीकरण किया गया है। जिससे उक्त धर्मशाला का कुछ भाग क्षतिग्रस्त हुआ है। उक्त आराधना स्थल को पुनः मूल स्वरूप में लाने एवं शेष भाग के जिर्णोद्धार के लिए सभी समाज बंधुओं ने यथाशक्ति तन-मन-धन से सहयोग का संकल्प लिया है।

जानकारी देते हुए प्रजापति चौरासी संघ के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अशोक प्रजापत ने बताया कि इस हेतु प्रजापति समाज की बैठक का आयोजन श्रीयादे माता मंदिर एवं धमशाला तीर्थस्थल रामघाट उज्जैन में किया गया जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक मुरली मोरवाल द्वारा की गई। प्रजापत ने अपने उद्बोधन में बताया कि श्रीयादे माता मंदिर एवं धर्मशाला प्रजापति समाज की धरोहर है एवं विगत कई वर्षों से प्रजापति चौरासी संघ उक्त स्थल का रखरखाव करता आ रहा है। समाज के अनेक प्रकार के कार्यक्रम जिनमें सामूहिक विवाह सम्मेलन, परिचय सम्मेलन एवं मेद्यावी विधार्थी सम्मान, श्रीयादे शीतला सप्तिमी महोत्सव आदि यही सम्पन्न होते आए है। संघ के संरक्षक बद्रीलाल चावड़ा ने बताया कि इस कार्य को सम्पन्न करने हेतु 21 सदस्यों की एक समिति गठित की गई है। मुरली मोरवाल, अशोक उदयवाल, राधेश्याम बेतडलिया, दिनेश कुंभकार, लीलाधर ब्रहम, किशोर तनोडिया, लक्ष्मीनारायण नंदवाना, रमेश मुन्नालाल, रवि प्रजापत, रामप्रसाद सरोठिया, दिनेश भैरूगढ, जगदीश नगरिया, अशोक बेतडलिया, पारस बिलोटिया, अम्बाराम प्रजापत, दुलिचंद्र कवि, दुलिचंद्र एल्डरमैन, जितेन्द्र चावडा, राहुल देवलिया, आदि को शामिल किया गया है। इस अवसर पर मुरली मोरवाल को संरक्षक एवं लीलाधर ब्रह्म को महासचिव नियुक्त किया गया जिसका सभी उपस्थितजनों के पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

किसानों को बीमा के मामले में समस्या निदान का सिर्फ आश्वासन मिला

किसानों की समस्या निदान के 3 दिन टले 13 पर

अब पखवाड़े पर चली गई बात,भोपाल से बीमा कंपनी के अधिकारी को भी बुलाया जाएगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हाल ही में किसान संघ ने अपनी समस्याओं के निदान के लिए कलेक्टोरेट पर अनिश्चितकालीन धरना दिया था। प्रारंभिक दौर में समस्या निदान होने तक धरना स्थल पर ही दाल बाटी बनाकर खाने और वहीं रहने की बात कही गई थी लेकिन दिन ढलते-ढलते तीन दिन का आश्वासन मिला और उसके बाद 3 दिन का मामला टलते-टलते 13 दिन पर पहुंच गया है।

उज्जैन सहित कुछ जिलों में किसानों ने बीमा सहित अन्य प्रमुख समस्याओं के साथ ही स्थानीय समस्याओं को लेकर बीते माह के अंतिम सप्ताह में अनिश्चितकालीन धरना दिया था। किसानों की मुख्य मांग बीमा से संबंधित है। भारतीय किसाना संघ के बैनर तले उज्जैन के सिंहस्थ मेला कार्यालय के बाहर जिले के किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना दिया था। इसमें सैंकडों किसान जिले भर से शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री के नाम प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन दिया गया था। जिसमें प्रमुख एवं स्थानीय स्तर की मांगों का ज्ञापन शामिल था। धरना वाले दिन शाम को पहले सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाया गया था और बाद में समस्याओं के निराकरण के लिए 3 दिन का समय दिया गया था जिस पर किसान संघ के नेताओं ने सहमति दी थी।

बैठक समय पर हुई पर निदान टला

किसान संघ से जुडे नेता बताते हैं कि तीन दिन के समय में बराबर किसान प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टर के साथ हुई थी। इसमें जिले के प्रमुख विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। अहम मसला बीमा कंपनी से संबंधित था लेकिन उसकी और से ही कोई अधिकारी इसमें नहीं था। ऐसे में प्रशासनिक स्तर पर बैठक को एक पखवाडा में 15 सितंबर तक रखते हुए इसमें प्रदेश स्तर यानिकी भोपाल से बीमा कंपनी के बडे अधिकारियों को बुलाने की बात रखी गई थी।

3 दिन से 13 दिन पर आ गया मामला

किसानों ने 24 अगस्त को अनिश्चितकालीन धरना दिया था। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में यह धरना देते हुए पूरे जोश खरोश से जिले के किसान प्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं को बुलाया गया था। अनिश्चितकालीन धरना उसी शाम को 3 दिन के आश्वासन पर समाप्त कर दिया गया था। इसके बाद मामला अब भी वहीं का वहीं है और 13 दिन बाद पर टल गया है।

ये थी प्रमुख मांग

1. उज्जैन जिले की सभी तहसीलों के गावों में खरीफ 2025 की सोयाबीन फसल खराब हुई थी। सर्वे भी प्रशासन ने तहसील स्तर पर दल गठित कर करवाया था । रिपोर्ट के आधार पर जिले में बीमा रशि भी प्राप्त हुई । लेकिन कई ऐसे गांवों को जहां नुकसान हुआ था उन्हें बीमा राशि से वंचित कर दिया गया।
2. फसल के नुकसान के लिए सैटेलाईट डाटा को आधार मानकर क्लेम देने की पद्धति पर तुरंत रोक लगाई जाए।
3. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का कार्यालय तहसील स्तर पर हो एवं यहां जवाबदार कर्मचारी नियुक्त किया जाए।
4. जिले की सभी तहसीलों में जहाँ सिंचाई की कमी है ऐसे गांव में नर्मदा सिचाई पाईप लाईन विछाई जाए।

पश्चिमी रेलवे

सिग्नल और दूरसंचार कार्य

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण) पश्चिम रेलवे, रतलाम, निविदा सूचना क्रमांकः **एस एंड टी/सी/आरटीएम/124आर/2026-27, दिनांकः 31.08.2026** आमंत्रित करता है। कार्य का नामः रतलाम मंडल के चिंतामन गणेश और नईखेरी स्टेशनों पर हॉट स्टैंडबाय इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ई-इंटरलॉकिंग) प्रणाली की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परिवर्तन/संशोधन, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग, जिसमें विभिन्न इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग प्रणाली और गियर की आपूर्ति, स्थापना, उपयोगिता स्थानांतरण, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है, जो चिंतामन गणेश पर अतिरिक्त लूप लाइन के निर्माण, एलसी-7 को बंद करने और पश्चिम रेलवे (एमपी) के नईखेरी और चिंतामन गणेश स्टेशनों के बीच उज्जैन बाईपास लाइन के संबंध में है। **कार्य की अनुमानित लागतः** 4,95,78,970/- रुपये। **अनुमानित लागत प्रबंधन राशिः** 9,91,600/- रुपये। **निविदा प्रारंभ तिथिः** 16.09.2026। **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 30.09.2026 दोपहर 3:00 बजे। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

0543

facebook.com/WesternRly

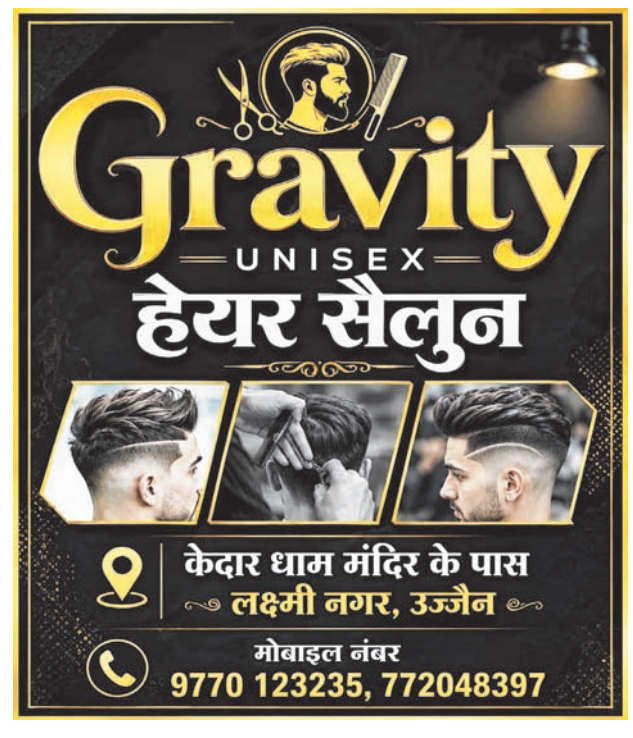

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

न्यूज ब्रीफ

कृष इंटरप्राइजेज से लिए गए घी के नमूने भी असुरक्षित

इंदौर। डुग्गू इंटरप्राइजेज, तलावली चंदा, इंदौर से लिए गए घी के नमूनों की जांच रिपोर्ट में श्रीमूल घी के 05 नमूने, गौसन्त घी के 02 नमूने, गूमर घी का 01 नमूना एवं श्री शुद्ध घी का 01 नमूना–सभी नमूने असुरक्षित पाए गए हैं। इसी प्रकार कृष इंटरप्राइजेज, लसूडिया मोरी, इंदौर से लिए गए वास्तु घी के 07 नमूने भी असुरक्षित पाए गए हैं। प्राप्त जांच रिपोर्टों के आधार पर संबंधित खाद्य कारोबारकताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। शिव शक्ति मिल्क एंड स्वीट्स सेंटर, विजयनगर, इंदौर से लिए गए दूध एवं दही के नमूने मानक स्तर के, जबकि पनीर एवं घी के नमूने अवमानक पाए गए हैं। श्री कृष्णा दूध दही भंडार, स्कीम नंबर 78, इंदौर से लिए गए दूध का नमूना अवमानक, जबकि मावा, घी एवं पनीर के नमूने मानक स्तर के पाए गए हैं।

कुष्ठ रोगी खोज अभियान के लिए कार्यकताओं का प्रशिक्षण संपन्न

इंदौर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर जिले में कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए विशेष अभियान 16 सितम्बर से 08 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले में 1393 दलों का गठन किया गया है। गठित दलों द्वारा घर-घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा संभावित नए कुष्ठ रोगियों की पहचान की जाएगी। अभियान का प्रमुख उद्देश्य आमजन में कुष्ठ रोग को लेकर व्याप्त भ्रांतियों एवं सामाजिक मिथकों को दूर करना, कुष्ठ रोग की प्रचलन दर को प्रति 10 हजार आबादी पर एक से कम करना तथा कुष्ठ रोग से होने वाली विकृति और बाल कुष्ठ रोगियों की दर को शून्य तक लाना है। अभियान के दौरान चिन्हित रोगियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के साथ ही उनके उपचार की निरंतर निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी।

शक्कर नियंत्रण आदेश-2026 के तहत खाद्य विभाग की कार्रवाई

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू किए गए शक्कर नियंत्रण आदेश-2026 के तहत इंदौर में खाद्य विभाग की टीम द्वारा शक्कर के स्टॉक की जांच के लिए प्रभावी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पालदा स्थित एक चॉकलेट निर्माण इकाई में निर्धारित स्टॉक सीमा से अधिक शक्कर पाए जाने पर 375 क्विंटल शक्कर जप्त की गई है। प्रकरण में आगे की जांच एवं कार्रवाई जारी है। खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पालदा स्थित पैपे न्यूट्रिशन, 360/1 उद्योग नगर, पालदा, इंदौर का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान निर्धारित स्टॉक सीमा से अधिक शक्कर का भंडारण पाए जाने पर मौके से 375 क्विंटल शक्कर जप्त की गई। प्रतिष्ठान के भागीदारों से संबंधित दस्तावेज एवं स्टॉक का परीक्षण भी किया जा रहा है।

जन्माष्टमी पर वृहद पौधारोपण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

इंदौर। सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में अग्रणी संस्था यादव अहीर युवा स्ट्रांग ग्रुप एवं समस्त यादव अहीर समाज द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। वृहद पौधारोपण एक पौधा मां यशोदा के नाम एवं यादव समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज जनों का स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक पार्षद शिवम यादव ने बताया कि जन्माष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण जी के जन्मदिन के साथ ही संस्था संरक्षक पूर्व पार्षद केके यादव जी का भी जन्माष्टमी पर जन्मदिन है। इस अवसर पर सांवेर रोड स्थित सनी रिसोर्ट पर सुबह से ही श्री कृष्ण जन्मोत्सव की धूम रहेगी। दोपहर 12:00 से संध्या 4:00 बजे तक पौधारोपण, प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान एवं उन्हें उपहार, शैक्षणिक सामग्री भेंट की जाएगी। साथ ही समाज के प्रतिभावान एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज जनों का सम्मान किया जाएगा। इसके तहत डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, बिजनेसमैन, खिलाड़ी, पहलवान आदि को सम्मानित किया जाएगा। संस्था ने जन्माष्टमी के पावन पर्व पर 11 000 हजार पौधा रोपण का लक्ष्य रखा है।

नैनो न्यूज

- **देवास – मंडी कारोबार पर बारिश का असर -** मानसून सक्रिय रहने से देवास मंडी में कृषि उपज की आवक, परिवहन और माल की गुणवत्ता को लेकर व्यापारियों की निगरानी बढ़ी है।
- **सुसनेर – नगरपालिका उपचुनाव की तैयारी-** सुसनेर नगरपालिका अध्यक्ष पद के उपचुनाव को लेकर स्थानीय राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज हैं। मतदान 29 सितंबर को प्रस्तावित है।
- **आगर – बारिश से प्रशासन सतर्क-** मालवा क्षेत्र में सक्रिय मानसून के बीच आगर-मालवा में बारिश की स्थिति पर प्रशासन और ग्रामीण क्षेत्रों की गतिविधियों पर नजर बनी हुई है।
- **रतलाम – बाजार पर मौसम का असर-** लगातार बारिश के दौर के बीच रतलाम में व्यापारिक गतिविधियों, मंडी आवक और परिवहन व्यवस्था पर मौसम का असर देखने को मिल रहा है।
- **शाजापुर – कृषि कारोबार प्रभावित-** प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने से शाजापुर क्षेत्र में कृषि उपज की आवक और ग्रामीण व्यापार पर मौसम का असर बना हुआ है।
- **मंदसौर – बारिश के बीच मंडी गतिविधियां-** मंदसौर में आज मौसम बादलों से घिरा है और बारिश की संभावना बनी हुई है। इससे कृषि मंडी और परिवहन कारोबार प्रभावित हो सकता है।

उज्जैन: सिंहस्थ 2028 में सेना की हाईटेक एंट्री

एआई कैमरे और एंटी-हैकिंग सिस्टम से होगी श्रद्धालुओं की सुरक्षा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

वर्ष 2028 के उज्जैन सिंहस्थ में आने वाले 40 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए इस बार इतिहास रचा जाने जा रहा है। सिंहस्थ के इतिहास में पहली बार भारतीय सेना सीधे तौर पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की कमान संभालने में सहयोग करेगी। महू स्थित सेना के प्रतिष्ठित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग द्वारा विकसित अत्याधुनिक अक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक और साइबर सुरक्षा प्रणालियों से पूरे महाकुंभ की अभेद्य किलेबंदी की जाएगी। इस बार सिंहस्थ 2028 में सेना की 3 हाईटेक तकनीकें तहलका मचाएंगी। इससे संदिग्धों को तुरंत गिरफ्तार करने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह नई व्यवस्था सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन में भी सहयोग करेगी।

मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ने एक ऐसा इंटेलिजेंट सिस्टम तैयार किया है, जिसके डेटाबेस में देश-विदेश के अपराधियों के साथ-साथ सोशल मीडिया (फेसबुक, आदि) का डेटा भी उपलब्ध है। भीड़ में घूम रहे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा एआई कैमरे में आते ही महज कुछ सेकंड में उसकी पूरी कुंडली, पहचान और इतिहास पुलिस की स्क्रीन पर होगा।

नंबर प्लेट देखते ही पांच सेकंड में पर्दाफाश

मेला क्षेत्र में प्रवेश करने वाली हर संदिग्ध गाड़ी पर सेना के एआई कैमरों की पैनी नजर रहेगी। यह सिस्टम देशभर के नेशनल व्हीकल डेटाबेस से सीधे जुड़ा है। गाड़ी का नंबर स्कैन होते ही 5 से 7 सेकंड में गाड़ी मालिक का नाम, उसका इस्तेमाल और परमिट की पूरी जानकारी ऑटोमेटिक सामने आ जाएगी।

कभी हैक न होने वाली तकनीक

सिंहस्थ के विशाल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और कंट्रोल रूम को साइबर हमलों व हैकिंग से बचाने के लिए सेना का विशेष एंटी-हैकिंग और साइबर सिक्योरिटी सिस्टम तैनात किया जाएगा। यह बिना किसी रुकावट या हैंग हुए 24x7 निर्बाध रूप से काम करेगा।

उज्जैन में बनेगा हाईटेक एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर-प्रयागराज मेला की तर्ज पर उज्जैन में भी एक विशाल एकीकृत कमांड सेंटर तैयार किया जा रहा है। MCTE द्वारा विकसित इन तकनीकों का इस्तेमाल सेना पहले से ही अपने मिलिट्री चेकपोस्ट्स और विभिन्न इकाइयों में सफलतापूर्वक कर रही है। सूत्र बताते हैं कि अब सितंबर में मध्य प्रदेश सरकार और सेना के प्रतिनिधियों के बीच तीसरे दौर की बैठक में इस विस्तृत प्लान पर अंतिम मुहर लगेगी।

पर्यावरणीय मंजूरी के लिए जनसुनवाई 18 सितंबर को

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने की तैयारी कागजों से निकलकर जमीन अधिग्रहण की निर्णायक परीक्षा में पहुंच गई है। नरवर क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए पर्यावरणीय मंजूरी देने को जनसुनवाई 18 सितंबर को नरवर में होना है। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तैयारी शुरू की है। कहा गया है कि प्रशासन प्रभावित जमीन मालिकों की आपत्ति और सुझाव पर इस दिन निर्णय लेगा। आपत्तियों को निराकृत कर अक्टूबर तक भूमि अधिग्रहण पूरा करने की कोशिश है। यानी एयरपोर्ट की समयसीमा में अब सबसे अहम कड़ी रनवे या टर्मिनल नहीं, बल्कि जमीन है। अधिग्रहण में देरी हुई तो निर्माण एजेंसी को साइट सौंपने और काम शुरू करने का समय लगातार घटता जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट सड़क सुरक्षा समिति ने दिया प्रस्ताव

बिना हेलमेट स्कूल-कॉलेजों में एंट्री बंद करें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में इंदौर जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सिटी बस ऑफिस में आयोजित की गई। इस बैठक में इंदौर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों ने जिले में सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें मुख्य रूप से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों अर्थात ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन एवं सुधार, जन-जागरूकता अभियान, यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई, यातायात व्यवस्था में सुधार, सड़क इंजीनियरिंग से संबंधित सुधारात्मक कार्य तथा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने के उपायों की जानकारी दी गई। न्यायमूर्ति सप्रे ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ प्रभावी और परिणाममूलक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, ट्रैफिक डीसीपी राजेश त्रिपाठी, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रिंकेश वैश्य सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट के रूप में विकसित होगा

बैठक को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करना केवल किसी एक विभाग का नहीं बल्कि सभी संबंधित विभागों और पूरे समाज का संयुक्त दायित्व है। उन्होंने उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश में पिछले कुछ समय में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी दर्ज की गई है, जो संतोषजनक है लेकिन इसमें और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि देश में पिछले पांच वर्षों के दुर्घटना आंकड़ों के आधार पर अधिक मृत्यु दर वाले जिलों की पहचान कर उन्हें जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट के रूप में विकसित करने की पहल की गई है।

सुरक्षित चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार

न्यायमूर्ति सप्रे ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेशों का संदर्भ देते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। यदि किसी सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ या सुरक्षित मार्ग उपलब्ध नहीं है और इस कारण दुर्घटना होती है, तो इसके लिए संबंधित निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय की जा सकती है। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों को सड़क की रूपरेखा तैयार करते समय पैदल यात्रियों के लिए पर्याप्त और सुरक्षित फुटपाथ की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

हनीट्रैप-2 का पूरा खेल: श्वेता ने गिरफ्तारी से पहले बना रखा था प्लान बी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हनीट्रैप-2 को अंजाम देने की आरोपी श्वेता जैन ने अपने नए अपराध का पैटर्न भी पहले हनीट्रैप कांड की तरह ही रखा। हालांकि, इस बार वह पहले से सतर्क थी। श्वेता को अंदेशा था कि वह दोबारा पुलिस के शिकंजे में आ सकती है। यही वजह है कि उसने गिरफ्तारी की स्थिति के लिए एक बी-प्लान भी तैयार कर रखा था, ताकि उसके खिलाफ ज्यादा सबूत न मिल सकें और उसे जल्द जमानत मिल सके।

हनीट्रैप-2 से जुड़ी कथित रिकॉर्डिंग और कैमरा पुलिस अब तक बरामद नहीं कर पाई है। कोर्ट में पेश किए गए चालान के अनुसार, पुलिस को श्वेता के घर से पेन, स्पाई कैमरे और मेमोरी कार्ड मिले हैं, लेकिन इनमें कथित तौर पर ज्यादा रिकॉर्डिंग नहीं मिली है। हनीट्रैप-2 के दौरान किन-किन रसूखदार लोगों को निशाना बनाया गया, यह अब भी रहस्य बना हुआ है। श्वेता और रेशू की गिरफ्तारी के बाद अब तक केवल एक ठेकेदार ही हनीट्रैप का शिकार होने की बात सामने आई है।

पहले आरती, अब रेशू को बनाया मोहरा- हनीट्रैप मामले की मुख्य आरोपियों में शामिल श्वेता जैन मूल रूप से सागर की रहने वाली है। पहले हनीट्रैप मामले में उसके साथ आरती दयाल थी। आरोप है कि आरती ने इंदौर के इंजीनियर हरभजन सिंह को अपने जाल में फंसाया था। मामले में रुपये वसूलने और नगर निगम के ठेके दिलवाने जैसे आरोप भी सामने आए थे।

शिवपुरी के पास वन विभाग ने खोजा, 50 से ज्यादा वनकर्मियों की मेहनत लाई रंग

कूनो से लापता मादा चीता निर्वा मिली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शिवपुरी

कूनो नेशनल पार्क से बड़ी राहत की खबर सामने आई है। पिछले कई दिनों से लापता दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता निर्वा को वन विभाग की टीम ने सफलतापूर्वक तलाश कर लिया है। मादा चीता निर्वा शिवपुरी जिले के पास मिली, जिसके बाद वन विभाग और चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के मुताबिक मादा चीता निर्वा 20 अगस्त से अपने शावकों से अलग होने के बाद लापता थी। निर्वा की लगातार तलाश की जा रही थी, लेकिन उसके रेडियो कॉलर के सैटेलाइट सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण उसकी सटीक लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही थी। इससे वन विभाग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी।

निर्वा की तलाश के लिए 50 से अधिक वनकर्मियों और अनुभवी चीता ट्रैकर्स को लगाया गया था। अलग-अलग क्षेत्रों में पांच विशेष टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। जंगलों के साथ-साथ कूनो नेशनल पार्क की सीमा से बाहर के संभावित इलाकों में भी चीता की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान वन विभाग को शिवपुरी जिले के एक इलाके में चीते की मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही विशेष टीम मौके पर पहुंची और सघन सर्चिंग शुरू की गई। इसके बाद रेडियो सिग्नल की मदद से टीम आखिरकार मादा चीता निर्वा तक पहुंचने में सफल रही।

निर्वा के मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। कई दिनों से चल रहा सर्च ऑपरेशन अब सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। हालांकि निर्वा कूनो से इतनी दूर कैसे पहुंची और इस दौरान उसने किन-किन इलाकों में मूवमेंट किया, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सुरक्षा और मॉनिटरिंग के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल

गौरतलब है कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों की सुरक्षा और मॉनिटरिंग के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन कॉलर के सैटेलाइट सिस्टम में खराबी आने के कारण निर्वा की लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया था। ऐसे में वनकर्मियों और चीता ट्रैकर्स की लगातार मेहनत आखिरकार रंग लाई। 20 अगस्त से लापता निर्वा के मिलने को कूनो चीता प्रोजेक्ट के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। अब वन विभाग उसकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच और आगे की मॉनिटरिंग करेगा।

खांडेकर-खस को महामंत्री बनाकर भाजपा ने साधे कई सियासी समीकरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा इंदौर महानगर की नई नगर टीम की घोषणा के साथ ही संगठन के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। नई टीम में सबसे ज्यादा राजनीतिक चर्चा नितेश खांडेकर और भरतसिंह खस को मिली जिम्मेदारियों को लेकर है।

नगर अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे नितेश खांडेकर को महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। अध्यक्ष पद की दौड़ में उनका नाम मजबूती से चर्चा में होने के बावजूद महामंत्री बनाया जाना संगठन की रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लंबे संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता और पार्टी के प्रति निष्ठा के चलते

मिली यह जिम्मेदारी उनकी राजनीतिक भूमिका को और मजबूत करने वाला कदम मानी जा रही है।

वहीं पूर्व कार्यकारिणी में नगर मंत्री रहे भरतसिंह खस को प्रमोशन देते हुए महामंत्री बनाया गया है। खस की पदोन्नति को भी संगठन में उनकी सक्रियता और कार्यशैली पर भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

नई नगर टीम में उपाध्यक्ष नरेंद्र राठौर, नंदकिशोर लोधवाल, विवेक करोसिया, आशीष खड़े, टीनू चौहान और राहुल लोधवाल को जिम्मेदारी दी गई है। नगर मंत्री के रूप में दीपेंद्र बागरे, उज्जवल शेंडे, विपिन चिंतामण, कृष्ण मालवीय, चंदन डागर और लखन देपाले को जिम्मेदारी मिली है। वहीं कोषाध्यक्ष सौरभ कमलकर बनाए गए हैं। नई टीम में खास तौर पर दो महामंत्रियों की नियुक्ति को लेकर राजनीतिक चर्चाएं हैं। नितेश खांडेकर को अध्यक्ष पद की दौड़ के बीच महामंत्री की जिम्मेदारी और भरतसिंह खस को मंत्री से महामंत्री का प्रमोशन संगठन के भीतर आने वाले दिनों के समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अब नजर इस बात पर रहेगी कि नई टीम के गठन के बाद संगठन में इन दोनों नेताओं की भूमिका किस तरह आगे बढ़ती है और भविष्य में अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चर्चाओं पर इसका क्या असर पड़ता है।

हरीश चौधरी की सज्जन वर्मा से दो टूक–कार्यक्रम गैर-राजनीतिक कैलाश विजयवर्गीय के परिवार के बच्चों को भी बुलाइए

19 को इंदौर आएंगे राहुल गांधी, छात्रों की गूंज पर कांग्रेस की बैठक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश की सियासत में एक बार फिर इंदौर केंद्र में आता दिखाई दे रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी अब 19 सितंबर को इंदौर पहुंच सकते हैं।

पहले यह कार्यक्रम 12 सितंबर को इंदौर के नेहरू स्टेडियम में प्रस्तावित था लेकिन स्टेडियम में कार्यक्रम के लिए स्थान उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण अब कार्यक्रम की तारीख और स्थान में बदलाव की स्थिति बनी है। इसी को लेकर कांग्रेस के भीतर लगातार मंथन चल रहा है। इसी बीच कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा, सत्यनारायण पटेल मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े पिंटू जोशी सोनिला मिमरोट सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राहुल गांधी की टीम के प्रमुख बेजू सहित इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग के विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रत्याशी, विधानसभा प्रभारी और अन्य सदस्य भी बैठक में शामिल हुए।

गैर-राजनीतिक कार्यक्रम लेकिन तैयारियों में पूरी राजनीतिक जमावट

दिलचस्प यह भी है कि कार्यक्रम को गैर-राजनीतिक बताया जा रहा है, लेकिन इसकी तैयारियों में कांग्रेस के प्रदेश से लेकर संभाग और विधानसभा स्तर तक के तमाम प्रमुख नेताओं को सक्रिय कर दिया गया है। ढअउ की बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, युवाओं की भागीदारी, संगठन की भूमिका और विभिन्न क्षेत्रों से विद्यार्थियों की मौजूदगी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। कांग्रेस का दावा है कि छात्रों की गूंज युवाओं और विद्यार्थियों की आवाज को मजबूती देने तथा शिक्षा, रोजगार और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सीधे संवाद का मंच बनेगा।

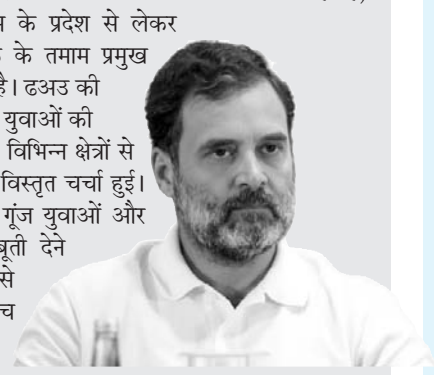

बैठक में एक बात ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल

बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी द्वारा वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा से कही गई एक बात अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। सूत्रों के अनुसार चौधरी ने स्पष्ट किया कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम को गैर-राजनीतिक स्वरूप में रखा जाना है। इतना ही नहीं, उन्होंने सज्जन वर्मा से कहा कि कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के परिवार के बच्चों को भी आमंत्रित किया जाए। यही बात अब इस पूरे कार्यक्रम को लेकर नई राजनीतिक चर्चा को जन्म दे रही है। सवाल यह है कि जब राहुल गांधी का कार्यक्रम इंदौर में हो और कांग्रेस के शीर्ष नेता उसकी तैयारियों में जुटे हों, ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के परिवार को आमंत्रित करने का संदेश क्या है?

क्या कांग्रेस वास्तव में इसे राजनीतिक मंच से अलग रखते हुए युवा और छात्र संवाद का व्यापक मंच बनाना चाहती है, या इसके पीछे इंदौर की राजनीति में कोई बड़ा संदेश छिपा है?

लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा इससे आगे की है

राहुल गांधी का इंदौर आना, तारीख और स्थान में बदलाव, ढअउ की हाईप्रोफाइल बैठक और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के परिवार के बच्चों को भी आमंत्रित करने की बात– इन सभी घटनाक्रमों ने कार्यक्रम को लेकर सियासी उत्सुकता बढ़ा दी है।

अब निगाहें 19 सितंबर पर टिक गई हैं। देखना दिलचस्प होगा कि राहुल गांधी का यह छात्र संवाद वास्तव में गैर-राजनीतिक संवाद बनकर रहता है या इंदौर की सियासत में कोई नया राजनीतिक संदेश छोड़ जाता है।

न्यूज कालम

मनावर थाने में फेरबदल : विदा हुए पुलिस अधिकारी, नए चेहरों ने संभाली जिम्मेदारी

मनावर। थाना मनावर परिसर में बुधवार को स्थानांतरित पुलिस अधिकारियों के लिए विदाई समारोह एवं नवपदस्थ अधिकारियों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नवीन पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं दी गईं, वहीं नए अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी मनावर बृजेश कुमार मालवीय, थाना प्रभारी राजेश यादव सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। मनावर से उप निरीक्षक मनोज पाटीदार, मनीष चौधरी, सुशील यदुवंशी, अश्विन चौहान एवं गिलदार सिंह बघेल को नवीन पदस्थापना के लिए रवाना किया गया। वहीं उप निरीक्षक प्रशांत पाल को चौकी बाकानेर से थाना मनावर, प्रकाश अलावा को थाना कुक्षी से चौकी प्रभारी उमरबन तथा अनूप बघेल को थाना कुक्षी से चौकी प्रभारी सिंघाना पदस्थ किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

आगाज एवं संतुष्टि में लायन अनीता जैन और लायंस क्लब सनावद स्नेह के सदस्यों का सम्मान हुआ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सनावद

समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे लायंस क्लब सनावद स्नेह के सेवा कार्यों को इंदौर में आयोजित भव्य समारोह में विशेष पहचान मिली। इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 त्र-1 की प्रथम डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट मीटिंग च्आगाजज्ञ एवं जश्ने-ए-अवार्ड समारोह च्स्संतुष्टिज्ञ में क्लब के सदस्यों को उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया।

समारोह में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ला. अनीता जैन को लायंस सेवा गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर ला. विजय राजू ने लायंस क्लब इंटरनेशनल

पिन प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं ९वें मल्टीपल कन्वेंशन में मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन ला. मनीष शाह ने उन्हें उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया। पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. योगेंद्र रुनवाल ने भी सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए उन्हें ड्रीम टीम अवार्ड प्रदान किया।

लायंस क्लब सनावद स्नेह के अध्यक्ष ला. भागचंद जैन, ला. विपिन गुप्ता एवं ला. रजनीश जैन को भी सेवा कार्यों और लायंस गतिविधियों में योगदान के लिए विभिन्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं क्लब की ला. रेणुका गुप्ता ने लायंस क्लब इंटरनेशनल में शानदार 10 वर्ष पूर्ण किए। इस उपलब्धि पर उन्हें विशेष इंटरनेशनल पिन प्रदान कर सम्मानित किया गया। एक साथ मिले इन सम्मानों से लायंस क्लब सनावद स्नेह के सदस्यों में उत्साह और हर्ष का माहौल रहा। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि सम्मान सेवा का अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि समाज के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा है। समारोह में पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर ला. कमलेश जैन, इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी ला. कुलभूषण मित्तल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. जवाहर बियाणी, उपस्थित थे।

राज्य मुख्य परीक्षा हेतु जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम गठित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़वानी

राज्य मुख्य परीक्षा का आयोजन 7 सितम्बर से 12 सितम्बर तक प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पीएम श्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी में किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने इस परीक्षा हेतु कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम बनाया है। राज्य मुख्य सेवा परीक्षा 2026 में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय नवीन जांच प्रक्रिया (सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक प्रमाणी करण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी एवं वीओआई पी की व्यवस्था)आयोग द्वारा अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से प्रारंभ की गई है। .परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों को 90 मिनिट पूर्व पहुंचना होगा। परीक्षार्थी स्वयं के साथ केवल बालपेन एवं एक पानी की पारदर्शी बांटल, ई-प्रवेश पत्र व आइडी कार्ड तथा आवश्यक दवाईयां ला सकते है। परीक्षार्थियों की एचएचएमडी के माध्यम से जांच की जायेगी। जिसमें पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरूष वीक्षकों द्वारा एवं महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा की जायेगी। ट्रांसजेण्डर अभ्यर्थियों के पास विकल्प होगा कि वह अपनी जांच महिला अथवा पुरूष कर्मचारी से करवा सकते है। परीक्षा केन्द्र के प्रवेश द्वार के समीप अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्वा होगी, जिसका पूर्णतः पालन किया जाना होगा।

एक्सीलेंट एकेडमी मंडलेश्वर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

मंडलेश्वर। संस्था एक्सीलेंट एकेडमी मंडलेश्वर में जन्माष्टमी का पर्व बड़ी धूम - धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कक्षा नर्सरी से 10वीं तक के विद्यार्थी श्री कृष्ण व राधा की वेशभूषा में उपस्थित हुए। जन्माष्टमी के अवसर पर संस्था में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में संस्था संचालक श्री विकास पाटीदार, प्राचार्या श्रीमती अन्नपूर्णा देशमुख उपस्थित रहे, साथ ही कार्यक्रम की

अध्यक्षता एकेड़मिक सलाहकार श्री उमेद सिंह पटेल ने की। कार्यक्रम में फेंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचार्या देशमुख मेडम ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर विद्यार्थियों को बधाई दी एवं भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरितार्थ से अवगत कराया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय में मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी की गई, जिसमे चारो सदन के विद्यार्थी सम्मिलित थे। इस अवसर पर संस्था संचालक श्री सचिन पाटीदार, विकास पाटीदार, प्राचार्या श्रीमती अन्नपूर्णा देशमुख, शिक्षक मनीष पाटीदार, जितेंद्र पाटीदार, चेतन कडोले, प्रतिभा वर्मा, हर्षिता चौहान सहित समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

10 स्कूलों के विद्यार्थियों ने लोकगीत, नृत्य, संगीत विधा में दिखाया हुनर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खरगोन

उत्कृष्ट विद्यालय में बुधवार को को विकास खंड स्तरीय बाल रंग सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में खरगोन विकास खंड की १० स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के बीच आयोजित इस स्पर्धा में छात्रों ने स्वर वादन, ताल वादन, सुगम संगीत, लोकगीत एवं लोक नृत्य जैसी विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थी 21 सितंबर को होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन करेंगे। संगीत शिक्षक मुरली खोड़े ने बताया कि बाल रंग सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। ये आयोजन न केवल छात्रों में आत्मविश्वास जगाते हैं, बल्कि उन्हें भारतीय लोक कलाओं और संगीत से भी जोड़ते हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और युवा पीढ़ी में कला के प्रति रुचि विकसित करने में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग स्वर वादन में संघमित्रा पटेल, वरिष्ठ वर्ग ताल वादन दक्ष राजेश जोशी, कनिष्ठ वर्ग सुगम संगीत आराध्या अटोदे, वरिष्ठ वर्ग सुगम संगीत में रुद्राक्ष गुप्ता, कनिष्ठ वर्ग लोकगीत गायन में रुद्र चौहान एवं समूह, वरिष्ठ वर्ग लोकगीत गायन में महक पाटीदार एवं समूह और वरिष्ठ वर्ग लोकनृत्य में प्रतीक्षा वर्मा एवं समूह चयनित किए गए। प्राचार्य राजेंद्र पाटीदार, डॉ मीरा रखोलिया एवं संगीत शिक्षक श्री खोडे ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

कृष्ण लीलाओं पर आधारित चित्रकला, भाषण, कहानी वाचन और मटकी फोड़ प्रतियोगिता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नेपानगर

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेपानगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शासन से प्राप्त निदेर्शानुसार विद्यालय में दिनांक 29 अगस्त से 5 सितंबर तक जन्माष्टमी के अवसर पर विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई।

कार्यक्रमों की शुरूआत भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र को केंद्र में रखकर की गई। विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने अपनी कल्पना और रंगों से कृष्ण की बाल

लीलाओं, गीता उपदेश और रासलीला के मनमोहक चित्र बनाए। इसी कड़ी में आज विद्यालय में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत पूजा की गई। इसके पश्चात कई छात्र-छात्राओं ने भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़ी रोचक कहानियां और प्रेरक प्रसंग सुनाए, जिसे सुनकर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

समारोह का सबसे आकर्षक पल मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही। जैसे ही छात्रों ने मटकी फोड़ने के लिए प्रयास किए, पूरे विद्यालय में उत्साह और उल्लास का माहौल बन गया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस परंपरा का आनंद लिया।

विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

बलराम जयंती पर हुए आयोजन

बड़वानी । जिले मे बलराम जयंती कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र बजट्टाखुर्द तलुन में आयोजित किया गया। जहॉ जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा बलराम भगवान की पूजा अर्जना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्री वासुदेव मुकाती, सांसद प्रतिनिधि लोकसभा, श्री भगवानसिंह पटेल, भारतीय किसान संघ जिला बड़वानी, श्री कमल तोमर जिला महामंत्री भारतीय किसान संघ, श्रीमती हेमलता सोंलकी अपर कलेक्टार जिला बड़वानी, श्री के.सी.वास्केंल, उप संचालक कृषि जिला बडवानी, डॉ. के.एस. बडौदिया कृषि वैज्ञानिक, उद्यानिकी, पशुपालन, जिला विपणन संघ अधिकारी, मत्व्वान पालन, सहायक कृषि अभियांत्रिकी व जिले के समस्त अधिकारी उपस्थित थे।

भुजरिया पर्व पर निकला सौहार्द का जुलूस, समाजजनों ने पुलिस का किया सम्मान

सनावद। भुजरिया पर्व के अवसर पर सनावद में पारंपरिक जुलूस उत्साह और भाईचारे के माहौल में निकाला गया। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर जुलूस निर्धारित स्थल पर पहुंचा। पूरे आयोजन के दौरान शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना रहा। जुलूस के दौरान खटीक, सोनकर, लोधी एवं प्रजापति समाज के वरिष्ठजनों और गणमान्य नागरिकों ने पुलिस प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की। समाजजनों ने थाना पहुंचकर थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों का पुष्पहार पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत-सम्मान किया। समाजजनों ने कहा कि पुलिस प्रशासन की सतर्कता और बेहतर व्यवस्था के चलते पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने पुलिस के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सहयोग बनाए रखने की बात कही। वहीं थाना प्रभारी ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में आमजन का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की।

खाकी की कलाई पर स्नेह की डोर, थाने पहुंची दुर्गा वाहिनी की बहनें

सनावद। रक्षाबंधन के पर्व पर सनावद थाना परिसर में उस समय भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला, जब दुर्गा वाहिनी महिला मंडल की कार्यकर्ता पुलिसकर्मियों को राखी बांधने पहुंचीं। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बहनों ने पुलिसकर्मियों के माथे पर तिलक लगाया और कलाई पर राखी बांधकर मिठाई खिलाई। दुर्गा वाहिनी की मातृशक्ति ने कहा कि पुलिसकर्मी त्योहारों की खुशियां छोड़कर भी समाज की सुरक्षा में अपनी ड्यूटी निभाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उनके प्रति सम्मान और भाई-बहन के स्नेह का भाव व्यक्त करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। राखी बंधवाते समय पुलिसकर्मियों ने भी बहनों के प्रति अपना स्नेह जताया और हर परिस्थिति में आमजन की सुरक्षा व सेवा के लिए तत्पर रहने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम ने पुलिस और समाज के बीच रिश्ते को एक नई आत्मीयता दी। यहां राखी केवल कलाई पर नहीं बंधी, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और भाईचारे की डोर भी मजबूत हुई। कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी की बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

महाराष्ट्र बॉर्डर पर पीली टी-शर्ट वाले बदमाश को खकनार पुलिस ने दबोचा

बुरहानपुर। शाहपुर से खाद खाली कर लौटना श्रीराम राठौर और उसके हेल्पर को महंगा पड़ गया। 31 अगस्त की रात 11.30 बजे ग्राम धावटी के सुनसान मोड़ पर दो बदमाशों ने बाइक सामने अड़ाकर पिकअप रुकवाई, दोनों को जमकर पीटा और गाड़ी लेकर नौ-दो-ग्यारह हो गए। लेकिन बदमाश भूल गए थे कि मामला खकनार थाने का है। थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने लूट का केस दर्ज होते ही मुखबिर तंत्र एक्टिव किया। खबर लगी - मांजरोद खुर्द से सावली खेड़ा रोड पर एक सफेद पिकअप खड़ी है, पास में पीली टी-शर्ट पहना एक युवक मंडरा रहा है। बस फिर क्या था, पुलिस ने घेराबंदी की और मौके से 24 साल के ज्ञानेश्वर कास्डेकर को धर दबोचा। आरोपी मूलतः सावली खेड़ा, अमरावती (महाराष्ट्र) का है। उसके कब्जे से लूटी गई पिकअप भी बरामद हो गई। पुलिस का कहना है लूट में दो लोग थे, एक तो पकड़ा गया, दूसरे की तलाश में टीम महाराष्ट्र तक जाल बिछा रही है। इस पूरी कार्रवाई में पवन देशमुख, मनीष मंडलोई, सतीश सूर्यवंशी, रूपेश शर्मा और टीम की मुस्तैदी काम आई।

नो-एंट्री में भारी वाहन घुसाने पर जुर्माना

खण्डवा। यातायात पुलिस ने प्रतिबंधित समय में शहर में भारी वाहनों के प्रवेश और ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई की। 2 सितंबर को दो भारी वाहनों के नो-एंट्री उल्लंघन पर 5-5 हजार रुपए तथा दो ओवरलोड वाहनों पर 11-11 हजार रुपए का चालान किया गया। चार वाहनों से कुल 32 हजार रुपए अर्थदंड वसूला गया।

राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ का वार्षिक सम्मेलन 6 सितं. को

इंदौर। अहिंसा, करुणा और 'जियो और जीने दो' के शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा दिगंबर जैन समाज में धर्म प्रभावना और सामाजिक एकजुटता को नया आयाम देने के उद्देश्य से स्थापित राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ भारत का भव्य ऐतिहासिक वार्षिक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यह गरिमामय आयोजन 6 सितंबर को दोपहर 1 बजे से दलाल बाग, छत्रपति नगर इंदौर में हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ होने जा रहा है। संघ नायक राकेश गोहिल एवं मंयक जैन ने कहा कि आयोजन में परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी संसघ का पावन सान्निध्य रहेगा ,मुनिश्री की ओजस्वी वाणी, यथार्थवादी मार्गदर्शन और धर्म प्रभावना से सम्पूर्ण समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है।

बिजली बिल भरने वालों के लिए भी कोई लोक अदालत है क्या?

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बाग

बिजली विभाग द्वारा 12 सितंबर को कुक्षी न्यायालय परिसर में आयोजित की जा रही नेशनल लोक अदालत को लेकर जारी जनहित सूचना ने पुराने बिजली प्रकरणों में राहत की उम्मीद जगाई है। लंबित मामलों में प्री-लिटिगेशन पर 30 प्रतिशत और न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट का प्रावधान बताया गया है। लेकिन इस छूट की घोषणा के साथ ही एक दूसरा सवाल भी खड़ा हो गया है–जो उपभोक्ता हर महीने समय पर अपना बिजली का बिल भरता है, उसके लिए क्या है? वह उपभोक्ता जो बिल आते ही भुगतान कर देता है, कभी बिजली चोरी नहीं करता, विभाग के चक्कर से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी जिम्मेदारी समझकर बिल भरता है–क्या उसके लिए भी कोई राहत, प्रोत्साहन या विशेष योजना है? व्यंग्य की बात तो यह है कि जो बिल नहीं भर पाए, उनके लिए लोक अदालत में छूट का रास्ता खुल रहा है और जो लगातार बिल भर रहे हैं, उनके लिए बस अगला बिल इंतजार कर रहा है! ईमानदार उपभोक्ता शायद यही सोच रहे होंगे कि बिजली विभाग की नजर में उनकी ईमानदारी की कीमत आखिर कितनी है? क्या समय पर बिल भरना ही उनकी सबसे बड़ी गलती है? हर व्यवस्था में बकाया वसूलना जरूरी है और लंबित प्रकरणों का समाधान भी होना चाहिए। लेकिन साथ ही उन उपभोक्ताओं के लिए भी कोई ऐसी योजना होनी चाहिए, जो वर्षों से नियमित रूप से अपने बिजली बिलों का भुगतान कर रहे हैं। क्यों न ऐसे उपभोक्ताओं को भी समय पर बिल भुगतान पर प्रोत्साहन, अतिरिक्त छूट या किसी अन्य लाभ की योजना दी जाए, ताकि ईमानदारी केवल भाषणों में नहीं, व्यवस्था में भी सम्मान पाए?

ग्राम भातखेड़ा की मुस्कान बनी डॉक्टर

बुरहानपुर। भातखेड़ा गांव के लिए गर्व का पल है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भातखेड़ा की मेधावी छात्रा कुमारी मुस्कान अमजद खान, निवासी भातखेड़ा का चयन शासकीय मेडिकल कॉलेज में रूक्क्स के लिए हुआ है। छात्रा के डॉक्टर बनने का सपना पूरा होने पर शाला परिवार और ग्रामवासियों में खुशी की लहर है। सभी ने मुस्कान के उज्जवल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि मुस्कान ने वर्ष 2023 में कक्षा 12वीं जीव विज्ञान संकाय में विकासखंड खकनार में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बुरहानपुर जिले की मेरिट सूची में स्थान बनाया था। उस समय शासन की योजना के तहत उन्हें स्कूटी एवं लैपटॉप से पुरस्कृत भी किया गया था। मेहनत और लगन से आज उन्होंने मेडिकल कॉलेज तक का सफर तय कर जिले का नाम रोशन किया है।

हायर सेकेंडरी स्कूल, बड़वानी में हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

बडवानी। राजकुमार खंडेलवाल स्मृति हायर सेकेंडरी स्कूल, बड़वानी

में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को सुंदर एवं मनमोहक रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण एवं राधा के वेश में मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में भक्ति, उल्लास और पारंपरिक संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों तथा धर्म, सत्य, कर्म और प्रेम के संदेश से परिचित कराया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य माधव खंडेलवाल ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में भारतीय संस्कारों, परंपराओं और संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम का समापन भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

नारायण बाहेती रॉक स्टार डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन अवार्ड से सम्मानित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खण्डवा

लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 1 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन योगेंद रूनवाल ने वर्ष 2024-25 के अवार्ड सेरेमनी सन्तुष्टि कभी अलविदा ना कहना का आयोजन इन्दोर के लता मंगेशकर सभागृह में किया गया। सम्मान समारोह में गवर्नर लायन योगेंद्र रुनवाल रतलाम ने लायन नारायण बाहेती रॉक स्टार डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन अवार्ड प्राप्त कर 24 वी बार सतत महत्वपूर्ण प्रांतीय अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रथम लायन बने। यह महत्वपूर्ण सम्मान लायन्स कलब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 1 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन योगेंद्र रुनवाल व केबिनेट द्वारा वर्ष 2024-25 में नारायण बाहेती को यह सम्मान डिस्ट्रिक्ट स्तर पर किये गए लायन्स इमेज बिल्डिंग,नेत्रदान, देहदान,फूड फार हंगर,स्वास्थ्य सेवाओ, मेडिकल उपकरण बैंक संचालन, शव फ्रीजर बॉक्स सेवा, फेलोशिप, लीडरशीप कार्यशाला आयोजन व प्रशासनिक कार्यो व पीड़ित मानव सेवा के सफल संपादन के लिए प्रदान किये गए। श्री बाहेती पूर्व मे 9 बार अंतराष्ट्रीय प्रेसिडेंट सर्टिफिकेट व मेडल, 10 बार मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट अवार्ड 8 बार बेस्ट लायन ऑफ द रीजन अवार्ड से सम्मानित हो चुके है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को होगा भव्य मटकी फोड़ महोत्सव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खंडवा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर खंडवा में भव्य मटकी फोड़ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं सांसद मित्र मंडल, खंडवा के तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन को लेकर तैयारियां की गई है समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ महोत्सव में शहर सहित आसपास की गोविंदा टोलियां उत्साह के साथ हिस्सा लेंगी।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं मित्र मंडल के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम 4 सितंबर को रात 9 बजे केवल राम चौराहा, खंडवा पर होगा। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में शामिल होने वाली गोविंदा टोलियों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं। आयोजन में प्रथम पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मटकी फोड़ महोत्सव के दौरान संगीत, डीजे और रोशनी की विशेष व्यवस्था रहेगी। गोविंदा टोलियों के बीच मटकी फोड़ने को लेकर रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। आयोजकों की ओर से धर्मप्रेमी नागरिकों व परिवारों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

पश्चिम रेलवे – रतलाम
ई–नीलामी सूचना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक–रतलाम मंडल–पश्चिम रेलवे पार्किंग स्टेण्ड की ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को IREPS वेबसाइट ई–ऑक्शन पर प्रकाशित किया गया है, विवरण निम्न प्रकार से है। केटलॉग सं PARKING-RTM-015, अनुबंध का प्रकार पार्किंग स्टेण्ड, लॉट नं. **PARKING-RTM-BNG-TW-86-26-1 (Barnagar TW), PARKING-RTM-BMI-MX-80-26-1 (Bamania TW & FW), PARKING-RTM-SEH-MX-82-26-1 (Sehore TW & FW), PARKING-RTM-KUH-MX-79-25-1 (Khachroad TW, ThW & FW), PARKING-RTM-DWX-RW-95-26-1 (Dewas Main Side Auto)** अनुबंध की अवधि–3 वर्ष, ई–नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिए ई–नीलामी दिनांक **18.09.26** को 11:00 बजे प्रारंभ होगी 1 प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है । अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है ।IREPS के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है । 0238
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

Presiding Officer- नितिन सोनी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु) (RCS A/9000065/2019)
अब्दुल राजीक. -वादी
विरुद्ध
मुस्तकीम -प्रतिवादी
Process Id/2026
पेशी दिनांक :- 08.09.2026
प्रेषिती- (1) हेमलता पिता श्यामलाल पति जगदीश परमार पता निवासी कंकेश्वरी मंदिर के पास सुंदर विहार प्लाजा इन्दौर म.प्र
यह कि प्रार्थी अब्दुल राजीक ने आपके विरुद्ध स्वत्व घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो बाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 2 सितम्बर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिक्स पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
नितिन सोनी व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खंड के अतिरिक्त न्यायाधीश
नलखेड़ा जिला आगर मालवा (म. प्र)

न्यूज -कॉलम

बाइक सवार युवक के पास मिली हजारों की शराब

उज्जैन। अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ अवैध परिवहन वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा रात में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जीवाजीगंज थाना एसआई शोभाराम किरार बुधवार-गुरूवार रात टीम के साथ सर्कल भ्रमण पर निकले थे, उसी दौरान सूचना मिली कि गढ़कालिका वीर सावरकर मार्ग पर भूपेन्द्र का खेत बना हुआ है, वहां कुछ देर में बाइक सवार युवक अवैध शराब की खेप के साथ किसी को देने के लिये आने वाला है। एसआई ने टीम के साथ घेराबंदी की, बाइक क्रमांक एमपी 05 एमके 8180 पर 2 बिमल पाऊच के झोले लेकर युवक जैसे ही आता दिखाई दिया, टीम ने घेराबंदी कर उसे पक? लिया। झोले में देशी शराब के क्वार्टर भरे थे। युवक से शराब बाइक जप्त कर थाने लाया गया, जहां पूछताछ में उसका नाम कृष्णा पिता शंकरलाल प्रजापत 22 साल निवासी शिवांश सिटी आगररोड सामने आया। एसआई किरार के अनुसार मामले में आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया है। बरामद शराब 30 हजार रूपये से अधिक है। गुरूवार दोपहर कृष्णा प्रजापत को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से एक दिन की रिमांड पर लिया गया है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि शराब कहां से लाया था और किसे देने वाला था।

ग्वालियर का निकला अर्धनग्न अवस्था में मिला युवक

उज्जैन। तराना तहसील के ग्राम संकोटा में एक युवक अर्द्धनग्न अवस्था में पूरे गांव में चक्कर लगा रहा था, ग्रामीणों ने मामले की सूचना नैनावद पुलिस चौकी प्रभारी एसआई गोकुलसिंह मंडोत को दी। एसआई टीम के साथ पहुंचे और युवक को चौकी पर लाया गया। जहां पूछताछ का प्रयास करने पर दिमागी रूप से कमजोर होना सामने आया। वह कुछ बता नहीं पा रहा था। उसके परिजनों का पता लगाने के प्रयास शुरू किये गये। इस दौरान सामने आया कि इंदौर-देवास नाका ट्रांसपोर्ट पर आया था। वह ड्रायवर है और ग्वालियर से आया था। पुलिस की टीम ने ग्वालियर पुलिस से संपर्क कर उसके परिजनों की जानकारी जुटाई। 24 घंटे बाद परिजनों का पता चलने पर उन्हे तराना बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया। तराना थाना प्रभारी रामनारायण भदौरिया ने बताया कि युवक के परिजनों का पता लगाने और उसके कपड़े-भोजन की व्यवस्था करने में एसआई मंडोत का काफी सहयोग रहा। एसआई की मेहनत से विक्षिप्त युवक को परिजनों से मिलवाया जा सका है। एसआई का सहयोग प्रधान आरक्षक महेश भिलाला व आरक्षक नरेंद्र गुर्जर द्वारा किया गया।

महिला की जहरीला पदार्थ खाने से बिगड़ी हालत

उज्जैन। मक्सीरोड शंकरपुर में रहने वाली मनु कुमारी पति दुर्गेश 19 साल की गुरूवार को जहरीला पदार्थ खाने के बाद हालत बिगड़ गई। परिजन उसे चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उपचार के लिये भर्ती किया और पंवासा थाना पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि मनु कुमारी नवविवाहिता है, उसकी हालत में सुधार होने पर पुलिस बयान दर्ज करेगी। फिलहाल उसके जहरीला पदार्थ खाने का कारण सामने नहीं आया है। एक अन्य मामले में विजयागंज मंडी से आदर्श पिता संजय 19 साल को भी चरक अस्पताल में भर्ती किया है। उसे लक्की परिहार अस्पताल लेकर पहुंचा था, आदर्श ने भी जहरीला पदार्थ खाया है, लेकिन उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है।

चैन्नई-जयपुर एक्सप्रेस में मिला इटारसी से लापता बालक

उज्जैन। इटारसी से लापता 14 साल के बालक को उज्जैन जीआरपी की टीम ने चैन्नई-जयपुर एक्सप्रेस से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। जीआरपी थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि इटारसी पुलिस से आरआईबी इंदौर को सूचा मिली थी कि लापता बालक ट्रेन के जनरल कोच में यात्रा कर रहा है। ट्रेन उज्जैन पहुंचने वाली है। इंदौर जीआरपी से जानकारी मिलने पर ट्रेन के उज्जैन प्लेटफार्म आने से पहले टीम अलर्ट हो गई। ट्रेन का स्टापेज होते ही जनरल कोच में सर्चिंग शुरू की गई और हुलिये के आधार पर लापता बालक को दस्तयाब कर लिया गया। बालक परिवार से नाराज होकर घर से निकल गया था। उसके मिलने पर इटारसी पुलिस के साथ परिजनों को सूचना दी गई। जिनके आने पर बालक को सकुशल सुपुर्द किया गया है। परिवार द्वारा उज्जैन जीआरपी की त्वरीत कार्रवाई की प्रसंशा करते हुये टीम का आभार माना।

सर्पदंश से वृद्ध की मौत

उज्जैन। रतलाम जिले के ताल स्थित ग्राम लिम्बाखेड़ी में रहने वाले हीरालाल पिता पूरालाल प्रजापत 55 साल को बुधवार दोपहर सर्पदंश का शिकार होने पर उपचार के लिये परिजन रतलाम अस्पताल के बाद उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां रात में हीरालाल की मौत हो गई। गुरूवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया।

दिन	899-6	690-5
मेन बाजार	578-0	367-6
कल्याण नाइट	336-2	150-6
मिलन डे	180-9	000-0
मिलन नाइट	360-9	245-1
मधुर डे	260-8	569-0
मधुर नाइट	112-4	266-0
शुभांक	3 9	2

चारधाम पार्किंग में खड़ी कार से चुराई 2 सोने की चेन

हरियाणा के श्रद्धालुओं को खुला मिला लॉक, पुलिस खंगाल रही कैमरों के फुटेज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल दर्शन करने आये श्रद्धालुओं की कार से बदमाशों ने सोने की 2 चेन चोरी कर ली। पार्किंग में खडी कार का लॉक खुला होने पर चोरी का पता चलने पर श्रद्धालुओं ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। बदमाशों का पता लगाने के लिये सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे है।

हरियाणा के हिसार स्थित केमरी आजाद नगर से पवन पिता वीरसिंह अपने दो दोस्त संदीप गोदरा और कुलदीप यादव के साथ महाकाल दर्शन करने स्कार्पियों क्रमांक एचआर 20 बीइ 9114 से आये थे। उन्होने अपनी कार चारधाम पार्किंग में खडी की। मंदिर जाने से पहले पवन और संदीप ने अपनी सोने की चेन उतारकर रख दी और कार लॉक करने के बाद 11 बजे के लगभग दर्शन करने के लिये मंदिर चले गये। कुछ घंटे बाद वापस लौटते तो पार्किंग में खडी स्कार्पियों का लॉक खुला मिला। उसमें रखा सामान और 2 चेन गायब थी। लाखों रूपये की चेन चोरी होने पर पार्किंग वालों से पूछताछ की, लेकिन श्रद्धालुओं को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होने महाकाल थाने पहुंचकर मामले में शिकायत की, पुलिस ने जांच-पडताल करने के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि घटनाक्रम 30 अगस्त का है, जांच के बाद मामले में पवन कुमार की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है। पार्किंग और आसपास लगे कैमरों के फुटेज देखे जा रहे है।

पार्किंग कर्मियों पर चोरी की शंका

पवन कुमार और उसके दोस्तों ने बताया कि वह पार्किंग में गाडी करने के बाद सामान और चेन रखकर गये थे, उन्होने गाडी को लॉक किया था। वापस लौटने पर लॉक खुला था, पार्किंग वालों से पूछताछ करने पर उन्होने जवाब देने में आनाकानी शुरू कर दी। जबकि उन्होने पार्किंग शुल्क लिया था जिसके एवज में गाडी की सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी थी, जिस तरह से उनका जबाव था, उससे ऐसा लगा रहा था कि चोरी में पार्किंग कर्मियों का हाथ हो सकता है। पवन का कहना था कि उन्हे कर्मचारियों पर ही शंका है, क्योंकि लॉक खोला गया था।

मंदिर के आसपास सक्रिय बदमाश

सावन माह शुरू होने के बाद से महाकाल मंदिर के आसपास और सोमवार को सवारी मार्ग पर बदमाश सक्रिय दिखाई दे रहे है। पहली सवारी से लेकर पांचवी सवारी तक सैकड़ों श्रद्धालुओं की चेन, मंगलसूत्र, पर्स मोबाइल चोरी के मामले सामने आ चुके है। अब तक एक युवक और महिला को ही पकड़ा जा चुका है। जिनसे चार सोने की चेन, 2 मंगलसूत्र और एक पेंडल की बरामदगी हुई है। अधिकांश मामलों में बदमाशों का पता नहीं लगा पाया है। आगामी सोमवार को बाबा महाकाल की शाही सवारी है, जिसमें देशभर के लाखों श्रद्धालु पहुंचेगें, अगर समय रहते पुलिस ने बदमाशों पर अंकुश नहीं लगाया तो उनके साथ भी वारदातें हो सकती है।

कानीपुरा दोहरे हत्याकांड में 2 आरोपी हिरासत में

पांच का रिमांड खत्म होने पर भेजा गया जेल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बीयर पार्टी के दौरान करणी सेना के 2 गुटों में 26-27 अगस्त की रात खूनी संघर्ष हो गया। एक गुट ने 2 को मौत के घाट उतार दिया। घटनाक्रम के दूसरे दिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो रिमांड पर थे। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर गुरूवार को 2 ओर आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिसमें एक नाबालिग शामिल है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के कनीपुरा स्थित मार्ग पर लक्की दरबार ढाबा पर हुये संघर्ष में करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल दरबार उर्फ विजयप्रताप पिता दिलीपसिंह 42 साल निवासी नीमनवासा जितेन्द्र उर्फ टम्मू पिता निर्भयसिंह पंवार निवासी उंडासा की तलवार चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या और बलवे का प्रकरण दर्ज कर हत्या के मुख्य आरोपी रहे करणी सेना के पूर्व नगर अध्यक्ष शक्तिसिंह अटल, अर्पित अटल, अन्ना उर्फ अनिल, राघव बैरागी और दुर्गेश उर्फ संजय परमार के साथ एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया था। नाबालिग को बाल संप्रेक्षणगृह भेज, पांच आरोपियों को रिमांड पर लिया गया था। जिनसे लगातार पूछताछ जारी थी। गुरूवार को दोहरे हत्याकांड से जुडे 2 अन्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि पूर्व में रिमांड पर चल रहे पांच आरोपियों को गुरूवार दोपहर रिमांड खत्म होने पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। हिरासत में लिये गये 2 आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जायेगा। हत्या में आरोपियों की संख्या 12 से 15 पहुंच सकती है।

2 युवक थे घायल, एक का उपचार जारी

घटनाक्रम के दौरान हमले में दोनों मृतकों के 2 साथी श्रवण राव और पप्पू जाट घायल हुये थे। पप्पू जाट को गंभीर चोंट लगी थी जिसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने श्रवण के बयान दर्ज कर मामले में शक्तिसिंह, अर्पित अटल, सोनू बंजारा, अन्ना बंजारा, राकेश बानिया, अनिल और अन्य के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया था।

हमले में घायल हुआ था मुख्य आरोपी

विदित हो कि ढाबे पर दोनों पक्ष पुराने मामले में समझौते के लिये एकत्रित हुये थे, इस दौरान बीयर पार्टी रखी गई थी। मुख्य आरोपी शक्तिसिंह पर चर्चा के दौरान राहुल दरबार ने हमला कर दिया था, जिसमें वह घायल हो गया था, उसने अपने साथियों को बुलाकर हमला किया था। शक्ति घायल होने के बाद पहले थाने पहुंचा था उसके बाद चरक अस्पताल उपचार के लिये पहुंचा था, जहां से निजी अस्पताल जाकर भर्ती हो गया था। पुलिस ने उसे अस्पताल से गिरफ्तार किया था।

रंजीत हनुमान मंदिर मार्ग पर पलटा आटो, 4 घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

तेजगति से दौडा आटो गुरूवार शाम पलटी खा गया। आटो में सवार 4 लोग घायल हुये है, जिन्हे उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनाक्रम की सूचना अस्पताल की ओर से महाकाल थाना पुलिस को दी गई है।

भैरूनाला क्षेत्र के रहने वाले गोलू पिता काशीराम, कमलेश पिता काशीराम, प्रीतम पिता गेंदालाल और योगेश को शाम के समय रंजीत हनुमान मंदिर से गौंसा की ओर जाने वाले मार्ग से घायल हालत में चरक अस्पताल लाया गया था। चारों घायलों को सपना पति संदीप निवासी ज्ञान टेकरी ने भर्ती कराया और बताया कि आटो पलटने की घटना में चारों को चोंट लगी है। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद चारों को उपचार के लिये भर्ती किया। घायलों का कहना थ कि वह ऋणमुक्तेश्वर पुलिया से आटो में सवार होकर गुजर रहे थे। रंजीत हनुमान मार्ग पर तेजगति के कारण आटो पलटी खा गया। अस्पताल स्टॉफ की ओर से दुर्घटना की सूचना महाकाल थाना पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा घायलों के बयान दर्ज करने और जांच के बाद ही घटनाक्रम की सही पुष्टि हो पायेगी।

चैकिंग-पेट्रोलिंग के साथ जारी रहेगी निगरानी-एसपी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सावन माह समाप्त होने के बाद से पुलिस मैदान में दिखाई दे रही है। लगातार चैकिंग, पेट्रोलिंग और निगरानी के लिये रातभर पुलिस सडकों पर घूम रही है। पिछले दिनों की पुलिस कार्यशैली को लेकर गुरूवार को एसपी ने समीक्षा बैठक आयोजित की और निर्देश दिये कि शहर में चैकिंग-पेट्रोलिंग के साथ निगरानी जारी रखी जायेगी।

अगस्त माह के अंतिम सप्ताह 3 हत्या और चाकूबाजी के मामले सामने आने के बाद एसपी प्रदीप शर्मा एक्शन में आ गये थे, पूरे जिले की पुलिस को मैदान में उतार दिया था। रात 11 बजे बाजार बंद कराया जा रहा है, शहर में प्रवेश मार्गो से लेकर प्रमुख चौराहों पर चैकिंग पाइंट लगाये जा रहे है। रातभर पुलिस सडकों पर दौड लगा रही है। पिछले चार-पांच दिनों से जारी पुलिस की कार्यशैली को लेकर एसपी ने गुरूवार को पुलिस कंट्रोलरूम पर समीक्षा बैठक आयोजित की और चैकिंग-पेट्रोलिंग के दौरान की गई कार्रवाई का खाका थाना प्रभारियों से मांगा। उन्होने निर्देश जारी किये कि रात्रिकालीन गश्त के साथ चैकिंग और पेट्रोलिंग जारी

रखी जायेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखे जाये। असामाजिक और आपराधिक तत्वों की गतिविधियों में शामिल बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुये सूचना तंत्र को मजबूत कर आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता एवं तत्परता से निराकरण किया जाये। लंबित मामलों का निराकरण भी शीघ्र किया जाये। उन्होने कहा कि अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी थाना प्रभारी और अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चि करें।

दिल्ली साइबर टीम उज्जैन में दबिश

उज्जैन। ऑनलाइन धोखाधडी के मामले में गुरूवार को दिल्ली साइबर क्राइम टीम ने उज्जैन में एक एडवाइजरी कंपनी पर दबिश दी। जहां दस्तावेजों को खंगाला गया और कुछ युवक-युवतियों से पूछताछ शुरू की।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि दिल्ली साइबर क्राइम की टीम ने विशाल मेगा मार्ट स्थित गिरीराज हेरिटेज में एडवाइजरी कम्पनी पर दबिश मारी है। दिल्ली में महिला के साथ लाखों के ऑनलाइन फ्रॉड के मामले में संबंधित साइबर क्राइम टीम को उज्जैन की लिंक मिली थी। उन्होने थाने आकर मामले की जानकारी दी और उक्त एडवाइजरी कंपनी के लिये रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि कंपनी से जुडे युवक-युवतियों से पूछताछ की जारी है। थाना प्रभारी तरूण कुरील का कहना था कि दिल्ली से आई टीम के कार्रवाई पूरी होने के बाद ही पूरा मामला सामने आ पायेगा, उन्होने एडवाइजरी कंपनी से जुडे कुछ लोगों को कस्टडी में लिया है।

कोर्ट में सरेंडर करने वाला बदमाश पुलिस रिमांड पर

3 माह थी तलाश, पिस्टल बरामदगी का प्रयास

उज्जैन। ड्रग्स सप्लाय और पूर्व पत्नी को धमकाने के मामले में 3 माह से फरार चल रहे गुर्जर गैंग के बदमाश ने बुधवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने पूछताछ के लिये 4 दिनों की रिमांड पर लिया है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने 20 अप्रैल को गुर्जर गैंग से जुडे नमन उर्फ नवीन पिता हरनामसिंह गुर्जर और उसके भाई चंद्रशेखर गुर्जर निवासी विश्वबैंक कालोनी ढांचा भवन को 25 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ वाकणकर ब्रिज पार्किंग से गिरफ्तार किया था। दोनों ने भाई रोशन गुर्जर से ड्रग्स लाना बताया था। पुलिस ने रोशन को आरोपी बनाकर तलाश शुरू की थी लेकिन वह फरार चल रहा था। इस बीच 30 अप्रैल को रोशन ने दो तालाब के पास रहने वाले पूर्व पत्नी निकिता गुर्जर ने नीलगंगा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी रोशन उसके घर आया था और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर गया है। पुलिस ने निकिता की शिकायत पर रोशन के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। उसकी तलाश लगातार जारी थी, इस बीच बुधवार शाम को रोशन ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। नीलगंगा पुलिस खबर मिलने पर कोर्ट पहुंची और पूछताछ के लिये चार दिनों की रिमांड पर लिया। एसआई वेदप्रकाश साहू ने बताया कि आरोपी से दोनों मामलों में पूछताछ जारी है। संभावना है कि उससे पिस्टल के साथ ड्रग्स के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

जाहिर - सूचना कृषि भूमि विक्रय सौदा निरस्तीकरण की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरा पक्षकार राजेन्द्रसिंह पिता मेहरबान सिंह, आदि सहखातेदार, निवासी एवं कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकडौन जिला उज्जैन मध्यप्रदेश के होकर, मेरे पक्षकार की निजी स्वामित्व स्वत्व व आधिपत्य, शामिल सरिख एवं हक हिस्से की कृषि भूमि जिसका भूमि सर्वे नम्बर 206 रकबा 0.78 हैक्टर, रार्वे नग्बर 204 रकबा 1.24 हैक्टर एवं सर्वे नम्बर 205 रकबा 1.07 हैक्टर भूमि कुल किता 03 कुल रकबा 3.09 हैक्टर भूमि जो कि ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकडौन जिला उज्जैन मध्यप्रदेश में स्थित होकर, उपरोक्त भूमि को विकय करने का सौदा, मेरे पक्षकार ने क्रेता पक्ष शाहरूख पटेल पिता तेज मोहम्मद, जाति नायता, निवासी आजाद नगर, रतलाम तहसील एवं जिला रतलाम म.प्र. से अग्रिम बयाना / टोकन राशि प्राप्त कर विगत दिनांक 29-05-2026 को किया गया था तथा सौदा चिट्ठी एवं नोटराईज्ड विक्रय अनुबंध पत्र का संपादन भी किया गया था, जिसके अनुसार मेरे पक्षकार को विक्रय मूल्य कि अग्रिम 25 प्रतिशत राशि नगदी. एवं चैकों के माध्यम से प्राप्त करना थी। लेकिन केता पक्ष के द्वारा मेरे पक्षकार को आज दिनांक तक 25 प्रतिशत राशि नगदी एवं चैंकों के रूप में नहीं दी गई है तथा जो अनुबंध पत्र में वर्णित अनुसार जो चैंक दिए गए थे, उक्त चैंक के खातों में भी राशि नहीं होने से मेरे पक्षकार के द्वारा प्राप्त किये गए समस्त चैंकों को पुन: केता पक्ष को पूर्व में ही गवाहों के समक्ष सौंप दिया गया हैं। अनुबंध पत्र में वर्णित शर्तों के अनुसार मेरे पक्षकार को आज दिनांक तक 25 प्रतिशत राशि प्राप्त नहीं होने, तथा केता पक्ष के फोन नहीं उठाने, घर पर नहीं मिलने व आए दिन टालमटोल करने के कारप्प वश, मेरा पक्षकार परेशान हो चुका है जिससे मेरे पक्षकार को कई परेशानियों का सामना करना पड रहा है जिस कारण से उपरोक्त भूमि का विक्रय सौदा मेरे पक्षकार के द्वारा आज दिनांक 03-09-2026 को मय गवाहों के समक्ष निरस्त कर दिया गया है। जिसमें मेरे पक्षकार एवं केता पक्ष, याने विक्रेता एवं केता दोनो पक्षों के मध्य किसी प्रकार का कोई लेन-देन शेष नहीं है एवं ना ही किसी प्रापर्टी ब्रोकर (दलाल) को किसी प्रकार से कोई लेन-देन शेष हैं। मेरे पक्षकार आज दिनांक 03-09-2026 से उपरोक्त भूमि को किसी भी अन्य को विक्रय करने हेतु स्वतंत्र है। वर्णित भूमि संबंधित यदि केता पक्ष या अन्य किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति है तो इरा जाहिर सूचना के प्रकाशन से सात (07) दिवस की अवधि में भय लिखीत प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालय के समय मे आकर सम्पर्क करें, एंव अपना दावा एंव आपत्ति रखें। अन्य दशा में बाद अविध मेरे पक्षकारगणों द्वारा उक्त भूमि का विक्रय अन्य किसी को कर दिया जावेगा। व बाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित हो। इति दिंनाक-03-09-2026

अरविन्द शर्मा दस्तावेज लेखक
पता-दुकान नम्बर 01, न्यू बस स्टेण्ड, तहसील कार्यालय के सामने, तहसील घट्टिया जिला उज्जैन मो. 9424014405, 9179075818

जाहिर सूचना

सर्व साधारण एवं सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार श्रीमती डिम्पल नागर पति श्री मनोज नागर, निवासी 12, आष्टा वाले का बाड़ा चन्द्रशेखर आजाद मार्ग, ढाबा रोड, उज्जैन ने, श्रीमती आशा पति श्री हीरालालजी, सोलंकी, निवासी 110, श्रीकृष्ण कॉलोनी, अंकपात मार्ग, उज्जैन से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक भूखण्ड क्रमांक 1-37 व 38 पुराना क्रमांक-01 का भाग स्थित चन्द्रशेखर आजाद मार्ग, गली क्रमांक 03, (ढाबा गली) क्षिप्रा तट के समीप, उज्जैन म.प्र. जिसका न.पा.नि. उज्जैन का क्रमांक 1-37 व 38 स्थित चन्द्रशेखर आजाद मार्ग, गली क्रमांक 03 उज्जैन म.प्र. स्थापित हुआ है। उक्त भूखण्ड की लम्बाई-उत्तर-दक्षिण बतरफ पूर्व व पश्चिम 10.67 मीटर, चौड़ाई पूर्व से पश्चिम बतरफ उत्तर व दक्षिण 8.53 मीटर है। भूखण्ड कुल क्षेत्रफल 91.00 वर्ग मीटर होकर भूखण्ड की चतु:सींमा में पूर्व में गली शामलाती, पश्चिम में संजय पटेल का मकान, उत्तर में-गली सरकारी, दक्षिण में सोलंकी जी का मकान है, मेरी पक्षकार द्वारा उक्त वर्णित भूखण्ड की बयाना राशि श्रीमती आशा सोलंकी को अदा करदी गई है। उक्त सम्पत्ति पर ICICI HOME FINANCE COMPANY LTD का ऋणभार है इसके अतिरिक्त उक्त भूखण्ड पर अन्य किसी बैंक, निगम, व्यक्ति, फायनेंसर, संस्था या अन्य किसी व्यक्ति का कोई ऋणभार या न्यायालयीन प्रकरण हो अथवा उक्त सम्पत्ति शासकीय व मंदिर व वक्फ बोर्ड, सिंहस्थ क्षेत्र हेतु आरक्षित हो अथवा अन्य कहीं रहन, बय, दान आदि किसी प्रकार से अन्तरित की हुई हो अथवा उक्त सम्पत्ति किसी अन्य को विक्रय किये जाने का अनुबंध किया हुआ हो अथवा उक्त सम्पत्ति पर किसी प्रकार की वारिसान संबंधी बाधा हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन से 07 दिन के भीतर मय लेखी प्रमाण के मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करे। अवधि व्यतीत होने पर मेरे पक्षकार को किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी व मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सम्पत्ति का विक्रय-पत्र अपने हित में निष्पादित करा लिया जावेगा।

दिनांक 04 सितम्बर 2026 स्थान उज्जैन।

प्रमोद पाठक, एडव्होकेट,
18, देवास गेट, उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सावन लोट पिता सुनील लोट निवासी भैरूगढ़ नाका चौराहा उज्जैन म.प्र. के व्दारा भूमि सर्वे क्रमांक 2977 स्थित कस्बा उज्जैन भेरूखेड़ी के पास को क्रय करने का सौदा उक्त सर्वे नंबर के भूमि स्वामी कमल किशोर तिवारी आदि के साथ किया गया हैं । तथा शीघ्र ही विक्रय पत्र का संपादन किया जाना है। उक्त सौदे पेटे बयाना राशि भी मेरे पक्षकार व्दारा भूमि स्वामी को प्रदत्त कर दी गई हैं। जिस किसी भी बैंक, संस्था, व्यक्ति आदि को उपरोक्त उल्लेखित सर्वे क्रमांक के विक्रय के संबंध में किसी भी तरह की उम्र आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 15 दिवस के अन्दर मय प्रमाण मेरे कार्यालय में सम्पर्क करे अन्यथा अवधि पश्चात विक्रय पत्र संपादित कर दिया जावेगा आपत्ति मान्य नही की जावेगी ।

इति दिनांक-03/09/2026

विवेक जोशी हाईकोर्ट एडव्होकेट
कार्यालय:वैकुण्ठधाम कालोनी मक्सी रोड उज्जैन
मो. 8109490116

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार पवन विजयवर्गीय पिता मांगीलाल विजयवर्गीय, निवासी- देपालपुर जिला इंदौर (म.प्र.) द्वारा ग्राम भड़ला तहसील नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.) स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 983, 989, 990, 986, 987, 1016, 1017, 1030, 1029, 1015, 1014, 1031, 1032, 1033, 1034 कुल किता 15 कुल रकबा 9.150 हेक्टर अर्थात 43.50 बीघा कृषि भूमि, जो जितेन्द्र पिता कमलसिंह आंजना, निवासी सावेर रोड उज्जैन जिला उज्जैन (म.प्र.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्तियां हैं, के संबंध में विक्रेता जितेन्द्र पिता कमलसिंह आंजना के साथ पूर्व में निष्पादित विक्रय अनुबंध पत्र/सौंदा दिनांक 19/08/2026 को मेरे पक्षकार द्वारा प्रकाशित कराया गया था। चूंकि उक्त दोनों पक्षों (क्रेता एवं विक्रेता) के मध्य आपसी सहमति से उक्त विक्रय अनुबंध पत्र/सौदा निरस्त कर दिया गया है, अत: अब उपरोक्त वर्णित भूमि एवं अनुबंध से मेरे पक्षकार का कोई लेना-देना नहीं है। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस संपत्ति या अनुबंध को लेकर अब किसी भी प्रकार का लेन-देन या दावा मान्य नहीं होगा।

अक्षत तिवारी अधिवक्ता
ऑफ़िस - 13, विद्या नगर, नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.)
मो. 8319619455

आवारा कुत्तों का आतंक से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के 12 लोग घायल अवस्था में पहुँचे अस्पताल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर की तंग गलियों से लेकर खुले चौक चौराहों पर झुंड बनाकर घूम रहे आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है, लेकिन इनके आतंक से निजात दिलाने के लिए जिम्मेदारों के पास कोई प्रभावी रणनीति नहीं है। नतीजतन आवारा कुत्ते प्रतिदिन लोगों को अपना शिकार बनाते हुए अस्पताल पहुंचाने में लगे हुए हैं।

बुधवार सुबह भी आसपास के ग्रामीण इलाकों के साथ शहरी क्षेत्र में भी आवारा कुत्तों ने राहगीरों पर जमकर कहर बरपाया और इस करीब एक घंटे में 12 लोगों पर हमला कर घायल कर दिया। शाजापुर ज्योति नगर निवासी विजेश ने बताया कि वह सुबह के समय साइकिल पर सवार होकर सफाई करने के लिए जा रहा था, तभी एबी रोड एसबीआई बैंक के सामने आवारा कुत्तों ने हमला कर पैर और हाथ में काट लिया। स्थानीय लोगों ने मदद कर कुत्तों को मौके से खदेड़ा। इसीके साथ शाजापुर शहरी क्षेत्र में ही रफीक मोहम्मद, रवि पिता शिवनारायण, कैलाश पिता बद्रीलाल, लखन पिता मांगीलाल, ज्योति अशोक, अंकित राकेश आवारा कुत्तों के हमले से घायल हो गए। इसी तरह ग्राम निछमा में गोपाल पिता बापूलाल, सांपखेड़ा में सोहेल खान और जामन में नागेश कुत्ते के काटने से घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार किया गया।

लाखों रुपए से किया बधियाकरण, खदेड़ने की नहीं कोई योजना

शहरवासियों के लिए आवारा मवेशियों के साथ ही आवारा कुत्ते कई वर्षों से मुसीबत का सबब बने हुए हैं, लेकिन जिम्मेदार इस समस्या को हल करने की बजाय जुमलेबाजी और अपने स्वार्थहितार्थ ही कार्य करते नजर आए। यही कारण है कि नगरपालिका ने कुत्तों के बधियाकरण के नाम पर तो लाखों रुपए खर्च कर दिए, लेकिन इन आवारा कुत्तों को शहर से खदेड़ने के लिए कोई प्रभावी योजना नही बनाई, जिसके परिणाम स्वरूप सुबह जल्दी उठकर स्कूल जाने वाले विद्यार्थी और राहगीर आवारा कुत्तों का निशाना बन रहे हैं। बुधवार को स्कूली बच्चों के साथ 12 से अधिक लोग कुत्तों के काटने पर जिला अस्पताल पहुंचे। लोगों ने आवारा मवेशी और कुत्तों से शहर को मुक्ति दिलाने की मांग की है।

स्मार्ट मीटरों की चेकिंग करने पहुंची इंदौर की टीम, बिजली चोरी के 11 मामले पकड़े

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

स्मार्ट मीटर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विविंक इंदौर की टीम ने शाजापुर में दस्तक दी और विभिन्न क्षेत्रों में मीटर की जांच कर पंचनामा बनाया। बुधवार को शहर में बिजली चोरी रोकने के लिए बिजली विभाग ने इंदौर की टीम के साथ चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान इंदौर से आई टीम ने स्थानीय बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में लगे स्मार्ट मीटरों की जांच की। जांच के दौरान कुछ स्थानों पर पर उपभोक्ता सीधे तार डालकर बिजली का इस्तेमाल करते मिले। वहीं जगह स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर उसकी रीडिंग बदलने का प्रयास किया गया। टीम ने मौके पर ही इन मामलों को पकड़ा और संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ पंचनामा बनाया। संबंधित उपभोक्ताओं पर नियमों के हिसाब से जुर्माना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इस अभियान से बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। सहायक यंत्री रामेश्वर प्रताप अहिरवार ने बताया कि इंदौर बिजली विभाग हर महीने ऐसे स्मार्ट मीटरों की पहचान करता है, जिनकी रीडिंग या बिजली खपत में गड़बड़ी की आशंका होती है। इसके बाद एक विशेष टीम उन इलाकों में पहुंचकर मीटरों की जांच करती है। इसी कड़ी में इंदौर से टीम शाजापुर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय और इंदौर की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान सीधे तार डालकर और स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी के मामले पकड़े हैं। सभी मामलों में पंचनामा बनाकर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने साफ किया है कि स्मार्ट मीटरों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा और बिजली चोरी या मीटर से छेड़छाड़ करने वालों पर नियमों के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश,चौराहे पर जुटी भीड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

शहर के व्यस्त टेम्पो चौराहे पर बुधवार को एसेट पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्त समाज का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने ढोलक, डफ ली और नारों के साथ प्रस्तुति दी, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग चौराहे पर जुटे। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के साथ पूरे परिवार को प्रभावित करती है। छात्र-छात्राओं ने अभिनय और संवादों के जरिए नशे से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो जैसे संदेशों वाले पोस्टर और फेफ ड़ों व लिवर पर नशे के दुष्प्रभाव दर्शाने वाली पेंटिंग्स भी प्रदर्शित कीं। कार्यक्रम में समाजसेवी खुशी राम आचार्य और व्यवसायी सीमित चौधरी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आवश्यक हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्कूल का शिक्षक स्टाफ, स्थानीय दुकानदार और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

अज्ञात युवकों ने मजदूर से की मारपीट धमकी देने का आरोप

शुजालपुर। मंडी बस स्टैंड क्षेत्र में शराब ठेके के पास बुधवार दोपहर तीन अज्ञात युवकों द्वारा एक मजदूर से मारपीट करने का मामला सामने आया है। फ रियादी ने पुलिस को रिपोर्ट देकर युवकों पर मारपीट करने और जान से खत्म करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार कैथलाय निवासी लालसिंह उर्फ रघु पंडाजी 45 वर्ष वर्तमान में कृष्णानगर कॉलोनी, शुजालपुर मंडी में रहता है। फ रियादी ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे वह बस स्टैंड स्थित शराब ठेके के पास से जा रहा था। इसी दौरान तीन अज्ञात युवक उसके पास आए। इनमें से एक युवक ने दो दिन पहले लकड़ी से मारने की बात कहते हुए उससे विवाद किया। फरियादी ने घटना से इनकार किया तो तीनों कथित रूप से अपशब्द कहने लगे। फ रियादी के अनुसार अपशब्द कहने से मना करने पर तीनों ने उसके साथ थप्पड़, मुक्कों और लात,घूंसों से मारपीट की।

हादसे में घायल अतिथि शिक्षक ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

शुजालपुर। आष्टा-शुजालपुर नेशनल हाईवे पर तिलावद के समीप सोमवार को हुए सड़क हादसे में घायल अतिथि शिक्षक विजेंद्र सिंह 40 वर्ष की बुधवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में मृतकों की संख्या अब तीन हो गई है। गवाखेड़ा निवासी विजेंद्र सिंह सेंधव,तिलावद के शासकीय मिडिल स्कूल में अतिथि शिक्षक थे। सोमवार को बाइक और पिकअप की भिड़ंत में गंभीर घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन तक उपचार के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ और बुधवार दोपहर उन्होंने दम तोड़ दिया।

लंबे समय बाद बना दुर्लभ योग, शाजापुर में एक ही दिन मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

शाजापुर। नगर और अंचल में इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व 4 सितंबर 2026 को पूरे उल्लास के साथ एक ही दिन मनाया जाएगा। लंबे समय बाद इस वर्ष जन्माष्टमी पर एक विशेष और दुर्लभ योग बन रहा है, जिसके कारण इस बार पर्व की तिथि को लेकर श्रद्धालुओं में कोई भ्रम नहीं है। शहर के प्रसिद्ध ज्योतिष सम्राट पंडित बाबूलाल शर्मा ने बताया कि 4 सितंबर 2026 को भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि के चंद्रमा का अद्भुत संयोग बन रहा है। ऐसा योग लंबे समय के बाद बना है।

वर्कशॉप में चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

शाजापुर। वर्कशॉप में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गैस गोदाम रोड स्थित वर्कशॉप में चोरी की वारदात सामने आ रही थी, जिस पर वर्कशॉप संचालक सक्रिय हुआ और बीती रात वर्कशॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे का रिकॉर्ड देखा, जिसमें युवक गोदाम में घुसकर चोरी करता हुआ दिखाई दिया।

माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति में चयन हुआ

आगर मालवा। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति में सवार्नुमति से चयनित संपत मोदानी ब्यावरा का बुधवार को आगर आगमन पर माहेश्वरी समाजजनों ने स्वागत-वंदन किया। समाज अध्यक्ष कैलाश माहेश्वरी ने स्वागत भाषण दिया। मोदानी ने आगामी सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर समाज की कार्ययोजना साझा की और आगर, शाजापुर व राजगढ़ जिले के समाजजनों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। जिला अध्यक्ष अशोक बजाज व प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष अभिषेक बजाज ने भी जिले की कार्ययोजना बताई। संचालन शरद मालानी ने किया। आभार ब्रजेश मुंदड़ा ने माना।

बरोठा थाना क्षेत्र में कुएं में डूबने से युवक की मौत 20-25 दिनों से मामा के पास रहता था

देवास। देवास के बरोठा थाना क्षेत्र के बंजारी गांव में बुधवार रात कुएं में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सचिन मीणा (40) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बड़कुमेद का रहने वाला था और पिछले करीब 20-25 दिनों से अपने मामा के घर बंजारी में रह रहा था। खाना खाने के बाद वह अचानक घर से बाहर चला गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, जिसके बाद बच्चों से कुएं की तरफ जाने की जानकारी मिली। परिजन जब कुएं के पास पहुंचे तो सचिन पानी में डूबे मिले। उन्हें बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। रात में ही शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। रिश्तेदार जितेंद्र ने बताया कि सचिन खाना खाने के बाद अचानक घर से निकल गए थे। उनकी चप्पल भी घर पर ही रखी हुई थी। जब काफी देर तक वह वापस नहीं आए तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान कुछ बच्चों ने बताया कि सचिन कुएं की तरफ गए थे। इसके बाद परिजन कुएं पर पहुंचे। गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बरोठा पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उज्जैन-देवास फोरलेन पर वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत:मोबाइल से पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया

देवास। उज्जैन-देवास फोरलेन पर हुए सड़क हादसे में 43 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान तराना के खेड़िया मोहल्ला निवासी अर्जुन चौहान पिता बद्रीलाल के रूप में हुई है। अर्जुन पिछले कुछ दिनों से उज्जैन में रह रहे थे। बुधवार रात वे पैदल ही उज्जैन से निकले थे। इसी दौरान आशंका है कि फोरलेन पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अमलतास अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे में अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहगीरों की मदद से उन्हें उज्जैन रोड स्थित अमलतास अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने गौरव शाह पिता कमल जाति जैन, निवासी 84, शिवाजी रोड बडनगर, जिला उज्जैन म.प्र.। व रवि राचवानी पिता मनोहरलाल जी राचवानी जाति सिन्धी, निवासी - 35 शिवाजी पथ बडनगर, जिला उज्जैन म.प्र.। के मालिकाना व आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 318/2/2 रकबा 2.11 हेक्टेयर, में से रकबा 0.1866 हेक्टेयर भूमि स्थित ग्राम टोकरा, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र.। को क्रय करने का सौदा तय कर लिया होकर उन्हें बयाना राशि अदा कर दी है तथा उपरोक्त कृषि भूमि के विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। यदि उपरोक्त कृषि भूमि के संबंध में किसी भी संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, पेढ़ी अथवा प्रायवेट व्यक्ति का कोई बोझ या ऋण बकाया हो कृषि भूमि के संबंध में किसी भी न्यायालय या फोरम में कोई वाद-विवाद विचाराधीन हो अथवा किसी भी अन्य व्यक्ति का कोई स्वत्व या हित निहित हो या कृषि भूमि के विक्रय होने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेजी प्रमाण के प्रत्यक्ष रूप से मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर मुझसे संपर्क कर लेवें। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के सूचना मेरे पक्षकार द्वारा कृषि भूमि का शेष विक्रय मूल्य अदा कर उसके विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जाएगा। तत्पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो। दिनांक - 03/09/2026

गोरव कुमार बारोड़ एडवोकेट
कार्यालय - कोर्ट परिसर, बड़नगर
मो. 7067049863

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड कार्यालय दुसरी मंजिल ए 6/3 महांकाल वाणिज्य केन्द्र नानाखेडा उज्जैन म.प्र. की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भवन क्रमांक 104 गणेश नगर जयसिंहपुरा उज्जैन म.प्र. में स्थित है। जिसका कुलक्षेत्रफल 840 वर्गफीट अर्थात 78.03 वर्गमीटर है। जिसके पूर्व में- भवन गुंजनसिंह चद्रांवत पिता दिलीपसिंह चंद्रावत, पश्चिम मे- सी.सी. रोड़, उत्तर में- सी.सी. रोड़, दक्षिण मे- भवन करण गेहलोत पिता भेरू गेहलोत स्थित है। उक्त संपत्ति विजय कुमार ताम्रकर पिता नाथुलाल ताम्रकर ने न्यायालय के आदेश (प्रकरण एवं डिक्री न.) 217ए/78 आदेश दिनांक 05/12/1981 के माध्यम से प्राप्त कि। तथा विजय कुमार ताम्रकर के द्वारा उक्त सपत्ति पर रेवेन्यु रिकार्ड के प्रकरण क्रमांक 9*110/79-18 दिनाक 30/12/1981 के माध्यम से नाम दर्ज करवाया। एवं विजय कुमार ताम्रकर के द्वारा उक्त संपत्ति को विक्रय करने का अनुबंध संजय परवाल पिता अम्बाराम से किया है। एवं संजय परवाल ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन में आवेदन किया हैं तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति बंधक करने जा रहे हैं, अतः सूचित किया जाता हैं कि यदि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार Truhome (श्रीराम हाउसिंग) फायनेंस लिमिटेड उज्जैन का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी । सूचित हो ।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक 87/3 तुलसी कॉम्पलेक्स विक्रम मार्ग टॉवर चौराहा फ्रीगंज, उज्जैन
मोबाइल न. 9301860352

सूचना

भागवन्ती बाई उर्फ भायगबाई दोनों नाम मेरे ही तथा एवं सही एवं वास्तविक नाम भायग बाई है। मेरा नाम भायग बाई पति करण सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम लोध, तहसील तराना, जिला उज्जैन मप्र. में शपथ पूर्वक सत्य कथन करती हूँ कि मिलने वाली पेन्शन योजना में मेरा नाम भागवन्ती बाई नाम दर्ज है। तथा मुझ शपथ ग्रहीता के भायग बाई नाम मेरे आधार कार्ड के भायग बाई नाम दर्ज है। साथ ही मेरी समग्र आईडी राजस्व रिकार्ड के कागजाद में भी मेरा नाम भायग बाई नाम दर्ज है। मैं शपथ पूर्वक सत्य कथन करती हूँ कि भागवन्ती बाई उर्फ भायगबाई दोनों नाम मेरे ही तथा एवं सही एवं वास्तविक नाम भायग बाई है। इसके लिए मैंने एक शपथ पत्र दिनांक 2-9-2026 को नोटरी किया गया है।

In The Court Of V Additional District Judge, District Court, Ujjain Presiding Officer:
श्री राकेश कुमार शर्मा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC GW/0000010/2026)
जयराम परमार ... आवेदक
Vs
सर्वसाधारण.. अनावेदक
Process Id-/2026
पेशी दिनांकः 25/09/2026

प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण क्रं. 1 जयराम परमार पिता श्री जगन्नाथ परमार, आयु-50 वर्ष, व्यवसाय-कृषि, क्रं.2 यश पिता जयराम परमार, आयु-14 वर्ष, सरपरस्त पिता जयराम परमार पिता श्री जगन्नाथ परमार, निवासीगण व कृषक ग्राम गोयलाबुजुर्ग तहसील घटिटया जिला उज्जैन म प्र की ओर से इस न्यायालय के समक्ष एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 6,7,25,29 गार्जियन एण्ड वार्डस एक्ट सहपठित धारा 8 हिन्दू मॉयनोरिटी एण्ड गार्जियनशीप एक्ट के अधीन आवेदक क्रं.1 आवेदक क्रं. 2 यश परमार का पिता है तथा अवयस्क होकर अपने पिता के साथ ही निवास करता है। आवेदक क्रं. 2 के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रं. 149 रकबा 0.60 हे. सर्वे क्रं. 152/1 रकबा 0.10 हे. व सर्वे क्रं. 162/2 रकबा 0.85 हे. भूमि ग्राम गोयलाबुजुर्ग तहसील घटिटया जिला उज्जैन में स्थित है तथा उपरोक्त वर्णित भूमि राजस्व रिकार्ड आवेदक क्रं. 2 के नाम पर दर्ज है। पूर्व में उपरोक्त वर्णित भूमि आवेदक क्रं. 1 के नाम पर ही थी परन्तु आवेदक क्रं. 1 के द्वारा न्यायालय अपर तहसीलदार, टप्पा पानबिहार तहसील घटिटया जिला उज्जैन के समक्ष अपने पुत्रों के मध्य पारिवारिक व्यवस्था अनुसार बटवारा किये जाने का प्रकरण क्रं.307/अ-27/2020-21 के रुपय में दर्ज हुआ तथा इस प्रकार उक्त आदेश के माध्यम से आवेदक के जीवनकाल में अपने अवयस्क पुत्र को बंटवारे में भूमि प्राप्त हुई है। सर्वे क्रं. 162/2 रकबा 0.85 हे. भूमि अनुउपर्युक्त है तथा उस पर विधिवत कृषि कार्य भी नहीं होता है तथा उससे किसी प्रकार की आये भी प्राप्त नहीं होती है जिसके चलते उपरोक्त सर्वे नंबर की उपयोगिता समाप्त हो चुकी है, ऐसी दशा में उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक क्रं.1 ने विक्रय करने का निर्णय लिया है। उक्त वादग्रस्त भूमि में आवेदक क्रं. 2 का बतौर स्वामी अंश निहित होने के कारण बिना न्यायालय की अनुमति के वादग्रस्त भूमि को विक्रय करना संभव नहीं है। आवेदकगण पता ने उक्त सर्वे क्र. 162/2 रकबा 0.85 हे. स्थित ग्राम सिंगावदा तहसील घटिटया जिला उज्जैन अनुउपर्युक्त व कृषि योग्य न होने से उपरोक्त भूमि को विक्रय करने बाबत अनुमति प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 25 सितम्बर 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 25 सितम्बर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 21 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

राकेश कुमार शर्मा
पंचम जिला न्यायाधीश जिला उज्जैन (म.प्र.)
कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार गजेसिंह पिता श्री बलदेवसिंह निवासी 10 आदर्श नगर कालोनी नागझिरी उज्जैन म.प्र. ने भवन क्रमांक 03 म्यु 228/5 में का भाग पाण्डयाखेडी मक्सी रोड उज्जैन म.प्र. को कय करने का सौदा उक्त भवन के स्वामी श्रीमती माया पति सचिन परमार निवासी 184 ग्राम पवांसा मक्सी रोड उज्जैन म.प्र. से मेरे पक्षकार ने क्रय अनुबंधित कर बयाना राशि भवन स्वामी को अदा कर दी है शेष राशि का भुगतान कर विक्रय पत्र का ई पंजियन करवाना शेष रहा है। किन्तु उक्त भवन के संबंध में मेरे पक्षाकरन के द्वारा की गई शिकायत के आधार पर पुलिस थाना पवांसा उज्जैन द्वारा अपराध क्रमांक 10/2025 पर अपराध धारा 420,406,294,506, भादवी का भवन स्वामी एवं सचिन तथा छोटुलाला के विरूद्ध दर्ज किया है जो विचारण में है, कोई भी संस्था, व्यक्ति, बैंक, आदि उक्त भवन को क्रय सौदा न करे क्योकि मेरे पक्षाकर को उक्त भवन के विक्रय पत्र का पजीयन बकाया राशि भुगतान किया जाकर किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को उक्त जाहिर सुचना से कोई सरोकार हो तो इस जाहिर सुचना के प्रकाशन के 07 दिवस में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करे ताकि उसका निराकरण किया जा सके अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेवेगा अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी ।

इति दिनांक 03/09/2026

अजय शंकर तिवारी एडव्होकेट,
कार्यालय- पुराना नाका मक्सी रोड चकोर पार्क के सामने उज्जैन (म.प्र.) मो. नं.- 9827068234

In The Court Of V Additional Motor Accident Claims Tribunal, District Court, Ujjain Presiding Officer:
श्री राकेश कुमार शर्मा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MACC/0000232/2022)
मिनाक्षी शर्मा------ वादी
Vs
पुरुषोत्तम दुबे------प्रतिवादी
Process Id-/2026
पेशी दिनांकः 25/09/2026

प्रेषिती
(1) पुरुषोत्तम दुबे पिता रामप्रसाद दुबे पता-321 साईबाग नगर सुदामा नगर द्वारकापुरी इंदौर हामुबी सेक्टर त्रिवेणी विहार उज्जैन मो नं 9406801232
(2) सचिन वर्मा पिता कुन्दनमल वर्मा पता 12 सहयोग नगर दीनदयाल काम्पलेक्स के सामने उज्जैन

यह कि प्रार्थी मिनाक्षी शर्मा पति श्री लक्ष्मण शर्मा, आयु-41 वर्ष, व्यवसाय-नौकरी, पता- 36 क्वाटर देसाई नगर कोतवाली उज्जैन की ओर से इस न्यायालय के समक्ष एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166, 140 मोटरयान अधिनियम के अधीन प्रस्तुत किया है कि आप अनावेदक क्रं. 1 पुरुषोत्तम दुबे पिता रामप्रसाद दुबे वाहन क्रमांक इण्डिको कार क्रमांक एमपी-09-सीएस-2303 के स्वामी एवं आप अनावेदक क्रं. 2 सचिन पिता कुन्दनलाल वर्मा उक्त वाहन के चालक उक्त वाहन को दिनांक 06/06/2020 को उपेक्षा व लापरवाही से चलाकर आवेदिका को टक्कर मारकर घोर उपहति कारित की, जिसके संबंध में आपके विरूद्ध मोटर दुघर्टना दावा केस के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 13 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

राकेश कुमार शर्मा
सदस्य पंचम अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण उज्जैन (म.प्र.)
कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

In The Court Of V Additional District Judge, District Court, Ujjain Presiding Officer:
श्री राकेश कुमार शर्मा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC GW/0000009/2026)
सुनिता------ आवेदक
Vs
सर्व साधारण ------अनावेदक
Process Id-/2026
पेशी दिनांकः 25/09/2026

प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण कं. 1 श्रीमती सुनिता पति स्व. श्री बहादुरसिंह, आयु-37 वर्ष, व्यवसाय-कृषि, क्र.2 नूतन पिता स्व. बहादुरसिंह, आयु-17 वर्ष, के.3 क्रिश पिता स्व. बहादुरसिंह, आयु-16 वर्ष, सरपरस्त माता सुनिता पति स्व. श्री बहादुर, निवासीगण-ग्राम सिंगावदा तहसील घटिटया जिला उज्जैन म प्र की ओर से इस न्यायालय के समक्ष एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 6,7,25,29 गार्जियन एण्ड वार्डस एक्ट सहपठित धारा 8 हिन्दू मॉयनोरिटी एण्ड गार्जियनशिप एक्ट के अधीन आवेदकगणों के पति व पिता का नाम बहादुरसिंह पिता कान्हाजी था, आवेदिका क्र.1 का विवाह बहादुरसिंह से हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ था, आवेदिका क्रं.1 बहादुरसिंह की विवाहिता पत्नी है। बहादुरसिंह के संसर्ग से आवेदिका क्र. 1 ने दो बच्चो को जन्म दिया था जिनके नाम क्रमशः नूतन व क्रिश है जो अवयस्क होकर अपनी माता के संरक्षण में निवास करते हैं। आवेदकगणों के मध्य माता व पुत्र-पुत्री के संबंध है। आवेदकगणों के पिता व पति बहादुरसिंह पिता कान्हाजी के स्वस्व स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्र.255/2 रकबा 0.3600 हे., सर्वे क्र. 257/2 रकबा 0.1100 हे. व सर्वे क्रं. 258/2 रकबा 0.5700 हे. भूमि ग्राम सिंगावदा तहसील घटिटया जिला उज्जैन में स्थित है तथा उपरोक्त वर्णित भूमि बहादुरसिंह पिता कान्हाजी के जीवनकाल में राजस्व रिकार्ड में उनके नाम पर दर्ज रही है तथा बहादुरसिंह के द्वारा उपरोक्त वर्णित भूमि का उपयोग-उपभोग कर कृषि कार्य किया जाता रहा है। दिनांक 01/01/2019 को आवेदकगणों के पति व पिता का स्वर्गवास हो चुका है तथा उनकी मृत्यु के पश्चात उपरोक्त वर्णित भूमि पर आवेदकगणों का नाम बतौर उत्तराधिकारी न्यायालय अपर तहसीलदार, टप्पा पानबिहार घटिटया जिला उज्जैन के प्रकरण क्रं. 1133/अ-6/2025-26 आदेश दिनांक 04/02/2026 के अनुसार नाम दर्ज हआ है तथा उपरोक्त तीनों सर्वे नंबरान पर आवेदकगणों का नाम बतौर भूमि स्वामी दर्ज हआ है तथा तीनों भूमि स्वामीयों का उपरोक्त वर्णित सर्वे नंबरान की भूमि पर 1/3 अंश निहित है। आवेदिका क्रं. 1 एक गृहिणी है तथा उसे कृषि कार्य करने का कोई अनुभव भी नहीं है तथा जीवन की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कृषि कार्य से इतनी आय भी उत्पन्न नहीं होती है जिससे अपने अवयस्क बच्चो का पालन पोषण विधिवत कर सके जिसके चलते आवेदिका क्रं. 1 को अपना व अपने अवयस्क बच्चो का जीवन निर्वहन करने में कठिनाईयां का सामना करना पडता है। उपरोक्त वर्णित सर्वे नंबरान की भूमि ईलाहबाद बैंक शाखा उज्जैन में बंधक भी है जिसके बाबत ऋण राशि का भुगतान भी आवेदिका क्र.1 को करना पडता है। आवेदकगण पता ने उक्त सर्वे क्र.255/2 रकबा 0.3600 हे., सर्वे क्रं.257/2 रकबा 0.1100 हे. व सर्वे क्रं.258/2 रकबा 0.5700 हे. भूमि ग्राम सिंगावदा तहसील घटिटया जिला उज्जैन में स्थित भूमि में आवेदकगण के 1/3 अंश को विक्रय करने बाबत अनुमति प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 25 सितम्बर 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 25 सितम्बर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यहे आज तारीख 21 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

राकेश कुमार शर्मा
पंचम जिला न्यायाधीश जिला उज्जैन (म.प्र.)
कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मुझ जाहिर सूचनाकर्ता के पुत्र का सही नाम आरूष नंदेड़ा AARUSSH NANDEDA है लेकिन मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र Registration No. B-2020:23-90153-004696 में पुत्र का नाम त्रुटिवश RUDRA NANDEDA एवं पुत्र के आधार नंबर 4561 9126 5373 में पुत्र का नाम त्रुटिवश इंग्लिश में AARUSH NANDEDA दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम आरूष नंदेड़ा AARUSSH NANDEDA है जो कि उसके अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अब भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम आरूष नंदेड़ा AARUSSH NANDEDA निवासी-66/9, मेनरोड बड़ा बाजार, उन्हेल जिला उज्जैन म.प्र. के नाम से जाना व पहचाना जावे। इति दिनांक : 01/09/2026

नारायण नंदेड़ा पिता श्री रामलाल नन्देड़ा
निवासी-66/9, मेनरोड बड़ा बाजार, उन्हेल जिला उज्जैन म.प्र.
मोबा-7000742065

शहर में सांडों का आतंक खत्म करने नागरिकों ने नपा को दिया ज्ञापन

गुना। स्थानीय नागरिकों की ओर से नगर पालिका उपाध्यक्ष और नगर पालिका अध्यक्ष को गुरुवार एक ज्ञापन दिया गया। जिसमें श्रीराम मुक्तिधाम के हाल की क्षतिग्रस्त छत, शमशान घाट में बिजली ना होने के कारण मोबाइल की लाइट और गाड़ियों की लाइट जलाकर अंतिम संस्कार होने की खबरों को संज्ञान में लाया गया। इसी प्रकार शहर में सांडों का आतंक खत्म करने हेतु ज्ञापन में उल्लेख किया गया है। इस मौके पर नागरिकों ने कहा कि सुबह जब छोटे बच्चे स्कूल जाते हैं तो सांडों की वजह से उनके परिवारजन काफी चिंतित रहते हैं, हर समय जान जोखिम का डर बना रहता है। शहर के नागरिक भी अपनी जान जोखिम में डालकर बाजार में आने में भयभीत रहते हैं। इसके साथ ही सर्वदलिए प्रतिनिधिमंडल के समस्त सदस्यों ने मुक्तिधाम में क्रिया कर्म हेतु लोगों का निरंतर आते जाने के बाद की खबरें संज्ञान में आई की शमशान घाट श्रीराम मुक्तिधाम के हाल की छत काफी जीर्ण शीर्ण हो चुकी है। पानी टपकने के साथ ही इसका प्लास्टर भी निरंतर गिर रहा है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम इटावा तहसील महिदपुर स्थित कृषि भूमि सर्वे नं. 457/2 रकबा 0.68 हेक्टर पटवारी हल्का नंबर वर्तमान 84 के सबंध में उच्च न्यायालय इन्दौर के द्वारा दिनांक 27-03-2019 को यथास्थिति बनाये रखने का आदेश इसके संबंध में अंतिम निर्णय होने तक जारी किया हुआ है जो वर्तमान में प्रचलन में है कथित रूप से उक्त कृषि भूमि को किसी प्रकार से अंतरित करने का प्रयास किया जा रहा है जोकि माननीय न्यायालय को अवमनाना के अन्तर्गत आता है इस सबंध में कोई भी व्यक्ति -संस्था - बैंक या कोई भी निकाय उक्त भूमि पेटे कोई लेनदेन संव्यवहार न करे यदि सूचना प्रकाशन उपरांत भी कोई भी इस प्रकार का व्यवहार भूमि पेटे करता है जिससे उसमें मेरा हक प्रभावित होता है तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र रहूंगा। सूचना सर्वसाधारण को सावधान एवं सचेत करने हेतु प्रकाशित कराई जा रही है सूचित हो।

इति दिनाँक 03-09-2026

रमेश पिता मांगूजी
इटावा तहसील महिदपुर जिला-उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार यूको बैंक, तिलक मार्ग शाखा, उज्जैन की ओर से यह जाहिर सूचना प्रकाशित की जा रही है कि श्रीमती हेमा बाई, पति स्व. परमानंद जी माली, निवासी 15/2, यंत्र महल मार्ग, पथ क्रमांक-1, नीलगंगा, उज्जैन ने अपने जीवनकाल में भवन म्यूनिसिपल क्रमांक 15/2 (पुराना नंबर 6/590) को पंजीकृत विक्रय पत्र दस्तावेज क्रमांक 2035, दिनांक 07/11/1977 के माध्यम से विधिवत क्रय किया था। उक्त संपत्ति के संबंध में नगर निगम रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज रहा है। श्रीमती हेमा बाई एवं उनके पति श्री परमानंद जी के देहावसान के पश्चात उनकी संतानों द्वारा उक्त भवन, म्यूनिसिपल क्रमांक 15/2, यंत्र महल मार्ग, पथ क्रमांक-1, नीलगंगा, उज्जैन, एक मंजिला टीन पोर्श, कुल क्षेत्रफल 87.35 वर्गमीटर, को श्रीमती प्रमिला हरोड़, पति श्री योगेश, के पक्ष में पंजीकृत विक्रय पत्र ई-दस्तावेज क्रमांक एमपी 432022015ए1011131, दिनांक 19/05/2015 के माध्यम से विक्रय कर दिया गया। उक्त पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता श्रीमती प्रमिला हरोड़ उक्त भवन की वर्तमान स्वामिनी हैं तथा उनका नाम नगर पालिका निगम के रिकॉर्ड में नामांतरित होकर दर्ज है। नगर पालिका निगम द्वारा उक्त भवन के नवनिर्माण हेतु भवन अनुज्ञा भी स्वीकृत की गई है। उक्त भवन के नवनिर्माण हेतु श्रीमती प्रमिला हारोड़ द्वारा हमारे पक्षकार बैंक के समक्ष उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय पत्र को बाय Deposit of Title Deeds Equitable Mortgage (साम्य बंधक) के रूप में बैंक के पास जमा किए जाने की शर्त पर ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त ऋण प्रस्ताव वर्तमान में बैंक के समक्ष विचाराधीन है। अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा किसी अन्य पक्ष को उक्त प्रस्तावित ऋण सुविधा के संबंध में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति पर किसी व्यक्ति/संस्था, शासकीय विभाग, अर्द्धशासकीय संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक, सहकारी संस्था, बीमा कंपनी अथवा किसी वित्तीय संस्था का कोई ऋणभार, बंधक, भार, हित, अधिकार, स्वत्व या दावा हो अथवा उक्त संपत्ति के संबंध में किसी न्यायालय में कोई वाद, प्रकरण, डिक्री अथवा अन्य न्यायिक कार्यवाही लंबित या प्रचलित हो, अथवा स्व. श्रीमती हेमा बाई के विक्रेता पक्ष से संबंधित वारिसों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को उक्त संपत्ति में कोई स्वत्व, हित या अधिकार प्राप्त हो तथा प्रस्तावित बंधक किए जाने पर कोई आपत्ति हो, तो वह व्यक्ति/संस्था अपने दावे अथवा आपत्ति के समर्थन में समस्त मूल दस्तावेजों/प्रमाणों सहित इस जाहिर सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 (सात) दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद अवधि गुजर जाने उक्त संपत्ति का मूल विक्रय पत्र ऋण अदायगी के प्रतिभूति स्वरूप बंधक किए जाने की दशा में बैंक द्वारा कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी। सूचित हो।

दिनांक-03/09/2026

सी. आर. शिंदे अधिवक्ता
कार्यालय-122, महाकाल रोड, उज्जैन
कार्यालयीन समय-प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक
सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे तक
मो. 94066 74363

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार आई सी आई सी आई बैंक लि की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार आई सी आई सी आई बैंक लि की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, भवन म्युनिसिपल गृह क्रमांक 6 व 6/1 के पश्चिम दिशा का एक भाग, घटकरपर मार्ग, माधवनगर, उज्जैन (म.प्र.) जिसकी चतुर्सीमा निम्नानुसार है पूर्व में शेष भाग विक्रेता, पश्चिम में सडक 80 फीट की उत्तर में खुली भूमि गली की, दक्षिण में - विकेता की शेष भूमि, जिसका कुल क्षेत्रफल 200.70 वर्गमीटर है। उक्त संपत्ति दि मालवा होजयरी फेक्ट्री लिमिटेड द्वारा चन्द्रप्रकाश साबू पिता चिरोंजीलाल जी साबू से नरेश भण्डारी पिता कल्याणमलजी भण्डारी, को रजिस्टर्ड विकय पत्र 7283 दिनांक 30/03/2007 के माध्यम से प्राप्त हुई थी। भवन म्युनिसिपल गृह क्रमांक 6 व 6/1 के पश्चिम दिशा का एक भाग, घटकरपर मार्ग, माधवनगर, उज्जैन (म.प्र.) जिसकी चतुर्सीमा निम्नानुसार है पूर्व में आम रास्ता, पश्चिम में शेष भाग विक्रेता उत्तर में खुली भूमि गली की, दक्षिण में विक्रेता की शेष भूमि, जिसका कुल क्षेत्रफल 342.73 वर्गमीटर है। उक्त संपत्ति दि मालवा होजयरी फेक्ट्री लिमिटेड द्वारा चन्द्रप्रकाश साबू पिता चिरोंजीलाल जी साबू से कल्याणमलजी भण्डारी पिता मदनलाल जी भण्डारी आदि को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र 7284 दिनांक 30/03/2007 के माध्यम से प्राप्त हुई थी। इनकी मृत्यु के पश्चात विधिवत नामांतरण से नरेश भण्डारी पिता कल्याणमलजी भण्डारी को प्राप्त हुई। उपरोक्त वर्णित संपत्ति पर नरेश भण्डारी पिता कल्याणमलजी भण्डारी, ऋण प्राप्त करने हेतु आई सी आई सी आई बैंक लि में आवेदन किया गया है तथा बैंक द्वारा उक्त संपत्ति को बंधक कर किया जा रहा है। उपरोक्त संपत्ति दस्तावेज क्रमांक 7283 दिनांक 30/03/2007 एवं रजिस्टर्ड विक्रय पत्र 7284 दिनांक 30/03/2007 कही गुम हो गया है तथा अन्य दस्तावेज के साथ प्रमाणित प्रति प्राप्त की जा रही है। अतः सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त वर्णित संपत्ति पर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी, शासन या अन्य कोई ऋण, भार, पेनल्टी, दण्ड, ब्याज, आयद हो या किसी प्रकार का टैक्स, कर, प्रभार बकाया हो या उक्त संपत्ति में किसी का स्वत्व, हित, क्लेम, कब्जे के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से सात दिवस में सप्रमाण मुझे लिखित आपत्ति पेश करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके अन्यथा बाद अवधि आई सी आई सी आई बैंक लि द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति पर ऋण प्रदाय करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तत्पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति शून्य व अमान्य मानी जावेगी। अतः सूचित हो।

दिनांक 03/09/2 026

नीरज सक्सेना (एडवोकेट)
ए-18 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन
मो. 97130-96363, 97130-15515

Court Of Civil Judge, Junior Division, Susner, District Agar Malwa

Presiding Officer: सुश्री वंशिता गुप्ता

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु) (RCS A/0000083/2026)

मंजू जैन.....वादी
विरूद्ध
सर्वसाधारण जनता.... प्रतिवादी

Process Id-/2026
पेशी दिनांक 23/09/2026

प्रेषिती-

(1) सर्वसाधारण जनता पता- सुसनेर जिला आगर मालवा म.प्र.

यह कि प्रार्थी मंजू जैन ने आपके विरूद्ध वाद वास्ते घोषणात्क डिक्री हेतु अंतर्गत धारा 34 विर्निदिष्ट अनुतोष अधिनियम एवं धारा 111 भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 22 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। यदि किसी कारण से उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायालय की मुद्रा **न्यायाधीश**
सुश्री वंशिता गुप्ता
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड सुसनेर
जिला आगर-मालवा (म.प्र)

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मकान नं. 8 एवं 9 नीलगंगा रोड़, उज्जैन दिलीपसिंह पिता गोपालसिंह व ओमप्रकाश पिता गोपालसिंह चाहर के नाम से था जिसका बंटवारा दिलीपसिंह व ओमप्रकाश चाहर द्वारा किया गया और उक्त मकान में एक कूआ तथा कामन पेसेज है जो बंटवारे में दोनों के उपयोग का रहा है, दिलीपसिंह का स्वर्गवास हो चुका है, दिलीपसिंह के हिस्से वाले भाग में श्रीमती प्रभादेवी पत्नी दिलीपसिंह व उसके पुत्र तथा उसका परिवार निवासरत है। ओमप्रकाश चाहर द्वारा मकान नं. 8 एवं 9 में प्राप्त बंटवारे भाग को बाले-बाले विक्रय किया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति उक्त मकान भाग के कुऐ व कामन रास्ते के संबंध में स्पष्ट लेख किये बिना तथा मेरी पक्षकारा की स्वीकृति के बिना भवन के कामन उपयोग के भाग के संबंध में किसी भी प्रकार का लेन देन या क्रय न करें, अगर किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था के द्वारा इस संबंध में कोई भी लेन देन या सव्यंवहार किया जाता है तो उसकी जवाबदारी मेरी पक्षकारा श्रीमती प्रभादेवी पति दिलीपसिंह की नहीं होगी इसके लिये वह स्वयं उत्तरदायी होगा। अगर इस संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त करना हो तो मुझसे या मेरी पक्षकारा से सम्पर्क करें। सूचित हो।

इति दिनांक 03/09/2026

प्रतापसिंह रावत हायकोर्ट एडवोकेट
कार्यालय 67, गिरधर कुंज, लंगर पेट्रोल पम्प के पास, देवास रोड, उज्जैन
मो. 9425093103

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी प्रकाश पिता इन्दरलाल जाति जाटव निवासी व कृषक ग्राम निपानिया गोयल तहसील घटिया जिला उज्जैन म.प्र. ने अपने हक हिस्से व स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर 19 रकबा 0.81 हेक्टर में से विक्रीत रकबा 0.60 हेक्टर,भूमि कुल किता 01 कुल रकबा 0.60 हेक्टर भूमि स्थित ग्राम निपानिया गोयल तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्यप्रदेश में स्थित होकर उपरोक्त भूमि को विक्रय करने का सौदा चिट्टी किया होकर क्रेता पक्ष से बयाना राशि प्राप्त कर ली होकर शेष बकाया धन राशि प्राप्त कर उक्त भूमि विक्रय पंजीयन क्रेता पक्ष के नाम से करवाना शेष है। यदि उक्त भूमि पर किसी भी व्यक्ति बैंक अथवा अन्य ऋण भार अथवा कोई व्यवहार किसी प्रकार का हो अथवा उक्त सम्पत्ति को रहन या अन्य प्रकार से अन्तरित या ऋण भारीत की हो या किसी भी व्यक्ति को ऋणदायरी आदि हो तो इस जाहिर सुचना के प्रशसन से (07) सात दिवस की अवधि में मय लिखित प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालय के समय मैं आकर सम्पर्क करे एवं अपना दावा एवं आपत्ति रखे अन्य दशा में बार अवधि मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि का विक्रय पत्र केता पक्ष कार द्वारा सम्पादन अपने हित में करवा लिया जायेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी सुचित हो । इति दिनांक - 04-09-2026

राकेश शर्मा (सर्विस प्रोवाईडर)
तह कार्यालय के सामने बस स्टेंड ऑफिस नम्बर 07
ग्राम घट्टिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन
मो.नं-8719997462,9584898788

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने इन्दरसिंह पिता श्री नानूराम, निवासी ग्राम बीजराजखेडी तहसील व जिला उज्जैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे नम्बर 422/1/1 (एस) रकबा 0.5100 हेक्टेयर, सर्वे नम्बर 423/2 (एस) रकबा 0.2400 हेक्टेयर कुल किता 02 कुल रकबा 0.7500 हेक्टेयर भूमि ग्राम हासामपुरा तहसील व जिला उज्जैन स्थित भूमि में से कुछ भूमि शासन द्वारा अधिग्रहित करने के कारण मौके पर कुल भूमि 0.4800 हेक्टेयर शेष रही हैं। उक्त भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार द्वारा कर लिया गया था तथा सौदा राशि भी अदा कर दि गई थी। उक्त भूमि को विक्रय करने के पूर्व अपनी भूमि का मौका मुआयना मेरे पक्षकार को जहा पर दिखाया था ओर सौदा तय किया था वह भूमि किसी अन्य की हैं तथा इन्दरसिंह की भूमि जहा मौका दिखाया था वहा नही हैं इस कारण मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय अनुबंधित भूमि का सौदे के परिपालन में दस्तावेज अनुबंध पत्र का निष्पादन नही करवाया हैं तथा इसके संबंध में मेरे पक्षकार द्वारा विधि अनुसार आगे की कार्यवाही की जा रही हैं तथा इसके संबंध में इन्दरसिंह को मौखिक रूप से कई बार बताने के बावजुद भी उसके द्वारा इसका कोई निराकरण नही कराया गया इस कारण मेरे पक्षकार द्वारा इन्दरसिहं को एक सुचना पत्र भी प्रेषित कर सुचित करने के पश्चात् उक्त भूमि के संबंध में व की गई धोखाधडी के संबंध में विधि अनुसार अग्रीम कार्यवाही की जा रही हैं। इस कारण उक्त वर्णित भूमि के संबंध मे कोई भी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि किसी भी प्रकार का कोई समव्यवहार क्रय विक्रय अंतरण हस्तांतरण आदि नही करें। इसके पश्चात् भी यदि किसी के द्वारा उक्त्त वर्णित भुमि के संबंध में किसी भी प्रकार का अंतरण हस्तांतरण किया जाता हैं तो वह मेरे पक्षकार पर बंधन कारक होकर पालनीय नही होगा। सुचित हो।

दिनांक-03-09-2026

योगेश शर्मा एडवोकेट
कार्यालय-डी एफ-9, भरतपुरी काम्पलेक्स
देवास रोड, उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूखंड स्वामी श्रीमती दीपिका बारोड पति श्री जोगेन्द्र बारोड निवासी 02 लक्ष्मीबाई मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन मप्र के एकमेव स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का भूखंड क्रमांक 63 जो श्री पुरम कॉलोनी ग्राम पांड्याखेड़ी तहसील व जिला उज्जैन स्थित है। उक्त भूखंड का कुल क्षेत्रफल 57.60 वर्ग मीटर है, जो कालोनी के मुख्य मार्ग से अंदर की ओर होकर फीहोल्ड राइट्स का है। उक्त भूखंड की चतुर्सीमा निम्नानुसार है पूर्व में - भूखंड क्रमांक-89 पश्चिम में सड़क कॉलोनी कीउत्तर में भूखंड क्रमांक-64 दक्षिण में सड़क कॉलोनी की। मेरे द्वारा भूखंड स्वामी से उक्त वर्णित भूखंड संपत्ति को मय तल लगायत हवाई हक सहित क्रय करने का सौदा किया होकर विक्रय मूल्य की राशि में से बयाना राशि का भुगतान भूखंड संपत्ति स्वामी को कर अनुबंध पत्र का निष्पादन करवा लिया गया है, अब शेष राशि का भुगतान कर-विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष रहा है। उक्त वर्णित भूखंड संपत्ति पर भूखंड स्वामी के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्त्व हित अधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय - बक्शीस, अनुबंध इत्यादि और अथवा किसी भी प्रकार का सुखाधिकार प्राप्त हो अथवा इस विक्रय व्यवहार से किसी को भी कोई आपति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7, सात दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय प्रमाण के लिखित में दर्ज करवा देवे। ताकि उसका निराकरण किया जा सके। अन्यथा तय तिथि के पश्चात मेरे द्वारा मेरे हित में विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जाएगा, उसके पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपति मान्य स्वीकार्य नहीं होगी। बन्धनकारक नहीं होगी। सो सूचित हो। इति दिनांक 03 सितम्बर 2026 स्थान उज्जैन मप्र

श्रीमती अनिता देवड़ा पति श्री शंकर सिंह देवड़ा
निवासी 12 द्रविड़ मार्ग बहादुर गंज उज्जैन
मो. 9827431509

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक संपन्न

गुना। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति, कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, राशन वितरण, पशु चिकित्सा, उद्यानिकी क्षेत्र विस्तार एवं कृषि नवाचारों की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026' के तहत प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में राशन दुकानों, गैस गोदामों एवं पेट्रोल पंपों का अनिवार्य निरीक्षण किया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में जिला खाद्य विभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगस्त माह में प्रदेश में 11वां स्थान (ए ग्रेड) प्राप्त किया है। जिले में पीडीएस के अंतर्गत अगस्त व सितंबर माह का एकमुश्त राशन वितरण जारी है तथा नवीन पात्रताओं के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान उपार्जन पंजीयन 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक 04 निर्धारित केंद्रों पर किया जाएगा।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत जिले में 08 मोबाइल वेटरनरी वाहन (एमव्हीयू) टोल-फ्री नंबर 1962 के माध्यम से पशुपालकों को घर पहुँच चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। सीईओ द्वारा घर पहुँच सेवा की पूर्व सूचना एक दिन पहले देने के निर्देश दिए गए। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा में बताया गया कि गुना जिले का उद्यानिकी रकबा वर्तमान में 17 प्रतिशत है, जो ग्वालियर व चंबल संभाग में सर्वाधिक है। चालू वित्तीय वर्ष में इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत से अधिक करने के लक्ष्य के तहत अब तक लगभग 4,000 हेक्टेयर में क्षेत्र विस्तार किया जा चुका है। जिले की प्रमुख फसलों जैसे धनिया, मिर्च और आलू की प्रसंस्करण इकाइयों को प्राथमिकता दी जा रही है तथा उच्च मूल्य वाली फसलों के क्लस्टर तैयार किए जा रहे हैं। मत्स्योद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 में अब तक 138 लाख मत्स्य बीज शासकीय दरों पर वितरित किए गए हैं। साथ ही हाइजीनिक तरीके से मछली विक्रय हेतु 'मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना' के तहत जिले में 18 स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित किए गए हैं। कृषि विभाग के गुण नियंत्रण अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए अमानक पाए गए नमूनों के आधार पर 29 बीज विक्रेताओं तथा 02 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि 03 कीटनाशक फर्मों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे पक्षकार ने भवन स्वामि 1-श्रीमती सुमन गुप्ता पति श्री गोपालदास गुप्ता उम्र 66 वर्ष निवासी 1123 जानता कालोनी इन्दौर 2- श्रीमती आशा पति श्री गोपाल उम्र 71 वर्ष निवासी 7, रामजी की गली, उज्जैन 3-श्रीमती कविता मोड गुप्ता पति श्री त्रिलोक कुमार मोड उम्र 60 वर्ष निवासी 204, पटेल नगर, उज्जैन से उनके स्वत्त्वाधिपत्य के फ्लेट क्रमांक 203 एलआईजी (338 एल.आई.जी फ्लेट) पटेल नगर, उज्जैन तल मंजिल पर बना होकर लीज होल्ड हैं। जिसका क्षेत्रफल 57.75 वर्गमीटर को मय जमीन तला एवं तल मंजिल की छत के नीचे किये हुए कुल निर्माण उसमें लगे मटेरियल फिटिंग फिक्चर्स एवं नल बिजली कनेक्शन तथा कॉमन सुखाधिकारो सहित खाली हालत में सभी प्रकार के विवाद एवं ऋण भार से मुक्त अवस्था में क्रय करने का लिखीत अनुबंध किया होकर बयाना राशि दे दी गई है और अनुबंध अनुसार नियत अवधि में मेरे पक्षकार को शेष राशि अदाकर विक्रय पत्र की रजिस्ट्री करवाई जाना है। इस सूचना प्रकाशन के द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त फ्लेट के विक्रय बाबत किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या किसी विभाग को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार कोई ऋण भार टेक्स मेंटेनेंस बकाया हो या उक्त संपत्ति पर कोई स्वत्व हित या अधिकार रखते हो ऐसे संबंधित व्यक्ति, संस्था, विभाग, बैंक आदि इस सूचना प्रकाशन से 7 सात दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तूत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत उपरोक्त वर्णित फ्लेट के विक्रय पत्र की रजिस्ट्री अपने हित में करवा ली जावेगीं व किसी की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

दिनांक 03-09-2026 उज्जैन

आशीष भदोरिया एडवोकेट
कार्यालय 2, द्रविड़ मार्ग, कुशलपुरा, उज्जैन
मो. 99812-60727

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) आर.एम. लोढा समिति

(पी.ए.सी.एल. लि. के मामले में)

सार्वजनिक सूचना

पश्चिम बंगाल - दक्षिण 24 परगाना, मध्य प्रदेश उज्जैन और इंदौर, महाराष्ट्र- रायगढ़, पालघर में स्थित पी.ए.सी.एल. लि. की संपत्तियों की ई-नीलामी

1. भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सुब्रत भट्टाचार्य बनाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के मामले (सिविल अपील सं. 13301/2015) में तथा दूसरे संबंधित मामलों में, 2 फरवरी 2016 को पारित किए गए आदेश के तहत, पी.ए.सी.एल. लि. द्वारा खरीदी गई संपत्तियों की बिक्री करने के लिए, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) आर. एम. लोढा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था, ताकि बिक्री से मिलने वाले पैसों (सेल प्रोसीड्स) से निवेशकों को भुगतान किया जा सके । उपरोक्त मामले में भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित किए गए आदेश दिनांक 8 अगस्त, 2024 के अनुसार, इस समिति ने पश्चिम बंगाल- दक्षिण 24 परगाना, मध्य प्रदेश उज्जैन और इंदौर, महाराष्ट्र रायगढ़, पालघर में स्थित पी.ए.सी.एल. लि की संपत्तियों की ई-नीलामी शुरू करने का निर्णय लिया है और तदनुसार "प्रस्ताव हेतु निवेदन" (आरएफपी) जारी किये है, जो इन लिंकों के अंतर्गत उपलब्ध है: https://www.sebi.gov.in/notice-for-eoi-proposals.html, https://www.bankeauctions.com.

2. उपरोक्त संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज इन लिंकों के अंतर्गत जाकर देखे जा सकते हैं: https://sebipaclproperties.com, https://www.bankeauctions.com.

3. ई-नीलामी में भाग लेने से संबंधित ब्यौरे आरएफपी में दिए हुए हैं। आरएफपी से संबंधित मुख्य तारीखें इस प्रकार हैं: -

• आरएफपी के प्रकाशन की तारीख	04 सितम्बर, 2026
• बोलियाँ इस तारीख से प्रस्तुत की जा सकती है	04 सितम्बर, 2026
• बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख और समय	09 अक्टूबर, 2026 (17:00 बजे)
• इस तारीख से ई-नीलामी शुरू होगी	26 अक्टूबर, 2026 (11:00 बजे)

संबंधित शर्तें:

- इन संपत्तियों की बिक्री "जहाँ है, जैसा है और जो भी है" के आधार पर की जाएगी और यदि इन संपत्तियों को लेकर कोई दावा किया जाता है या उन पर कोई देनदारी बकाया हो और/या उन पर कोई ऋणभार (इन्कम्ब्रेस) हो, तो उसकी जिम्मेदारी खरीदार की होगी।
- इस नोटिस में और इस निविदा संबंधी दस्तावेज के तहत जारी किए गए आरएफपी में संपत्तियों के जो ब्यौरे दिए गए हैं वे उसी प्रकार हैं जैसा विक्रेता को उपलब्ध कराया गया है और यदि किसी कारण से इन ब्यौरों में कोई भी बदलाव होता है, तो इसकी जिम्मेदारी न तो विक्रेता की होगी और और न ही एजेंसी की।
- यदि संपत्तियों / उनसे संबंधित हक विलेख (टाइटल डीड) में कुछ भी गड़बड़ी पाई जाती है, तो उसके लिए समिति किसी भी सूरत में जिम्मेदार नहीं होगी और बोली लगाने वालों से यह निवेदन है कि वे संपत्तियों से संबंधित हक विलेख (टाइटल डीड) की अच्छी तरह से छानबीन करने के बाद ही अपनी बोलीयाँ प्रस्तुत करें।

CBC 15204/11/0077/2627

पश्चिम रेलवे-रतलाम

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः SnT-RTM-26-Tele-07R। दिनांकः 02.09.2026। कार्य का नामः रतलाम मण्डल में Simhastha 2028 के संबंध में विभिन्न स्टेशनों पर दूरसंचार यात्री सुविधाओं एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के उन्नयन तथा प्रतिस्थापन हेतु दूरसंचार सामग्री (OFC आधारित दूरसंचार अवसंरचना) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमिशनिंग बाबत। **कार्य की अनुमानित लागतः** 4,04,43,206.34/- (रुपये चार करोड़ चार लाख तैंतालीस हजार दो सौ छह एवं चौंतीस पैसे मात्र)। **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य। **जमानत राशिः** 8,08,900.00/-। **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** नौ (09) माह। **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** दिनांक 24/09/2026 समय 15.00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि व समयः** दिनांक 24/09/2026 समय 15.30 बजे तक। **वैधताः** निविदा खुलने की दिनांक से 60 दिन। निविदा http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदाकार के पास Class-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है तथा IREPS पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। केवल पंजीकृत निविदाकार ही ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं। **0237**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

कार्यालय नगर परिषद पोलायकलॉ, जिला-शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/ई-टेण्डर/2026/1772-1776 पोलायकलॉ,दिनांक 03.09.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	ई-टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लगात	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_533805_1 03.09.2026	वार्ड क्रमांक 01 में टीनशेड निर्माण कार्य	1. 3 माह (वर्षा ऋतु सहित) 2. 12,92,319	1. 2,000 2. 9,692	03-10-26
2	2026_UAD_533806_1 03.09.2026	वार्ड क्रमांक 07 में टीनशेड निर्माण कार्य	1. 3 माह (वर्षा ऋतु सहित) 2. 12,92,319	1. 2,000 2. 9,692	03-10-26
3	2026_UAD_533807_1 03.09.2026	वार्ड क्रमांक 02 में आंगनवाडी भवन निर्माण कार्य	1. 3 माह (वर्षा ऋतु सहित) 2. 10,68,101	1. 2,000 2. 8,011	03-10-26
4	2026_UAD_533808_1 03.09.2026	वार्ड क्रमांक 12 में आंगनवाडी भवन निर्माण कार्य	1. 3 माह (वर्षा ऋतु सहित) 2. 10,68,101	1. 2,000 2. 8,011	03-10-26
5	2026_UAD_533810_1 03.09.2026	वार्ड क्रमांक 01 में आरसीसी नाली निर्माण सीएम राईज स्कूल से श्री जगदीश के मकान तक कार्य	1. 3 माह (वर्षा ऋतु सहित) 2. 12,90,636	1. 2,000 2. 9,680	03-10-26

1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in/ की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
2. निकाय के पास राशि की उपलब्धता होने पर ही भुगतान किया जावेगा।

(पवन राजकुमार)
अध्यक्ष
नगर परिषद पोलायकलॉ

(भगवानसिंह भिलाला)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद पोलायकलॉ
पोलायकलॉ,दिनांक 03.09.2026

हृदय ही ईश्वर का घर

पूछा गया है कि ईश्वर और जगत का क्या संबंध है? सब प्रकार के चेतन, अचेतन पदार्थ सूर्य की उपस्थिति मात्र से सक्रिय होते हैं, जो आकाश में बिना किसी संकल्प के उदित होता है। इसी प्रकार, सब कर्म, बिना किसी इच्छा या संकल्प के ईश्वर द्वारा होते हैं। सूर्य की विद्यमानता मात्र से सूर्यकांत मणि आग उगलता है, कमल खिलते हैं, नीलकमल बंद होते हैं और सभी प्रकार के प्राणी अपना-अपना कर्म करके निश्चेष्ट हो जाते हैं। जिस प्रकार चुंबक की मात्र सन्निधि से लौह शलाका गतिशील होती है और चंद्र के उदय मात्र से चंद्रकांत मणि से जल प्रवाहित होने लगता है, नीलकमल खिलते हैं तथा दिन के कमल बंद होते हैं, उसी प्रकार असंख्य ब्रह्मांडों का व्यवस्थित संचालन केवल ईश्वर की सन्निधि से संपन्न होता है। पूर्णतया निस्संकल्प ईश्वर की सन्निधि में जीवित प्राणी अपने-अपने कर्मानुसार विभिन्न मार्गों पर चलते हुए विविध प्रकार के कर्म करते हैं। अंत में कर्म की निष्फलता का अनुभव करके पुनः आत्मा की ओर मुड़ते हैं और मुक्ति प्राप्त करते हैं। जैसे जगत का कर्मकलाप सूर्य को प्रभावित नहीं करता और पृथ्वी, जल, तेज और वायु के गुणधर्म निरवयव, अनंत आकाश को प्रभावित नहीं करते, ऐसे ही प्राणियों के कर्मों का मन से परे स्थित ईश्वर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

व्यक्त संसार ईश्वरेच्छा के कारण शोक एवं अनिष्टों से भरा हुआ है। आपके मन में सवाल उठ सकता है कि ईश्वर क्यों ऐसी इच्छा करता है? यह प्रश्न गहन तथा असमाधेय है। उस शक्ति पर किसी भी हेतु का आरोपण नहीं किया जा सकता। उस एक, अनंत, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान ईश्वर के विषय में किसी इच्छा या लक्ष्य-प्राप्ति रूप प्रयोजन का विधान नहीं किया जा सकता। अपनी सन्निधि में होने वाले कार्यों से वह हमेशा निरस्पर्श रहता है। सूर्य और जगत के कार्यों की तुलना कीजिए। वह एक जब अनेक बनता है, तो इसके पीछे किसी जिम्मेदारी का आरोपण करना सर्वथा निरर्थक है।

सर्वशक्तिमान ईश्वर के नियमों के विरुद्ध कोई भी, कुछ भी नहीं कर सकता। यदि वैयक्तिक जीव एक आकार है, तो उसकी मूल-आत्मा जो ईश्वर हैं, साकार दिखेगा। यदि मनुष्य स्वयं निराकार हो, तो जैसे अन्य पदार्थों का ज्ञान नहीं होगा, यह कैसे कहा जा सकता है कि ईश्वर साकार है? दीर्घकाल तक किए गए ध्यान से, भक्त जिस किसी रूप का निरंतर चिंतन करता है, वही स्वरूप ईश्वर धारण करता है।

इस प्रकार यद्यपि वह अनेक नामरूप धारण करता है, वस्तुतः निराकार चैतन्य ही है। जहां तक ईश्वर के निवास स्थान का सवाल है, वह हृदय के अलावा अन्य किसी स्थान में निवास नहीं करता।

सम्पादकीय

नेपाल की मांग

जल प्रलय झेल रहे नेपाल ने क्षतिपूर्ति की जो मांग रखी है, वह पहली नजर में ही बहुत स्वाभाविक और विचारणीय लगती है। इस आपदा के चलते चीन या तिब्बत में कितना नुकसान हुआ, यह बहुत स्पष्ट नहीं है, लेकिन नेपाल में अब तक 1,100 से ज्यादा लोगों की जान गई है और करीब 4,800 लोग अभी भी लापता हैं। जान के अलावा माल का जो नुकसान हुआ है, उसका सटीक आकलन आसान नहीं है। मोटे तौर पर एक अनुमान लगाया गया है कि इससे नेपाल को चार अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। समग्रता में नेपाल ने अपनी अर्थव्यवस्था का दसवां हिस्सा गंवा दिया है। क्या अब नेपाल को क्षतिपूर्ति के रूप में दुनिया के देशों से चार अरब डॉलर चाहिए? नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत, चीन और अमेरिका का बाकायदा नाम लिया है और इन देशों को सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जक बताया है। खनाल ने साफ शब्दों में कहा है कि नेपाल जैसे हिमालयी संवेदनशील राष्ट्रों को क्षतिपूर्ति देना इन देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है।

यह मांग पर्यावरण के प्रति नेपाल में आई नई जागृति का सुखद प्रमाण है। यह मांग इस देश को पहले ही करनी चाहिए थी, लेकिन नई आपदा ने कुछ देर से ही सही, विवश कर दिया है। हिमालय का एक बड़ा हिस्सा नेपाल में पड़ता है और इस देश के पर्यावरण के प्रति सजग होने के सुखद परिणाम दक्षिण एशिया ही नहीं, पूरी दुनिया को मिल सकते हैं। चीन ने समय के साथ अपने हिस्से वाले हिमालय में जो परिवर्तन किए हैं, उनकी ओर भी नेपाल को सजग होना चाहिए। वाकई, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में लगभग नगण्य योगदान के बावजूद नेपाल वैश्विक तापमान वृद्धि के बुरे नतीजे भुगत रहा है। कोई दोराय नहीं, हिमनदों के पिघलने से सबसे ज्यादा नुकसान नेपाल को ही होगा। नेपाली विदेश मंत्री का यह कथन भी बहुत मायने रखता है कि नेपाल को अचानक आई बाढ़ से उबरने के लिए दी जाने वाली किसी भी सहायता को दान के बजाय नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि, यह बड़ा सवाल है कि नेपाल दुनिया के बड़े देशों को उनके नैतिक दायित्व का एहसास कैसे करा पाएगा? क्या नेपाल की यह मांग खबरों की भीड़ में दब जाएगी? निस्संदेह, प्रथम दृष्टया यह मांग उचित है और उन देशों को वाकई क्षतिपूर्ति देने पर विधिवत विचार होना चाहिए, जो बदलते पर्यावरण की मार सबसे ज्यादा झेल रहे हैं।

प्रेम नीति युद्ध के माध्यम से

श्री कृष्ण अन्याय के सामने नहीं झुकने की देते सीख

भगवान श्रीकृष्ण को हम अलग-अलग रूपों में देखते हैं। कहीं वे नटखट बाल गोपाल हैं, कहीं राधा के कृष्ण हैं, कहीं ग्वालों के सखा हैं, कहीं अर्जुन के सारथी हैं और कहीं महाभारत के युद्ध में धर्म के पक्ष में खड़े एक ऐसे मार्गदर्शक, जिनके बिना शायद इतिहास की दिशा ही कुछ और होती। लेकिन कृष्ण को केवल बांसुरी बजाते, माखन चुराते या रास रचाते देखना उनके विराट व्यक्तित्व को बहुत छोटा कर देना है। कृष्ण प्रेम भी हैं, नीति भी हैं और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी हैं। यही कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जीवन को किसी एक रंग में नहीं देखते।

वीरेंद्र पथरिया
(दैनिक अवन्तिका)

कृष्ण प्रेम हैं-कृष्ण का नाम आते ही सबसे पहले प्रेम याद आता है यशोदा का लाड़ला कन्हैया, ग्वाल-बालों का मित्र कान्हा, गोपियों के प्रिय और राधा के कृष्ण। उनका प्रेम केवल पाने का प्रेम नहीं था। उसमें अपनापन था, समर्पण था और एक ऐसी मिठास थी जिसमें कोई स्वार्थ नहीं था। आज हम प्रेम को भी अपने मतलब से जोड़ने लगे हैं। जब तक सामने वाला हमारी इच्छा के अनुसार व्यवहार करे, तब तक प्रेम रहता है। थोड़ी असहमति हुई और प्रेम समाप्त।

कृष्ण हमें सिखाते हैं कि प्रेम का अर्थ किसी को बांधकर रखना नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व का सम्मान करना भी है। शायद इसीलिए कृष्ण का प्रेम आज भी हजारों वर्षों बाद लोगों के मन में जीवित है।

कृष्ण नीति हैं- कृष्ण केवल प्रेम करना नहीं जानते थे, उन्हें जीवन की कठिन परिस्थितियों से निकलने की नीति भी आती थी। महाभारत में कृष्ण ने स्वयं शस्त्र नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि वे युद्ध में हथियार नहीं उठाएंगे। लेकिन उन्होंने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया।

सोचिए, जिसके पास स्वयं की पूरी सेना हो, जो चाहता तो युद्ध की दिशा बदल सकता था, वह राजा बनकर नहीं बल्कि सारथी बनकर खड़ा हुआ। यही कृष्ण की नीति थी।

उन्होंने अर्जुन को केवल युद्ध करने के लिए नहीं कहा, बल्कि उसके भ्रम को दूर किया। अर्जुन अपने ही लोगों, गुरुजनों और रिश्तेदारों को सामने देखकर विचलित हो गया था। कृष्ण ने उसे समझाया कि जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब भावनाएं निर्णय पर हावी हो जाती हैं। तब विवेक की जरूरत होती है।

आज भी हमारे जीवन में छोटे-छोटे कुरुक्षेत्र हैं। कभी परिवार में, कभी नौकरी में, कभी समाज में और कभी अपने ही मन के भीतर। ऐसे समय में हमें भी कृष्ण की तरह भावनाओं के साथ विवेक रखना सीखना होगा।

कृष्ण युद्ध भी हैं-कृष्ण को केवल प्रेम और शांति का प्रतीक मानना भी अधूरा है। उन्होंने युद्ध को पसंद नहीं किया, लेकिन जब अधर्म के सामने शांति के सारे रास्ते बंद हो गए तो वे युद्ध से पीछे भी नहीं हटे।

उन्होंने पहले शांति का प्रयास किया। कौरवों से समझौते की कोशिश की। यहां तक कि पांडवों के लिए केवल पांच गांव मांगने की बात तक रखी गई। लेकिन जब अहंकार ने न्याय को स्वीकार नहीं किया, तब युद्ध अनिवार्य हो गया।

यहां कृष्ण हमें बहुत बड़ी सीख देते हैं, शांति अच्छी है, लेकिन अन्याय की कीमत पर नहीं। क्षमा महान है, लेकिन हर बार गलत को सहते रहना महानता नहीं है।

आज हम अक्सर यह सोचकर चुप रह जाते हैं कि विवाद क्यों बढ़ाएं। परिवार में कोई गलत कर रहा है तो चुप रहो, समाज में अन्याय हो रहा है तो चुप रहो, किसी कमजोर के साथ गलत हो रहा है तो यह सोचकर आंखें फेर लो कि हमें क्या लेना-देना।

कृष्ण का जीवन हमें बताता है कि जहां अधर्म हो, वहां केवल मौन रहना पर्याप्त नहीं है। कृष्ण की सबसे बड़ी सीख,परिस्थिति के अनुसार धर्म का पालन करो।

कृष्ण का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी प्रेम जरूरी होता है, कभी नीति और कभी संघर्ष। हर परिस्थिति में एक ही तरीका अपनाना बुद्धिमानी नहीं है। बच्चे से प्रेम करना है तो कभी उसे समझाना होगा, कभी डांटना भी पड़ेगा। परिवार को बचाना है तो कभी समझौता करना होगा और कभी गलत बात के सामने दृढ़ होना होगा।

समाज में शांति चाहिए तो संवाद जरूरी है, लेकिन जब संवाद का रास्ता बंद कर दिया जाए तो अन्याय के खिलाफ खड़ा होना भी जरूरी है। यही कृष्ण हैं। वे परिस्थिति के अनुसार अपना रूप बदलते हैं, लेकिन धर्म का साथ नहीं छोड़ते।

आज के मनुष्य को कृष्ण की सबसे ज्यादा जरूरत है आज हमारे पास सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन मन की शांति कम है। हमारे पास संपर्क के साधन बहुत हैं, लेकिन रिश्तों में दूरी बढ़ रही है। हम बोल बहुत रहे हैं, लेकिन सुनना कम हो गया है। हमारे पास ज्ञान बहुत है, लेकिन सही समय पर सही निर्णय लेने का विवेक कम होता जा रहा है।

ऐसे समय में कृष्ण का जीवन हमें फिर से याद दिलाता है कि जीवन केवल सुख और सुविधा का नाम नहीं है।जीवन में प्रेम भी आएगा, मोह भी आएगा, संघर्ष भी आएगा और निर्णय लेने की कठिन घड़ी भी आएगी। हर बार कोई हमारे लिए सारथी बनकर नहीं आएगा।

कई बार हमें अपने ही भीतर के कृष्ण को जगाना होगा। वह कृष्ण जो संकट में घबराता नहीं। वह कृष्ण जो प्रेम करना जानता है। वह कृष्ण जो नीति समझता है। वह कृष्ण जो अन्याय के सामने झुकता नहीं और वह कृष्ण जो हमें यह समझाता है कि परिणाम की चिंता में अपने कर्म से पीछे नहीं हटना चाहिए।

जन्माष्टमी केवल आधी रात को मंदिरों में घंटियां बजाने और भगवान के जन्म का उत्सव मनाने का दिन नहीं है।यह अपने भीतर कृष्ण को जन्म देने का अवसर भी है।हमारे भीतर थोड़ा प्रेम जन्म ले, थोड़ा विवेक जन्म ले, थोड़ा साहस जन्म ले, थोड़ी करुणा जन्म ले और अन्याय के सामने खड़े होने की शक्ति जन्म ले।

यदि ऐसा हो जाए तो कृष्ण की जन्माष्टमी केवल मंदिर में नहीं, हमारे जीवन में मनाई जाएगी। कृष्ण ने हमें जीवन से भागना नहीं सिखाया। उन्होंने जीवन के बीच खड़े होकर उसे समझना सिखाया। उन्होंने प्रेम किया तो पूरी आत्मीयता से किया। नीति अपनाई तो धर्म के लिए अपनाई और युद्ध हुआ तो अधर्म के विरुद्ध खड़े होने से पीछे नहीं हटे।

शायद कृष्ण के विराट व्यक्तित्व का यही सार है, जहां प्रेम चाहिए वहां प्रेम बनो,जहां नीति चाहिए वहां विवेक बनो,और जहां अधर्म सामने खड़ा हो, वहां साहस बनकर खड़े हो जाओ।

यही कृष्ण हैं- प्रेम भी, नीति भी और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी।

मुड़ा-तुड़ा मोजा

कस्बे के उस पुराने मुख्य डाकघर की बगल वाली गली में एक जर्जर मकान इस तरह खड़ा था जैसे सरकारी व्यवस्था का कोई पुराना इस्तीफा। उसके ऊपरी कमरे में जंग लगा लोहे का एक बड़ा ट्रंक रखा था जो मुंशी बृजमोहन जी के जीवन की एकमात्र ठोस उपलब्धि थी। उस कमरे में रहने वाले मुंशी जी हर रोज सुबह जगते ही सबसे पहले उस भारी ट्रंक का ताला इस श्रद्धा से खोलते थे जैसे कोई भ्रष्ट अधिकारी अपनी काली कमाई की तिजोरी खोलता हो। वे उसमें सबसे नीचे दबाकर रखा हुआ ऊन का एक पुराना और मुड़ा-तुड़ा मोजा बाहर निकालते थे जो अपनी स्थिति में मुंशी जी के चरित्र जैसा ही पारदर्शी हो चुका था। मोजे का रंग धूप में इस तरह उड़ चुका था जैसे चुनाव के बाद नेता के वादे उड़ जाते हैं और उसकी एड़ी के पास एक छोटा सा सुराख था जिसे धागे से इस तरह सिया गया था जैसे फटे हुए संविधान पर कोई पैबंद लगाया गया हो। बृजमोहन जी उस मोजे को अपने हाथों में थामकर घंटों उस पर उँगलियाँ फेरते और चेहरे पर वैसी ही बेताबी लाते जैसी कोई बेरोजगार युवक रोजगार दफ्तर की खिड़की पर लाता है। आस-पड़ोस के लोग जब भी उन्हें उस फटे मोजे को सहलाते देखते तो फुसफुसाने लगते कि मुंशी जी की मति अब उम्र के साथ सठिया चुकी है क्योंकि इस देश में गरीबी और पागलपन के बीच का अंतर केवल एक फटे हुए कपड़े का ही होता है। जब भी डाकिया रामरतन डाक बाँटने आता तो बृजमोहन जी सीढ़ियों से नीचे इस तरह दौड़ते जैसे जनता राहत पैकेज की ओर दौड़ती है और बड़ी उम्मीद से पूछते कि क्यों रे रामरतन आज उस बड़े शहर से कोई पैगाम आया या आज भी मेरी खाली हथेली पर तू सिर्फ सरकारी हमदर्दी ही रखेगा। रामरतन अपनी खाकी टोपी ठीक करता और एक लंबी ठंडी साँस भरकर सिर झुका लेता जैसे वह खुद भी व्यवस्था का एक लाचार पुर्जा हो। मुंशी जी की इस अजीब आदत का रहस्य उस पूरे मोहल्ले के लिए एक ऐसी अबूझ पहेली था जिसका हल शायद किसी सीबीआई जाँच में भी न मिले। उनके इकलौते बेटे मानस को बड़े शहर के एक बहुत नामी कॉर्पोरेट दफ्तर में बहुत बड़ा पद मिले आठ साल बीत चुके थे पर वह पद शायद इतना बड़ा था कि वहाँ से पिता की गरीबी दिखाई देना बंद हो गई थी।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 04 सितंबर 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 06:14 सूर्यास्त 18:38
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - अष्टमी 24:14 उपरांत नवमी
नक्षत्र - रोहिणी 23:04 उपरांत मृगशिरा
योग - हर्षण 15:44 उपरांत वज्र
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण वृषभ में रहेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 21 तारिख

मेष- कार्यक्षेत्र में काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है, पर एकाग्रता से सफलता मिलेगी। खानपान में लापरवाही से पेट में ऐंठन हो सकती है।

वृषभ- कारोबारी हैं तो व्यापार में नए सौदों के लिए बातचीत शुरू हो सकती है। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन- वित्तीय स्थिति सामान्य रहेगी, अनावश्यक खरीदारी से बचें। मांसपेशियों में खिंचाव या थकान महसूस हो सकती है।

कर्क- नौकरी में सहकर्मियों के साथ मिलकर किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह- कारोबार में व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं जो कि फलदायी होगी।

कन्या- जीवनसाथी से अपनी भावनाएं साझा करने के लिए दिन अच्छा है। अटका हुआ धन मिलने की संभावना है।

तुला- कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफलता मिलेगी। जोड़ों का दर्द परेशान कर सकता है।

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, अटके प्रोजेक्ट्स गति पकड़ेंगे। ऊर्जावान महसूस करेंगे।

धनु- कारोबारी हैं तो विदेशों या दूर के स्थानों से जुड़े काम में मुनाफा होगा। लव लाइफ खुशनुमा रहेगी।

मकर- घूमने का प्लान बन सकता है। धन आगमन के रास्ते सुगम होंगे। स्वास्थ्य बहुत बढ़िया रहेगा।

कुंभ- कार्यस्थल पर सहकर्मियों के सहयोग से कठिन कार्य भी आसानी से निपट जाएंगे। स्वास्थ्यः सेहत अच्छी रहेगी।

मीन- दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। आय में सुधार होगा, निवेश के नए मौके मिलेंगे।

(जन्माष्टमी : 4 सितंबर पर विशेष)

जब जीवन हारने लगे, तब श्री कृष्ण का जीवन पढ़िए

आज मनुष्य के पास पहले से अधिक साधन हैं,लेकिन शायद पहले से कम धैर्य। उसके पास संवाद के लिए अनेक माध्यम हैं,फिर भी भीतर का अकेलापन बढ़ता जा रहा है। छोटी-सी असफलता उसे भीतर तक हिला देती है,रिश्तों में आया मामूली तनाव उसे निराश कर देता है और जीवन की कठिन परिस्थितियों के लिए डिप्रेशन जैसे शब्द सहजता से हमारी बातचीत का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे समय में प्रश्न यह नहीं कि कठिनाइयां क्यों आती हैं। प्रश्न यह है कि कठिनाइयों के बीच मनुष्य स्वयं को कैसे संभाले? इस प्रश्न का उत्तर हजारों वर्ष पुराना है, श्रीकृष्ण के जीवन में। श्रीकृष्ण को यदि केवल मंदिर में विराजमान भगवान के रूप में देखा जाए तो हम उनके व्यक्तित्व का एक छोटा-सा हिस्सा ही देख पाएंगे। कृष्ण को समझना है तो उनके जीवन को देखना होगा। एक ऐसा जीवन जिसमें जन्म से लेकर अंतिम समय तक परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने कभी परिस्थितियों को अपने ऊपर शासन नहीं करने दिया। उनका जन्म उत्सव के बीच नहीं, कारागार में हुआ। माता-पिता जीवित थे, लेकिन जन्म लेते ही उनसे दूर होना पड़ा।आधी रात को पिता वसुदेव उन्हें लेकर यमुना पार करते हैं और गोकुल पहुंचाते हैं। जिस उम्र में एक बालक को माता-पिता की गोद चाहिए,उस उम्र में कृष्ण का जीवन सुरक्षा और संघर्ष की कहानी बन चुका था।

अमित राव पवार
(दैनिक अवन्तिका)

गोकुल में उन्हें यशोदा का वात्सल्य मिला,नंदबाबा का स्नेह मिला और मित्रों के साथ खेलने का अवसर मिला। लेकिन वहां भी उनका बचपन सामान्य नहीं था। पूतना से लेकर कालिया नाग तक अनेक संकट उनके सामने आए। बालक कान्हा (श्री कृष्ण) हर संकट के बाद फिर मुस्कुराते दिखाई देते हैं। यह मुस्कान साधारण नहीं है। यह हमें बताती है कि जीवन में संकट का आना हमारे हाथ में नहीं,लेकिन संकट के समक्ष हमारी प्रतिक्रिया हमारे हाथ में हो सकती है। श्रीकृष्ण के बाल्यकाल को हम प्रायः

माखन,बांसुरी,गोपियों और रास की कथाओं तक सीमित कर देते हैं। लेकिन इन प्रसंगों के पीछे छिपे बाल-सुलभ आनंद,स्नेह और जीवन की सहजता को समझने की आवश्यकता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व हमें बताता है कि गंभीर जिम्मेदारियों के बीच भी जीवन से आनंद को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। फिर एक दिन वही कृष्ण गोकुल छोड़ देते हैं। जिस भूमि ने उन्हें बचपनवदिया,जिन मित्रों ने उनके साथ खेला,जिस माखन से उनका बाल-स्नेह जुड़ा रहा और जिन संबंधों में उनका भावनात्मक संसार बसता था सब पीछे छूट गया। सोचिए,जिसके लिए गोकुल पूरा संसार था,उसे उसी संसार से विदा होना पड़ा।

आज हम नौकरी,व्यवसाय या शिक्षा के लिए अपना शहर छोड़ते हैं तो घर की याद आती है। कृष्ण ने तो अपने बचपन का संसार ही पीछे छोड़ दिया। लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर अपने जीवन को रोका नहीं। आगे बढ़े,क्योंकि समय उनसे नई भूमिका की मांग कर रहा था। मथुरा में कंस का अत्याचार समाप्त किया। आगे जीवन उन्हें द्वारका तक ले गया। राज्य, समाज,राजनीति और सुरक्षा की जिम्मेदारियां उनके सामने आती गईं। एक ऐसा व्यक्ति जो स्वयं राजा था,उसे भी लगातार निर्णय लेने पड़े।

और फिर आया कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में अर्जुन का संकट आज के मनुष्य के संकट से बहुत अलग नहीं था।उसके सामने निर्णय था,लेकिन मन निर्णय लेने की स्थिति में नहीं था।संबंध सामने थे,भावनाएं सामने थीं और कर्तव्य दूसरी ओर खड़ा था। अर्जुन का गांडीव नीचे गिर गया। वह युद्ध से पीछे हटना चाहता था। तब श्रीकृष्ण ने उसे केवल युद्ध का उपदेश नहीं दिया। उन्होंने उसे जीवन को देखने की दृष्टि दी। यही भागवद गीता का सार है।

कृष्ण–एक युगपुरुष...!

कृष्ण सिर्फ मुरली की तान नहीं,
ये इस जीवन का गहरा ज्ञान हैं।
वो अंधियारे में भी राह दिखाते,
हमारे उन कर्मों का सम्मान हैं।
आज धर्म बचाना हो तो लड़ना,
जब सत्य बचाना हो तो अड़ना।
यूं फल की चिंता छोड़ कर्म कर,
हाँ, यही कृष्ण का मंत्र है पढ़ना।
वो रहें सुदामा के सच्चे साथी,
धर्म हेतु अर्जुन के सारथी बने।
नीति, प्रेम और धर्म के प्रहरी,
हर एक युग में प्रासंगिक बने।
मंदिर में ही क्यों खोजें कृष्ण,
अपने कर्मों में हम उन्हें उतारें।
हम अन्याय के आगे झुकें नहीं,
सत्य की राह भी न छोड़ें सारे।
कृष्ण कोई बीती हुई कथा नहीं,
हरेक युग की जीवित चेतना हैं।
जहाँ धर्म के लिए साहस जागे,
उस कृष्ण की उपस्थिति है आगे।

संजय एम. तराणेकर
(दैनिक अवन्तिका)

यशुमति नंदलाला

मोर मुकुट शीश धरे श्यामल कृष्ण कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
वृंदावन की गलियों में घूमें है यशुमति नंदलाला,
मधुर-मधुर मुरलिया बजां काली कमली वाला,
गोरी-गोरी राधिका से करें हँसी-ठिठोली लड़ाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गईयन को है प्यारो नटखट गोविंद गोपाला,
वाकी दीवानी भईन सारी ग्वालिन बृजबाला,
हॉडी.दूध-दही की फोड़े खावे है दूध मलाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गोप-गोपीयों संग खेले खेल जग का रखवाला,
भक्तो ने पहनाई कृष्ण को प्रेमी मन की माला,
धरा पर हरि ने आनंद अद्भुत लीला दिखाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
मोर मुकुट शीश धरे श्यामल कृष्ण कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।

मोनिका डागा
(दैनिक अवन्तिका)

नंद के घर कान्हा आए,

नंद के घर कान्हा आए,
संग में खुशियाँ खूब लाए।
मैया यशोदा हँसती जाए,
माखन मिश्री उन्हें खिलाए।
नन्हे कान्हा प्यारे-प्यारे,
सबके मन को लगते न्यारे।
माथे मोर-मुकुट लहराए,
कान्हा जब मुरली बजाए।
गोकुल में उत्सव छा जाए,
हर आँगन मुस्कान सजाए।
ग्वाल-बाल संग धूम मचाएँ,
नाचें, गाएँ, खूब रिझाएँ।
दही-मटकी ऊपर लटकाएँ,
कान्हा उसको फोड़ने जाएँ।

गोपाल कौशल
(दैनिक अवन्तिका)

धर्म-आस्था

जन्माष्टमी पर कृष्णमय होगा देश, दस धामों में गूंजेगा नंद के आनंद का जयघोष

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना में भगवान श्रीकृष्ण का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। वे कहीं बाल गोपाल हैं, कहीं मुरलीधर, कहीं द्वारकाधीश तो कहीं अर्जुन के सारथी। उनके जीवन में प्रेम, करुणा, मित्रता, नीति, पराक्रम और कर्मयोग का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके जीवन-दर्शन को स्मरण करने का पर्व भी है। इस वर्ष जन्माष्टमी का मुख्य पर्व 4 सितंबर 2026 को मनाया जाएगा। मथुरा और ब्रज क्षेत्र में मध्यरात्रि के जन्मोत्सव की तैयारियां विशेष रूप से की जा रही हैं।

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

देश में श्रीकृष्ण से जुड़े अनेक प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनकी अपनी अलग धार्मिक परंपरा और ऐतिहासिक पहचान है। इन मंदिरों में जन्माष्टमी का उत्सव श्रद्धा, संगीत, भजन, झांकी, अभिषेक और मध्यरात्रि आरती के साथ मनाया जाता है।

मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा जन्माष्टमी का सबसे प्रमुख केंद्र है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में देवकी और वसुदेव के यहां हुआ था। मथुरा जिला प्रशासन भी श्रीकृष्ण जन्मस्थान को उस पवित्र स्थल के रूप में वर्णित करता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की धार्मिक मान्यता है। जन्माष्टमी की मध्यरात्रि यहां सबसे महत्वपूर्ण क्षण होता है। भगवान के जन्म की झांकी सजाई जाती है, अभिषेक किया जाता है और शंख-घंटियों के बीच जन्मोत्सव मनाया जाता है। मथुरा में जन्माष्टमी के दौरान पूरा नगर भक्ति के रंग में रंग जाता है।

वृंदावन का बांके बिहारी मंदिर- वृंदावन भगवान श्रीकृष्ण की बाल और किशोर लीलाओं से जुड़ी भूमि मानी जाती है। यहां का बांके बिहारी मंदिर देश के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में गिना जाता है। जन्माष्टमी पर मंदिर में विशेष सजावट और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। मध्यरात्रि में होने वाली मंगला आरती का विशेष महत्व है। जन्माष्टमी के अवसर पर वृंदावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूरा नगर भजन तथा कृष्ण नाम के जयघोष से गूंज उठता है।

द्वारका का द्वारकाधीश मंदिर- गुजरात की द्वारका भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ है। धार्मिक परंपरा के अनुसार मथुरा छोड़ने के बाद श्रीकृष्ण ने समुद्र तट पर द्वारका नगरी बसाई थी। द्वारकाधीश मंदिर चार धामों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जन्माष्टमी पर मंदिर को दीपों और पुष्पों से सजाया जाता है। मध्यरात्रि में भगवान के जन्म का उत्सव, आरती और विशेष पूजा होती है। गुजरात में जन्माष्टमी का उत्सव विशेष रूप से लोकप्रिय है और द्वारका में इसकी भव्यता देखते ही बनती है।

नाथद्वारा का श्रीनाथजी मंदिर- राजस्थान के नाथद्वारा में स्थित श्रीनाथजी मंदिर पुष्टिमार्गीय कृष्ण भक्ति का प्रमुख केंद्र है। यहां भगवान श्रीकृष्ण की बाल स्वरूप में पूजा की जाती है। श्रीनाथजी को गोवर्धन पर्वत धारण किए हुए बालकृष्ण के रूप में आराध्य माना जाता है। जन्माष्टमी पर भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाता है। मंदिर में विभिन्न समय की सेवा और पूजा की परंपरा के माध्यम से बालकृष्ण के प्रति वात्सल्य भाव प्रकट किया जाता है। नाथद्वारा की कृष्ण भक्ति में भक्ति के साथ कला, संगीत और परंपरा का सुंदर मेल दिखाई देता है।

उडुपी का श्रीकृष्ण मंदिर- कर्नाटक का उडुपी श्रीकृष्ण भक्ति की दक्षिण भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। मंदिर की परंपरा संत माध्वाचार्य से जुड़ी है। यहां भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के दर्शन एक विशेष खिड़की से किए जाते हैं, जिसे भक्तिभाव में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। जन्माष्टमी के अवसर पर उडुपी में विशेष पूजा, भजन और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। दक्षिण भारत की परंपराओं के अनुरूप यहां कृष्ण जन्मोत्सव का स्वरूप उत्तर भारत से अलग होते हुए भी उसी भक्ति भावना को प्रकट करता है।

गुरुवायूर का श्रीकृष्ण मंदिर- केरल का गुरुवायूर श्रीकृष्ण उपासना का अत्यंत प्रसिद्ध केंद्र है। यहां भगवान को बालकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। दक्षिण भारत में इसे कृष्ण भक्तों के प्रमुख तीर्थों में माना जाता है। जन्माष्टमी पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन और धार्मिक आयोजन होते हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1899-3112, काबली- 4010-8331, बटला- 1800, बड़ा- 5261-5550, सोयाबीन- 2593-6071, धनिया- 12950-14700, सरसो- 7050-7601, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,48,300 रवा- 1,48,000 चांदी- टंच- 2,31,500 पाट- 2,31,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

चित्रकुट ग्रामोदय विवि में प्रवेश 15 सितम्बर तक

तराना। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सूदूर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षा से वंचित एवं शासकीय सेवारत लोगो को अपनी स्नानोत्तर एवं परास्नानोत्तक उपाधी पुर्ण करने के लिए एवं शासकीय कर्मचारीयों को अपनी योग्यता बड़ाने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र छात्राओं को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी करने एवं ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे छात्र छात्रा जो किन्ही कारणो से अपनी डीग्री पुरी नही कर पाए उन्हे विश्वविद्यालय द्वारा बीए, बी.कॉम, एम.ए, एम.काम, बी.एस.सी,एम.एससी. एम.बी.ए एवं डिप्लोमा कोर्सेस मे एडमिशन लेकर अपनी शैक्षणिक योग्यता बड़ाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है जिसके सत्र जुलाई 2026-27 मे प्रवेश की अंतिम तिथि विस्तारित कर 15 सितम्बर निर्धारित की गई है। जल्द ही अपना पंजीयन कराए।

कृमिनाशक दवाई का वितरण किया

महिदपुर। म. प्र शासन की मंशानुसार दिनांक 02/09/26 बलराम जयंती के उपलक्ष्य पर काजीखेड़ी स्थित लड्डू गोपाल गोशाला में गोमाता का पूजन किया गया। साथ ही घायल गाय का इलाज कर, गोवंशों को बिमारियों से बचाने के लिए कृमिनाशक दवाई का वितरण किया गया । इस अवसर पर गुमानसिंह का विशेष सहयोग रहा। शा. पशु चिकित्सालय महिदपुर के भृत्य हुकमीचंद माली, किशोर वर्रा, आनंद आदि के द्वारा यह सरहानीय कार्य किया गया । यह जानकारी गोशाला नोडल अधिकारी डॉ अरविन्द मथानियां द्वारा दी गई ।

श्री गोपाल मंदिर में धूमधाम से मनेगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

महिदपुर। गांधी मार्ग स्थित श्री गोपाल मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रात्रि 11 बजे चल समारोह निकलेगा, जो घोड़ा पछाड़ स्थित श्री भैरव मंदिर पहुंचकर नन्हे कान्हा जी का अभिनंदन कर पुनः गोपाल मंदिर पहुंचेगा। रात्रि 12 बजे मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण की महाआरती होगी।

महिदपुर में तीन दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन

महिदपुर। रामलीला चौक में 2 से 4 सितम्बर तक तीन दिवसीय ह्यश्रीकृष्ण पर्वह्ल का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिन भोपाल की सुश्री कल्याणी-वैदेही फगरे द्वारा राधा-कृष्ण प्रसंग पर आधारित नृत्य नाटिका तथा मुंबई के श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव एवं साथियों ने कृष्ण भक्ति गायन की प्रस्तुति दी। आज 4 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्म पर आधारित नृत्य नाटिका एवं भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में लोक संस्कृति और कृष्ण भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में एसडीओपी, एसडीएम, तहसीलदार, पूर्व विधायक, पार्षदगण, एल्डरमैन, पत्रकार एवं जनप्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहे।

ड्योढ़ी शाला विद्यालय में बच्चों को बाल अधिकार एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

ब्यावरा-राजगढ़।विजय भवन परिसर में संचालित ड्योढ़ी शाला विद्यालय में बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल अपराध, बाल अधिकार एवं बाल सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में बच्चों को सुरक्षित स्पर्श एवं असुरक्षित स्पर्श की जानकारी देते हुए उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया।

ट्रेन से कटने से व्यक्ति की मौत

मक्सी। मक्सी रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार दोपहर करीब 1.30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र करीब 60 वर्ष बताई जा रही है। घटना रेलवे स्टेशन के भोपाल तरफ स्थित ब्रिज के नीचे हुई। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा बनाया। मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। बताया गया है कि मृतक ने धोती-कुर्ता पहन रखा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल पहुचाया।

पुरानी रंजिश में विक्रम सिंह को ट्रक से कुचलने की बनाई थी योजना, सीसीटीवी से सामने आई साजिश

5 लाख में एक्सीडेंट कराकर हत्या की साजिश का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

बड़िया जोड़ पेट्रोल पंप के सामने 23 अगस्त को मोटरसाइकिल सवार युवक को ट्रक से टक्कर मारने की घटना को सुसनेर पुलिस ने महज सड़क हादसा नहीं माना और जांच के दौरान हत्या की सुनियोजित साजिश का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते विक्रम सिंह निवासी ग्राम खजुरी की हत्या के लिए 5 लाख रुपए में एक्सीडेंट कराने का सौदा तय किया गया था। मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक 23 अगस्त को थाना सुसनेर में सूचना मिली थी कि बड़िया जोड़ पेट्रोल पंप के सामने मोटरसाइकिल सवार विक्रम सिंह पिता नारायण सिंह सौंधिया को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी है। घायल विक्रम सिंह ने घटना को जान से मारने की नीयत से कराया जाने की आशंका जताई थी। इस शंका को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र बोयट के मार्गदर्शन में एसडीओपी सुसनेर देवनारायण यादव के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल मालवीय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया।

इन पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में शंकर पिता मांगीलाल यादव (25), विजय पिता गोकुल सिंह यादव (22), तुलसीराम पिता मोहनलाल यादव (29), राहुल पिता अंबाराम यादव (22) तथा अर्जुन पिता रोडसिंह (32) को गिरफ्तार किया है।

जांच में घटना में प्रयुक्त ट्रक क्रमांक आरजे-17-जीबी-3330 के चालक शंकर पिता मांगीलाल यादव निवासी अहिरबर्डिया की भूमिका सामने आई। पूछताछ में शंकर ने घटना को अंजाम देना स्वीकार करते हुए पैसों के प्रलोभन में काम करने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने ट्रक मालिक विजय पिता गोकुल सिंह यादव निवासी रतनखेड़ी को भी गिरफ्तार किया।

शंकर और विजय से पूछताछ के बाद पुलिस को तुलसीराम, राहुल और अर्जुन की भूमिका की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों को 1 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह मामले में कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

पुरानी रंजिश में 5 लाख में तय हुआ था सौदा

पुलिस की पूछताछ और विवेचना में सामने आया कि ग्राम खजुरी निवासी अर्जुन पिता रोडसिंह ने विक्रम सिंह के साथ पुरानी रंजिश के चलते उसकी हत्या कराने की योजना बनाई थी। आरोप है कि अर्जुन ने तुलसीराम पिता मोहनलाल यादव निवासी बापचा से 5 लाख रुपए में विक्रम का एक्सीडेंट कराने का सौदा तय किया। इसके बाद तुलसीराम ने अन्य लोगों को साजिश में शामिल किया और योजना के अनुसार ट्रक से विक्रम सिंह को टक्कर मारकर हत्या करने का प्रयास किया गया।

सरकारी स्कूलो की अव्यवस्थाओं को लेकर जेनजी आया सामने

स्कूल की कही पोल ना खुल जाए इसलिए परिसर में घुसने तथा वीडियो ग्राफी करने से रोका

ब्यावरा। राजगढ़ जिले के ब्यावरा विकासखंड के अंतर्गत शासकीय स्कूलों की जर्जर हालत और विद्यालयों की शैक्षणिक एवं भौतिक प्रगति को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में जैन जी के युवा कार्यकर्ताओं ने शासकीय स्कूलों का निरीक्षण करना प्रारंभ कर दिया जिसको लेकर शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों में हड़कंप मचने लगा, सरकार की कही पोल ना खुल जाए इसलिए युवाओं को विद्यालय में घुसने तथा वीडियो ग्राफी करने से मना किया जा रहा लेकिन जैन जी ने जब केंद्र सरकार की नींदे उड़ाकर रख दी तो फिर यह छोटे मोटे स्कूल क्या है अब इन्होंने सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाओं को दूर करने का बीड़ा उठा लिया, इसी के चलते विवेक सूरज और सक्षम ने बताया कि शासकीय स्कूल हैबीपुरा, कोडियाखेड़ी आदि जर्जर स्कूलों का निरीक्षण किया जिसमें कही पर क्लास की दीवारों में क्रैक है तो कहीं पर छत टपक रही है। प्रशासन को तत्काल उक्त अव्यवस्था को संज्ञान में लेकर इस और ध्यान देना चाहिए।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सम्मानजनक विदाई, सौंपे गए पेंशन पीपीओ

राजगढ़। राजगढ़ जिले में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को अब लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने एक प्रभावी और संवेदनशील व्यवस्था विकसित की है, जिसके तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन पीपीओ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था जिले में सुशासन और मानवीय प्रशासन की एक मिसाल बनकर उभर रही है। माह अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय कर्मचारी अधिकारी में लोक निर्माण विभाग राजगढ़ से राजाराम रूहेला, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नरसिंहगढ़ से गंगाराम भिलाला, श्रीमती ललिता चौहान, रेवाराम वर्मा, रूपेन्द्र सिंह हाड़ा एवं शिवनारायण पाण्डव, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी खिलचीपुर से पुरूषोत?तम गुप्ता एवं गोपाल दास गुप्ता, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जीरापुर से रमेश चन्द्र हिन्डोनिया एवं किशन साकला, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सारंगपुर से रमेश चन्द्र नागर तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ब्यावरा से अशोक कुमार सक्सेना, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजगढ़ से देवेंद्र सिंह एवं देवीलाल मालवीय, जिला एवं सत्र न्यायालय राजगढ़ से श्रीमती मुन्नी बाई, उमेश कुमार दुबे एवं शिवनारायण कुशवाह, सहित एनपीएस शासकीय सेवक भी सेवानिवृत्त हुए। जिन्हे माला, शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं पीपीओ का वितरण कर उनका सम्मान किया गया।

भक्ति, आस्था और संस्कृति के रंग में निकली बाबा महाकाल की शाही सवारी

- ढोल-नगाड़ों के साथ नगर भ्रमण पर निकले बाबा महाकाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जीरापुर

श्रावण मास में रामायण पारायण की पूर्णाहुति के अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार बुधवार को छापेश्वर महादेव मंदिर, छापी बांध एवं महाकाल मंदिर जनपद परिसर जीरापुर के तत्वावधान में बाबा महाकाल की भव्य शाही सवारी निकाली गई। सवारी में बाबा महाकाल नगर भ्रमण पर निकले। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली इस धार्मिक शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना एवं पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया।

शाही सवारी में विशेष आकर्षण का केंद्र उज्जैन से आमंत्रित किए गए कलाकारों की विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। कलाकारों ने देवी-देवताओं की कथाओं एवं धार्मिक प्रसंगों पर आधारित अलग-अलग वेशभूषाओं में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इन जीवंत झांकियों ने श्रद्धालुओं के साथ-साथ बच्चों को भी विशेष रूप से आकर्षित किया।

आयोजकों द्वारा धार्मिक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को सवारी में शामिल करने का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और संस्कारों से परिचित कराना रहा। बदलते दौर में बच्चों और युवाओं तक अपनी संस्कृति एवं सनातन परंपराओं को सहज और आकर्षक माध्यम से पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय रहा।

बाबा महाकाल की सवारी जैसे-जैसे नगर के प्रमुख मार्गों से आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं की आस्था भी उमड़ती गई। जगह-जगह लोगों ने बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया तथा पुष्पवर्षा कर सवारी का स्वागत किया। धार्मिक जयघोष और भक्तिमय वातावरण से पूरा नगर शिवमय नजर आया।

जमीन विवाद में दो व्यक्तियों की हत्यारोपियों को आजीवन कारावास

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

जघन्य एवं सनसनीखेज मामला में जमीन विवाद के संबंध में बुजुर्ग दो व्यक्तियों की नृशंस हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास एवं जुमार्ने से दण्डित किया गया।

न्यायालय प्रेमा साहू अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की न्यायालय के प्रकरण के 85/18 थाना माकडोन में विभिन्न धाराओं में अभियुक्तगण (1) शंकर पिता बापू जाट, (2) रतन पिता बापू जाट, (3) राजमल पिता बापू जाट, (4) सिद्धनाथ पिता राजमल, (5) दिनेश पिता राजमल, (6) रामदयाल पिता शंकर जाट निवासीगण ग्राम बेरछी, थान माकडोन, (7) मोडसिंह पिता रघु (8) प्रताप पिता रघु जाट निवासीगण भडसिम्बा थाना कायथा (9) सीताराम पिता प्रभुदयाल निवासी सुवागांव माकडोन को न्यायालय द्वारा विचारण उपरांत दोषी पाते हुये आजीवन कारावास व अर्थ दंड से दंडित किया है।

अभियोजन की ओर से प्रकरण में पैरवी उप-निदेशक (अभियोजन) राजेन्द्र कुमार खाण्डेगर के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक शिरीष उपासनी द्वारा की गई। घटना का वर्णन यह है कि 10.07.2018 को फरियादी देवीसिह द्वारा देहाती नालसी लेख करायी कि निर्भय सिंह पाटीदार निवासी बेरछी द्वारा फोन पर सूचना दी कि ट्रेक्टर लेकर तराना आ जाओ ग्राम बेरछी में खेत हाकना है। वह ट्रेक्टर लेकर तराना आया वहां पर दो इंडिगो। कार में निर्भय सिंह, अनोखी लाल तथा निर्भयसिंह का भानेज बैठे थे। ट्रेक्टर दिनश चला रहा था सभी लोग दोपहर 01.30 बजे ग्राम बेरछी पहुंचे दोनों कार गांव के बाहर खड़ी कर दी थी। ट्रेक्टर लेकर निर्भयसिंह, अनोखीलाल, भगवान सिंह और दिनेश खेत पर पहुँचे, दिनेश खेत हाक रहा था तभी 2.30 बजे ग्राम बेरछी के शंकरलाल, रतन, राजमल, रामदयाल, दिनेश, सिद्धनाथ, मोडसिंह, प्रताप और रमसिंह हाथों में लाठी, तलवार और फर्सी लेकर आये और एक राय होकर हत्या करने की नीयत से अनोखीलाल और निर्भयसिंह के साथ मारपीट करने लगे, दिनेश बीच बचाव करने गया तो उसे भी मारने के लिये आये । 100 पुलिस वाहन को फोन लगाया पुलिस आने पर अभियुक्तगण भाग गये पास जाकर देखा तो निर्भय सिंह और अनोखीलाल के सिर में चोट होकर खून निकल रहा था।

समय पर मानदेय भुगतान की मांग, आशा कार्यकर्ताओं ने बीएसएम को सौंपा ज्ञापन

सुसनेर। आशा-ऊषा कार्यकर्ता महिला संगठन ब्लॉक की कार्यकताओं ने मानदेय समय पर एवं पूरा भुगतान किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ब्लॉक स्वास्थ्य प्रबंधक (बीएसएम) मुकेश सूर्यवंशी को ज्ञापन सौंपा। कार्यकताओं ने बताया कि वे स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यों में लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं, लेकिन उन्हें मानदेय समय पर नहीं मिलने से आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार मिलने वाला भुगतान पूरा नहीं होता और राशि में कटौती कर दी जाती है। इससे कार्यकर्ताओं को परिवार के खर्च चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

संवाद और समझाइश से बचा नवदम्पति का बिखरता संसार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा-

वन स्टॉप सेंटर सखी केंद्र महिलाओं एवं बालिकाओं को हिंसा या संकट की स्थिति में एक ही स्थान पर समेकित सहायता उपलब्ध कराने वाला केंद्र है। जहाँ पीड़ित महिलाओं को विधिक सहायता, चिकित्सा सहायता, परामर्श सहायता, अस्थाई आश्रय सहायता, पुलिस सहायता प्रदाय की जाती हैं। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में वन स्टॉप सेंटर में कार्य किया जा रहा है। 22 वर्षीय मोहबनाई (परिवर्तित नाम) अपने दादाजी के साथ वन स्टॉप सेंटर में आईं। वह काफी परेशान एवं भावुक थीं। उन्होंने रोते हुए बताया कि उनके पति एवं सास-ससुर द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने महिला थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर उनके पति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था।

महिला के दादा ने भी भावुक होकर बताया कि उनकी पोती के पति शराब का सेवन करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बड़ी कठिनाई से अपनी पोती का विवाह किया है और वे नहीं चाहते कि उसकी गृहस्थी टूटे। शिकायत प्राप्त होने के बाद वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती रश्मि चौहान द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए महिला के पति रोशनलाल (परिवर्तित नाम) को केंद्र पर बुलाया गया।

फसल बीमा राशि की मांग पर किसानों का धरना जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तनोडिया

बिजली समस्या,राजस्व विभाग,जल समस्या ,और फसल बीमा राशि में विसंगतियों और पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलने से नाराज किसानों का आंदोलन लगातार जारी है। भारतीय किसान संघ तहसील इकाई आगर के नेतृत्व में किसान एक सितंबर से पिपलोन चौपाटी पर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष तेजरा ने बताया कि जिन किसानों को राशि मिली है, वह भी फसल नुकसान की तुलना में काफी कम है। इससे किसानों में नाराजगी है। किसानों का कहना है कि उन्होंने समय पर फसल बीमा का प्रीमियम जमा किया था। इसके बावजूद नुकसान होने पर उन्हें अपेक्षित बीमा राशि नहीं मिल रही है। किसानों ने बीमा कंपनी की प्रक्रिया, पर सवाल उठाते हुए लंबित राशि का शीघ्र नुकसान के अनुरूप भुगतान करने की मांग की है। अधिकारी ने धरना स्थल पहुंचकर किसानों से चर्चा की और आंदोलन समाप्त करने की समझाइश दी। हालांकि किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। और आश्वासन के बाद तनोडिया में समाप्त किया गया।

डिप्टी कलेक्टर कमल मंडलोई, अधिकारी एसडीएम मिलीद ढोके, एसडीओपी मोतीलाल कुशवाहा, विजय सैनानी, उपसंचालक गोपेश पाठक,सहित राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन मौके पर उपस्थित रहे। इस धरना प्रदर्शन में किसान राघुसिंह चौहान, गोपाल चौधरी, जगदीश पाटीदार, उमेश पाटीदार, गोविंद सिंह, भगवानसिंह, श्याम सिंह सौंलकी, प्रेमसिंह परमार, श्याम पाटीदार,डीपसिंह राठौर, रामदयाल पाटीदार, रामसिंह मौजूद रहे।

शाही सवारी न केवल धार्मिक आस्था को अभिव्यक्त किया, बल्कि परंपरा, संस्कृति और संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश भी दिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

शिवसेना द्वारा तहसील के ग्राम पीपलू में नवीन कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया एवं प्रदेश महासचिव अनिल जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन में बड़नगर से उज्जैन जिला महासचिव राजेश कायस्थ एवं बड़नगर नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल प्रमुख रूप से पहुंचे और सहभागिता की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया ने कार्यकताओं में नया जोश भरते हुए कहा कि शिवसेना का मूल मंत्र 80 प्रतिशत समाजसेवा और 20 प्रतिशत राजनीति है। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यालय की स्थापना से आमजन को अपनी समस्याओं को उठाने और न्याय पाने का एक सशक्त माध्यम मिलेगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वहीं, बड़नगर नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल ने अपने संबोधन में जनसेवा, जीव सेवा और सामाजिक सरोकारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक पहचान निस्वार्थ सेवा से बनती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता मूक जीवों की रक्षा, पीड़ितों की सहायता और संगठन के विस्तार को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए।

इस अवसर पर युवासेना जिला अध्यक्ष एवं बड़नगर विधानसभा प्रभारी मोहित सिंह दखणी के नेतृत्व में कार्यकारिणी की अधिकृत घोषणा की गई। ?जिला अध्यक्ष / बड़नगर विधानसभा प्रभारी मोहित सिंह दखणी, जिला उपाध्यक्ष / लोहाना मंडल अध्यक्ष रवि कुमार सिंदल, जिला महासचिव धर्मेन्द्र सुवेर्शी जिला सचिव / लोहाना मंडल उपाध्यक्ष जीवन राव मराठा, ?जिला प्रवक्ता दीपक राठौर, जिला संपर्क प्रभारी/लोहाना मंडल सचिव सचिन पाटीदार, ?धार तहसील अध्यक्ष सतीश राव बदनावर तहसील अध्यक्ष ऊँकार चौधरी बदनावर तहसील उपाध्यक्ष कान्हा चौधरी बड़नगर तहसील उपाध्यक्ष अनिल नागर पीपलू (तहसील बड़नगर) ग्राम अध्यक्ष पिंटू परमार, ?प्रदेश महासचिव अनिल जोशी एवं उज्जैन जिला महासचिव राजेश कायस्थ ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन विस्तार हेतु मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण, युवा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देर रात सुसनेर थाने पहुंचे एसपी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिये आवश्यक निर्देश

सुसनेर। पुलिस अधीक्षक आगर मालवा दिलीप कुमार सोनी ने मंगलवार देर रात सुसनेर थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल मालवीय सहित पुलिस बल मौजूद रहा। एसपी ने थाना परिसर, मालखाना, बंदीगृह, शस्त्रागार, सीसीटी एनएस कक्ष सहित कार्यालयीन शाखाओं और रिकॉर्ड व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखाने में रखी जब्त सामग्री एवं संपत्ति के सुरक्षित रख-रखाव तथा रिकॉर्ड संधारण की जानकारी ली। शस्त्रागार में शासकीय हथियारों और कारतूसों की स्थिति की जांच करते हुए सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। बंदीगृह की सुरक्षा, साफ-सफाई और आवश्यक व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली गई। एसपी ने थाना क्षेत्र में लंबित अपराधों, विवेचना की प्रगति, शिकायतों, वारंट तामीली और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने तथा फरियादियों की शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मालवा की द्वारका में होंगे आज आयोजन

तराना। तेजाजी चौक स्थित मालवा की द्वारका श्री द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी पर शुक्रवार को धार्मिक आयोजन किए जाएंगे जिसमें सुबह 10:00 बजे द्वारकाधीश मंदिर में संत कमल किशोर जी नगर के आशीर्वचन एवं ध्वजा मनोरथ का आयोजन होगा। साथी गुरु और गोविंद का जन्मउत्सव भी बनाया जाएगा।

डॉ. मोहन जी यादव
मा.मुख्यमंत्री जी
नारायण जी यादव
अध्यक्ष, यादव (अहीर) समाज
श्री कृष्ण जन्माष्टमी
पर्व पर
हार्दिक बधाई...
भव्य चल समारोह
आज दिनांक 04.09.2026 को
प्रातः 10.30 बजे,
टॉवर चौक, फ्रीगंज, उज्जैन से
जमना यादव जी
युवा समाजसेवी
बधाईकर्ता : समस्त यादव (अहीर) समाज, उज्जैन (म.प्र.)

न्यूज कॉलम

सड़क से अवैध अतिक्रमण हटाया, जाम से मिलेगी राहत

झाबुआ। कल्याणपुरा गांव में सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण और यातायात की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने गुरुवार को सख्त कार्रवाई की। डिप्टी कलेक्टर सुनील डावर की अगुवाई में बायपास से पेटलावद रोड तक सड़क के दोनों ओर से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान टीआई एडमिरल तोमर पुलिस बल के साथ पंचायत, राजस्व और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। कार्रवाई से एक दिन पहले बुधवार को अधिकारियों ने इलाके का दौरा किया था। उन्होंने बायपास, तिराहे और पेटलावद मार्ग पर यातायात की स्थिति का निरीक्षण किया। इसके बाद ग्राम पंचायत कल्याणपुरा में सरपंच, सचिव, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और स्थानीय व्यापारियों के साथ एक बैठक हुई।

सांसद सावित्री ठाकुर ने छात्रावासों की बदहाली पर जताई नाराजगी

धार। धार जिला मुख्यालय पर बुधवार को धार-महू लोकसभा सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक हुई। बैठक में सड़क, रेलवे, बिजली, स्वास्थ्य, कृषि, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास और आदिवासी कार्य विभाग की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक समय पर पहुंचना चाहिए। विकास कार्य सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखाई देने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं और निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

कुक्षी में नहा रही महिला से दुष्कर्म, केस दर्ज

कुक्षी, धार। कुक्षी थाना इलाके में एक महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि कड़माल गांव के ठेकेदार राकेश चर्मकार ने घर में नहा रही महिला से दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने महिला और उसके पति को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर कुक्षी पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि वह अपने पति और सास के साथ खेती और घर का काम करती है। 28 अगस्त को पीड़िता का पति कुक्षी मजदूरी करने गया था और सास खेत में काम करने गई थी। घर पर वह अकेली थी और उसकी छोटी बच्ची सो रही थी।

सरदारपुर में कमजोर मानसून से बढ़ी टेंशन

माही के बांध और 59 तालाब नहीं भर पाए रबी फसल के लिए पानी का संकट गहराया

धार। सरदारपुर क्षेत्र में मानसून कमजोर रहने से खरीफ फसलों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खेतों में पर्याप्त बारिश नहीं होने के साथ कुएं, तालाब और सिंचाई बांध भी उम्मीद के मुताबिक नहीं भर पाए हैं। ऐसे में किसानों को अब रबी फसल के लिए भी पानी की कमी की चिंता सताने लगी है। माही परियोजना के दोनों प्रमुख बांधों में इस बार जलस्तर कम है। कालीकराई बांध अपनी पूर्ण क्षमता से करीब 3 मीटर नीचे है, जबकि माही मुख्य बांध करीब 5 मीटर खाली है। पिछले साल की तुलना में कालीकराई में 0.15 मीटर अधिक पानी है, लेकिन मुख्य बांध का जलस्तर करीब 4 मीटर कम दर्ज किया गया है। जल संसाधन विभाग झाबुआ के कार्यपालन यंत्री विपिन पाटीदार के अनुसार, कालीकराई बांध का जलस्तर 471.30 मीटर है, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 474.30 मीटर है। बांध स्थल पर अब तक 408 मिमी यानी करीब 16 इंच बारिश दर्ज हुई है।

नैनो न्यूज

- **प्लास्टिक उद्योग को मिलेगा मंच-** इंदौर में 27 से 30 नवंबर तक प्लास्ट पैक 2026 आयोजित होगा। देशभर के निवेशकों और कंपनियों को जोड़ने के लिए 23 शहरों में रोड शो होंगे।
- **निर्यात कारोबार में बढ़ोतरी-** मध्यप्रदेश का लैटिन अमेरिकी देशों को निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर करीब 3,835 करोड़ रुपए पहुंचा है। इंदौर इस व्यापार विस्तार का प्रमुख केंद्र है।
- **विदेशी निवेशकों की नजर इंदौर पर-** इंडिया-एलएसी फोरम में 15 देशों के 350 से ज्यादा निवेशक शामिल हुए। फार्मा, ऑटो, टेक्सटाइल और खाद्य उद्योग में साझेदारी पर जोर रहा।
- **इंदौर में निर्यात योजना बैठक-** 15 सितंबर को इंदौर में इलिजिबल मेन्यूफैक्चरल इंपोर्ट योजना पर उद्योगपतियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम होगा।
- **मंडी में सोयाबीन के भाव-** इंदौर मंडी में सोयाबीन के भाव में अलग-अलग क्वालिटी के अनुसार बड़ा अंतर रहा। 2 सितंबर को कुछ किस्मों के भाव 6,190 रुपए तक दर्ज हुए।
- **लहसुन की कीमतों में अंतर-** इंदौर मंडी में लहसुन के भाव क्वालिटी के अनुसार काफी अलग रहे। 2 सितंबर को अधिकतम भाव 15,290 रुपए तक दर्ज किया गया।
- **प्याज कारोबार में उतार-चढ़ाव-** इंदौर मंडी में प्याज के भाव में गुणवत्ता और आवक के अनुसार अंतर बना हुआ है। व्यापारियों की नजर रोजाना की आवक पर है।
- **गेहूं में कारोबार जारी-** इंदौर मंडी में गेहूं की आवक और कीमतों पर व्यापारियों की नजर बनी हुई है। मंडी में अलग-अलग गुणवत्ता के गेहूं के भाव अलग रहे।

शक्कर के स्टॉक को लेकर लागू किए गए शक्कर नियंत्रण आदेश-2026 के तहत इंदौर में खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

चॉकलेट फैक्ट्री में तय सीमा से ज्यादा मिला स्टॉक, 375 क्विंटल शक्कर जब्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू किए गए शक्कर नियंत्रण आदेश के तहत इंदौर में खाद्य विभाग ने शक्कर के स्टॉक और भंडारण की जांच शुरू कर दी है। इसी कड़ी में खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने पालदा क्षेत्र में स्थित चॉकलेट फेक्ट्री का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान निर्धारित स्टॉक सीमा से अधिक शक्कर का भंडारण पाए जाने पर विभाग ने 375 क्विंटल शक्कर जब्त की है। मामले में संबंधित दस्तावेजों और स्टॉक का परीक्षण किया जा रहा है।

पैपे न्यूट्रिशन का निरीक्षण- खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने पालदा स्थित पैपे न्यूट्रिशन इंदौर का निरीक्षण किया। यह इकाई चॉकलेट निर्माण से जुड़ी हुई है। जांच के दौरान टीम को निर्धारित सीमा से अधिक शक्कर का भंडारण मिला। इसके बाद मौके पर मौजूद 375 क्विंटल शक्कर को जब्त कर लिया गया। विभाग की ओर से प्रतिष्ठान के भागीदारों से संबंधित दस्तावेजों और स्टॉक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों द्वारा यह देखा जा रहा है कि मौके पर उपलब्ध शक्कर का स्टॉक किस आधार पर रखा गया था और क्या उसका भंडारण निर्धारित नियमों के अनुरूप था।

लगातार जारी रहेगी स्टॉक की निगरानी- खाद्य विभाग ने शक्कर नियंत्रण आदेश के प्रावधानों के तहत जिले में शक्कर के स्टॉक और भंडारण की निगरानी लगातार जारी रखने की बात कही है। विभाग की टीमें शक्कर उत्पादकों, डीलरों और अन्य संबंधित प्रतिष्ठानों में उपलब्ध स्टॉक की जांच कर रही हैं।

नियमों के खिलाफ भंडारण पर होगी कार्रवाई- अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में निर्धारित सीमा से अधिक शक्कर का स्टॉक पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग का फोकस शक्कर की उपलब्धता, भंडारण और निर्धारित स्टॉक सीमा के पालन की निगरानी पर है।

नौ शक्कर डीलरों के गोदाम भी खंगाले

चॉकलेट निर्माण इकाई के अलावा खाद्य विभाग की टीम ने पालदा क्षेत्र में स्थित शक्कर डीलरों के गोदामों का भी निरीक्षण किया। विभागीय जांच के दौरान अलग-अलग प्रतिष्ठानों में बड़ी मात्रा में शक्कर का स्टॉक मिला, हालांकि सभी डीलरों के यहां स्टॉक निर्धारित सीमा के भीतर पाया गया।

चॉकलेट फैक्ट्री से शक्कर जब्त

वहीं, चॉकलेट निर्माण इकाई में निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक पाए जाने के कारण 375 क्विंटल शक्कर जब्त की गई है। विभाग द्वारा इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

4 हजार क्विंटल की सीमा के भीतर मिला स्टॉक

खाद्य विभाग के निरीक्षण में इन सभी शक्कर डीलरों के यहां उपलब्ध स्टॉक भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 4 हजार क्विंटल की सीमा के भीतर पाया गया। यानी जांच किए गए डीलरों के गोदामों में फिलहाल निर्धारित सीमा से अधिक शक्कर का भंडारण सामने नहीं आया।

इंदौर में 4-5 सितंबर को श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्था रहेगी

जन्माष्टमी-गोगा नवमी पर ट्रैफिक डायवर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

जन्माष्टमी और गोगा नवमी के मद्देनजर राजबाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने 4 और 5 सितंबर को विशेष ट्रैफिक यातायात व्यवस्था लागू की है। कई रास्तों पर गाड़ियों की आवाजाही और पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी, जबकि कुछ रास्तों से ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा।

जन्माष्टमी पर्व के मौके पर 4 सितंबर को राजबाड़ा क्षेत्र स्थित बांके बिहारी मंदिर, गोपाल मंदिर, यशोदा माता मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। साथ ही नरसिंह बाजार द्वारकाधीश मंदिर, गोराकुंड चौराहा स्थित जानकीनाथ मंदिर एवं छीपाबाखल क्षेत्र में मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं के आयोजन के कारण भी बड़ी संख्या में प्रतियोगियों एवं दर्शकों की भीड़ रहेगी।

वहीं 5 सितंबर को गोगा नवमी पर्व के मद्देनजर राजबाड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों में यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात प्रबंधन पुलिस, महानगर इंदौर द्वारा दो दिनों के लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार डायवर्शन लागू किया जाएगा।

प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध एवं परिवर्तित मार्ग

- बांके बिहारी मंदिर से गोपाल मंदिर, इमामबाड़ा, सराफा, विजय चाट चौराहा होते हुए यशोदा माता मंदिर तक सभी प्रकार की गाड़ियों की आवाजाही और पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी।
- फ्रूट मार्केट चौराहे से राजबाड़ा की ओर शाम 5 बजे के बाद गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- एमजी रोड एवं मृगनयनी की ओर से दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन फ्रूट मार्केट पार्किंग में पार्क कर पैदल दर्शन के लिए जा सकेंगे।
- हरसिद्धि एवं मच्छी बाजार की ओर से राजबाड़ा आने वाले वाहन शाम 5 बजे के बाद यशवंत रोड चौराहे से राजबाड़ा की ओर नहीं जा सकेंगे। वाहन चालक यशवंत रोड से आड़ा बाजार, नंदलालपुरा होते हुए आगे की ओर जा सकेंगे।
- बड़ा गणपति चौराहे से टोरी कॉर्नर, गौराकुंड होते हुए राजबाड़ा जाने वाले वाहन मल्हारगंज थाने के सामने से गौराकुंड-राजबाड़ा की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन छीपाबाखल-बड़वाली चौकी होते हुए आगे की ओर जा सकेंगे। मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु सुभाष चौक पार्किंग में वाहन पार्क कर दर्शन हेतु जा सकेंगे।

तीन पिस्टल और कट्टा समेत अवैध हथियार बरामद

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपी पकड़े

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर क्राइम ब्रांच ने परदेशीपुरा इलाके से दो आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से तीन देशी पिस्टल, एक कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा पुलिस ने म्यूल अकाउंट मामले में मूसाखेड़ी से एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

डीसीपी राजेश त्रिपाठी की टीम ने गुरुवार को मोहम्मद शादाब खान (निवासी आजाद नगर) और आरिफ खान को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी अवैध हथियारों की डिलीवरी देने पहुंचे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियारों के साथ एक एक्टिवा भी जब्त की है। क्राइम ब्रांच दोनों से अवैध हथियारों को लेकर पूछताछ कर रही है। एक अन्य कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने मूसाखेड़ी निवासी वासू पंवार को म्यूल अकाउंट मामले में गिरफ्तार किया है। उसका सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में खाता था, जिसमें देश के कई राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की रकम जमा कराई गई थी। पुलिस वासू से मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

नामांतरण घोटाले के बाद अब नई व्यवस्था लागू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम में हुए नामांतरण घोटाले के बाद नामांतरण प्रकरणों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब नगर निगम ने नई व्यवस्था लागू की है। नामांतरण दाखिला के साथ आवेदक को अनिवार्य रूप से लेजर कॉपी (प्रति) भी उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर नगर पालिक निगम, इंदौर ने संपत्तियों से संबंधित नामांतरण प्रकरणों में पारदर्शिता के उद्देश्य से ये नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत नामांतरण की कार्रवाई पूरी होने के बाद संबंधित आवेदक को नामांतरण दाखिला के साथ नामांतरण के बाद प्राप्त लेजर की कॉपी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम ने जनता से अपील भी की है कि नामांतरण दाखिला प्राप्त करते समय संबंधित आवेदक लेजर की प्रति अवश्य प्राप्त करें और उसमें दर्ज संपत्ति, संपत्तिकर खाते और नामांतरण से संबंधित विवरण का भली-भांति अवलोकन कर लें। लेजर में दर्ज विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा विसंगति पाए जाने पर आवेदक तत्काल संबंधित ऑफिस में इसकी जानकारी देकर आवश्यक सुधार करा सकते हैं।

शादी के एक साल बाद पत्नी ने फांसी लगाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

गांधी नगर थाना क्षेत्र के अरिहंत नगर में 21 वर्षीय चेताली ने गुरुवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चेताली ने करीब एक साल पहले विक्की चंदाने से प्रेम विवाह किया था। घटना से एक रात पहले विक्की अपनी पहली पत्नी से हुई बेटी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था, जिसे लेकर चेताली से उसका विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार, विक्की की पहली पत्नी से एक बेटी है। बुधवार रात विक्की अपनी इसी बेटी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। चेताली ने इसका विरोध किया, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

इंदौर में प्रदेश स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन 6 सितंबर को

मंडी के नए नियमों से बढ़ी व्यापारियों की मुश्किलें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मंडी बोर्ड की ओर से लागू किए जा रहे नए नियमों को लेकर प्रदेश के अनाज, दलहन और तिलहन व्यापारियों की कठिनाई बढ़ रही है। व्यापारियों की समस्याओं और मांगों पर चर्चा के लिए सकल अनाज, दलहन-तिलहन व्यापारी महासंघ समिति की ओर से प्रदेश स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन 6 सितंबर, रविवार को छावनी अनाज मंडी स्थित महादेव सहारा हॉल में होगा।

महासंघ के अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल के मुताबिक वर्तमान में मंडी बोर्ड, भोपाल (मध्य प्रदेश) द्वारा व्यापारियों पर लगातार नए-नए नियम लागू किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के व्यापारियों को अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आयोजन में प्रमुख रूप से वर्ष 2009 के नियमों में भूखंड संबंधी संशोधन, सौदा पत्रक के माध्यम से व्यापार बंद किए जाने, 14 दिवस में अनुज्ञा पत्र के सत्यापन की अनिवार्यता, मंडी शुल्क में 5 गुना वसूली सहित व्यापारियों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य
उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, चर्चगेट – 400 020 द्वारा ई-निविदा संख्या: Dy.CE(C)CCG/363 आमंत्रित की जाती है।
कार्य का नाम: पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत, मुंबई सेंट्रल से बोरीवली के बीच छठी लाइन के संबंध में मुंबई सेंट्रल और खार रोड स्टेशनों के बीच फॉर्मेशन में मिट्टी कार्य, प्रमुख/लघु पुलों के निर्माण/सुदृढ़ीकरण, साइड ड्रेन, बाउंड्री वॉल और रिटेनिंग वॉल आदि का निर्माण।
NIT का मान: ₹ 85,76,20,583.25. **EMD:** ₹ 1,71,52,400/-.
ई-बिड बंद होने की तारीख: 24.09.2026 को 15:00 बजे।
ई-बिड खुलने की तारीख: 24.09.2026 को 15:30 बजे।
अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 0547
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

फर्जी आईएएस राज सोनी उर्फ हिमांशु गिरफ्तार

यूपीएससी में असफल हुआ तो सॉफ्टवेयर कंपनी से जुड़ा, आरोपी होटल शेरेटन में खाना खाने पहुंचा था

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में फर्जी आईएएस राज सोनी उर्फ हिमांशु पांचाल को लसूडिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह सरकारी सेवा में जाना चाहता था। करीब 4 साल पहले उसने यूपीएससी की परीक्षा दी थी, लेकिन पास नहीं हो सका। इसके बाद वह एक सॉफ्टवेयर कंपनी से जुड़ गया।

इससे पहले गांधी नगर में भी उसने फर्जी थानेदार बनकर लोगों पर रौब जमाने की कोशिश की थी। पकड़े जाने के बाद उसे जेल हुई। जेल से छूटने और बदनाम होने के बाद उसने अहमदाबाद का मकान 25 लाख रुपए में बेच दिया और इंदौर आ गया। एसीपी पराग सैनी ने बताया कि आरोपी शेरेटन होटल में खाना खाने पहुंचा था। बिल चुकाने की बात आई तो उसने कहा कि उसके पास अभी पैसे नहीं हैं और होटल की सर्विस बुक में राज सोनी नाम लिखकर बताया कि उसका पीए करीब दो घंटे में आकर पेमेंट कर देगा। होटल प्रबंधन को शक हुआ और पुलिस को सूचना दी गई। पूछताछ में आरोपी ने खुद को आईएएस अधिकारी और जिला कलेक्टर बताया, लेकिन पोस्टिंग और पहचान से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

मकान के बाहर लगाई थी आईएएस राज सोनी की नेमप्लेट

पुलिस ने उसके किराए के मकान की जांच की तो बाहर काले रंग की नेमप्लेट लगी मिली। इस पर आईएएस राज सोनी, जिला कलेक्टर लिखा था। घर के अंदर सत्यमेव जयते लिखा फोटो फ्रेम भी रखा था। आरोपी करीब एक महीने पहले इंदौर आया था और करीब 15 दिन पहले नेमप्लेट लगाई थी। उसकी मां को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं थी। पुलिस उसे आगे की जांच के लिए गुजरात भी ले जा सकती है। जांच में आरोपी की डायरी से इंदौर के कई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उनके दफ्तरों के नंबर मिले हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वह लोगों पर रौब जमाने के लिए अफसरों को कॉल करने का दिखावा करता था।

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

तुरंत आवश्यकता
आवश्यकता है सेल्स बॉय और सेल्स गर्ल की वेतन 8000 से 20000 तक
अंकुर जैन, जैन गाउन हाउस, 8 शंकु मार्ग अपोजिट एल एम कॉम्प्लेक्स फ्रीगंज उज्जैन मो. 9820871749

श्री गणेश बैंड उज्जैन
हमारे यहां घोड़ी, बग्गी, हाथी, ऊंट, लाइट, जनरेटर, लाजमा, ताश पार्टी, ढोल पार्टी, फूल की तोप, दूल्हन की ढोली, गाड़ी वाली लाइट, नाचने वाली घोड़ी आदि उपलब्ध है।
मास्तर : विजय सिंह सरगरा
Mob. 9981908694, 7828525454, 7067237220
अंकपात मार्ग, मीणा धर्मशाला, अंकपात मार्ग गायत्री शक्तिपीठ के पास जीवाजीगंज थाना ढोली गली, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशाति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com